THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 144 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.12 2083 सोमवार, 24 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

देश की पहली बाज ड्रोन बटालियन तैनात

जालंधर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। जालंधर केंटोनमेंट में आर्मी की 11वीं वज्र कोर ने देश की पहली बाज ड्रोन बटालियन की तैनाती की है। पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में तैनात ये पहली ड्रोन यूनिट है। पंजाब के पाकिस्तान के साथ लगते 500 किलोमीटर से ज्यादा बॉर्डर पर ड्रोन यूनिट दूर के निगरानी रख पाएगा। इसके अलावा सामान की सप्लाई और जरूरत पड़ने पर दुश्मन की एयर स्ट्राइक को रोकने की कैपेसिटी रखती है।नई बटालियन की तैनाती को लेकर आर्मी ने एक्स पोस्ट कर जानकारी दी और इसकी तस्वीरें भी साझा की। बताया गया कि स्वदेशी भारत में ही बने घातक ड्रोन के साथ-साथ अमेरिकी और इजरायली तकनीक वाले हेरॉन और हर्मीस जैसे अत्याधुनिक ड्रोन्स को इसमें शामिल किया गया है।

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी 2 मौत

5 घायलों में 2 बच्चियां; वेल्डिंग सपोर्ट टूटने से हादसा, मूर्ति तीन हिस्सों में बंटी

मुंबई, 23 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के भुलेश्वर में शनिवार रात करीब 10 बजे 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए, जिनमें 5 और 7 साल की दो बच्चियां शामिल हैं।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, प्रतिमा लालबाग से भुलेश्वर लाई जा रही थी। पंडाल से करीब 50-60 मीटर पहले प्रतिमा के पीछे लगा वेल्डिंग सपोर्ट टूट गया। इससे मूर्ति का संतुलन बिगड़ा और वह आगे की तरफ लोगों पर गिर गई। हादसे के बाद प्रतिमा के तीन टुकड़े हो गए। फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस और बीएमसी की टीमों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की है। हादसे में संकेत नेवशे (33) और बृजेश हेमंत जोशी (30) की मौत हुई। संकेत नेवशे भुलेश्वरचा राजा गणेश मंडल के अध्यक्ष थे। घायलों में वैभव घेनंद (38), पवन चौरसिया (25), लावण्या गनेर (5), दिव्या गनेर (7) और कुणाल काशिद (26) शामिल हैं। सभी की हालत स्थिर बताई गई है।

यह हादसा आगमन समारोह के दौरान हुआ। मुंबई में घरों और पंडालों में गणेश प्रतिमा की स्थापना से पहले कई मंडल आगमन समारोह आयोजित करते हैं। इस दौरान जुलूस निकाले जाते हैं।

ऊर्जा और महत्वाकांक्षा देख कर प्रभावित हुआ

पीएम मोदी ने स्पेस स्टार्टअप्स के सीईओ और फाउंडर्स से की बात

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में स्पेस स्टार्टअप्स के सीईओ और फाउंडर्स के साथ बातचीत की। इस बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री ने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया।

पीएम मोदी ने बातचीत का वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि भारत के सबसे होनहार स्पेस स्टार्टअप्स से मुलाकात हुई। हमेशा की तरह, उनकी ऊर्जा और महत्वाकांक्षा देखकर बहुत प्रभावित हुआ। आपको उनकी सोच और सकारात्मक नजरिया जरूर पसंद आएगा। मुझे जरूर बताइए,

भारत के स्पेस सफर के बारे में आपको सबसे ज़्यादा क्या उत्साहित करता है?

प्रधानमंत्री ने सभी सीईओ और फाउंडर्स से कहा, आप लोगों ने नए क्षेत्र में साहस दिखाया है। सबसे बड़ी बात है कि सरकार की बात पर भरोसा किया। मेरा मत रहा है कि हम जो भी निर्णय करें, उस पर अडिग रहें और बार-बार बदलाव न करें, ताकि कोई भी रिस्क ले तो उसे भरोसा रहे।

सीईओ ने पीएम को दी जानकारी

भारत के पहले स्पेस टेक यूनिकॉर्न के सीईओ ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को हमने भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट सफलतापूर्वक लॉन्च किया था, यह अभी शुरुआत है। >12

कंगना रनोट के बयान पर भड़के रामदेव

बोले- ओछे लोगों पर टिप्पणी नहीं; एक्ट्रेस ने कहा था- मेरी जवानी के बारे में सपने मत देखो

देहरादून, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट के 'जेनरेशन गटर' वाले बयान पर शुरू हुआ विवाद अब फिर चर्चा में है। योग गुरु बाबा रामदेव की टिप्पणी के बाद कंगना ने पलटवार करते हुए कहा था, बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में डे-ड्रीम मत कीजिए। अब कंगना के इस पलटवार पर रामदेव ने जवाब दिया है।

रविवार को हरिद्वार में रामदेव ने कहा कि वह इस विवाद को बढ़ावा नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा, स्वामी रामदेव क्या है, ये देश जानता है। रामदेव का योगदान क्या है, ये भी देश जानता है। इसलिए मैं ओछे लोगों के बारे में टिप्पणी नहीं करना चाहता। रामदेव ने कंगना के 'जेनरेशन गटर' वाले बयान पर कहा था कि जेन-Z को गटर-पटर कहना बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। उन्होंने कंगना की योग्यता, बचपन, जवानी और पुराने कारनामों को लेकर भी टिप्पणी की थी। इसके बाद कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए रामदेव पर पलटवार किया था। हाल ही में कंगना ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा था, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात युवा हिंदू महिलाओं का व्यवहार है। वे स्वतंत्र और करियर बनाने वाली महिलाओं की जिंदगी की नकल करना चाहती हैं, लेकिन उस आजादी को कमाना नहीं चाहतीं। जो महिलाएं वास्तव में स्वतंत्र होती हैं, वे विद्रोही फैसले लेती हैं, बेबाक राय रखती हैं, परंपराओं से हटकर करियर चुनती हैं और अपने हर फैसले की जिम्मेदारी भी खुद उठाती हैं, क्योंकि वे अपने दम पर जीवन जीती हैं। वे यह सब अपने माता-पिता या परिवार की कीमत पर नहीं करतीं। यह तथाकथित पश्चिमी सोच वाली भारतीय महिलाओं की नई पीढ़ी है, जिन्हें मैं 'जनरेशन गटर' कहती हूं।

घी में मिलावट करने वालों पर गिरी गाज

तीन ब्रांडों की बिक्री पर रोक, दिल्ली की कंपनी भी नपी

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन के मामले में दो कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। नई दिल्ली की मार्शे रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। वहीं, दमन की एसडीपी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को अपने सभी प्रकार के घी की बिक्री तुरंत बंद करने का आदेश दिया गया है।

प्राधिकरण ने रविवार को बताया कि दोनों कंपनियों के प्रतिष्ठानों की जांच और उसके बाद की पड़ताल में गंभीर खाद्य सुरक्षा संबंधी उल्लंघन सामने आए। इसके बाद मार्शे रिटेल का लाइसेंस निलंबित किया गया और एसडीपी इंडस्ट्रीज के घी उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी गई।

मार्शे रिटेल का खाद्य कारोबार का लाइसेंस 30 दिनों के लिए निलंबित किया गया। कंपनी को खाद्य कारोबार से जुड़ी सभी गतिविधियां बंद करने का निर्देश दिया गया है। एसडीपी इंडस्ट्रीज के सभी प्रकार के घी की बिक्री पर अगले आदेश तक रोक रहेगी। घी के नमूनों की जांच में ए-साइटोस्टेरॉल पाया गया, जो घी में नहीं होना चाहिए। फैटी एसिड की संरचना भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिली। प्राधिकरण के अनुसार, मार्शे रिटेल के प्रतिष्ठान की जांच में कई कमियां मिलीं। इनमें प्रतिष्ठान की बनावट, कामकाज की व्यवस्था, साफ-सफाई और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़ी खामियां शामिल थीं। खाद्य पदार्थों को संभालने वाले कर्मचारियों के प्रशिक्षण और जरूरी अभिलेख रखने में भी कमी पाई गई। >12

'देश में एच1एन1 का कोई नया स्ट्रेन नहीं'

स्वाइन फ्लू को लेकर आईसीएमआर का बड़ा बयान, 2025 से ही मौजूद है वायरस

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आपके मन में डर है कि देश में स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 का कोई नया और खतरनाक रूप फैल रहा है, तो डरने की जरूरत नहीं है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद यानी आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने सब साफ कर दिया है। आईसीएमआर का कहना है कि देश में एच1एन1 का कोई नया वेरिएंट नहीं मिला है। इस समय जो इन्फ्लूएंजा-ए यानी एच1एन1 09 वायरस फैल रहा है, वह पुराना ही है। यह क्लेड 6बी.1ए.5ए2ए और सब-क्लेड डी.3.1.1 ग्रुप का हिस्सा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह वायरस साल 2025 से ही देश में बना हुआ है। इसलिए किसी को भी डरने की कोई जरूरत नहीं है।

आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने वैक्सीन को लेकर भी बहुत काम की बात बताई है। उन्होंने कहा कि भारत में जो वायरस अभी घूम रहा है, वह वैक्सीन से पूरी तरह मैच खाता है। यानी उत्तरी गोलार्ध के लिए जो फ्लू वैक्सीन बनाई गई है, वह इस वायरस पर एकदम असरदार है। मौसमी इन्फ्लूएंजा या एच1एन1 कोई ऐसी बीमारी नहीं है जिससे घबराया जाए। यह एक सेल्फ-लिमिटिंग बीमारी है, यानी थोड़े दिन में अपने आप ठीक हो जाती है। मरीज को बस सही समय पर खाना, पानी और पूरा आराम चाहिए होता है। ज्यादातर लोग घर पर ही आराम करके 3-4 दिन में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर मौत मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के निहाल विहार में 31 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय गुप्ता की मौत मामले में नए खुलासे हुए हैं। जांच में सामने आया कि 21 अगस्त को घटना से पहले विनय की पत्नी रेखा ने घर के अंदर लगा सीसीटीवी कैमरा बंद कर दिया था।

पुलिस के मुताबिक, इसके बाद रेखा के भाई और भाभी घर पहुंचे और विनय के साथ मारपीट की। गंभीर रूप से घायल विनय ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में रेखा समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

विनय लक्ष्मी पार्क के रहने वाले थे और नोएडा की एक मल्टीनेशनल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। करीब साढ़े तीन साल पहले उनकी शादी 31 साल की रेखा से हुई थी। दोनों के चार महीने के जुड़वां बच्चे हैं।

जहाज निर्माण में भारत की बड़ी छलांग की तैयारी

बंगाल में पांच परियोजनाओं का शिलान्यास

कोलकाता, 23 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। उन्होंने कोलकाता से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब 3,500 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा, ''भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक खाली जगह बन रही है और भारत इस अवसर का लाभ उठा सकता है।'' इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और यंत्र इंडिया की दो परियोजनाएं शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार विकास के नए पुनर्जागरण की शुरुआत के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं की शुरुआत की खबरों ने ले ली है।''

राजनाथ सिंह ने कहा, ''हमारी सोच अब यह नहीं होनी चाहिए कि भारत को दुनिया से क्या खरीदना है। इसके बजाय हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हम दुनिया को क्या दे सकते हैं। आप दो मौकों पर पहले ही जहाजों का निर्यात कर चुके हैं और कई मित्र देश

अपनी नौसेना की जहाजों से जुड़ी जरूरतों के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। हमें अपने सामने आए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य ऐसी गुणवत्ता हासिल करना होना चाहिए, जिस पर दुनिया भरोसा करे। ऐसी गुणवत्ता जो विश्वास पैदा करे, ऐसी कीमत जो दुनिया को हमें चुनने के लिए प्रेरित करे और ऐसे आपूर्ति मानक हों, जो ग्राहकों को दोबारा ऑर्डर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

जीआरएसई के एक अधिकारी ने बताया कि क्षमता विस्तार के तहत कंपनी ने हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपीके) के साथ लीज समझौते किए हैं। इसके अलावा रायचक में नदी किनारे 32 एकड़ जमीन भी ली गई है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से युद्धपोतों के निर्माण और उनकी मरम्मत की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सुपर अल नीनो का बड़ा खतरा

5 करोड़ लोग भुखमरी की ओर, भारत समेत पूरी दुनिया पर संकट

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि सुपर अल नीनो के अगले साल तर 49 मिलियन और लोग भुखमरी की चपेट में आ सकते हैं। इनमें कई महाद्वीपों के लोग शामिल होंगे, जिनमें सबसे ज्यादा खतरा अफ्रीका को है। सुपर अल नीनो से मानसून का पैटर्न बदल सकता है और कई जगहों पर सूखे की स्थिति बन सकती है।

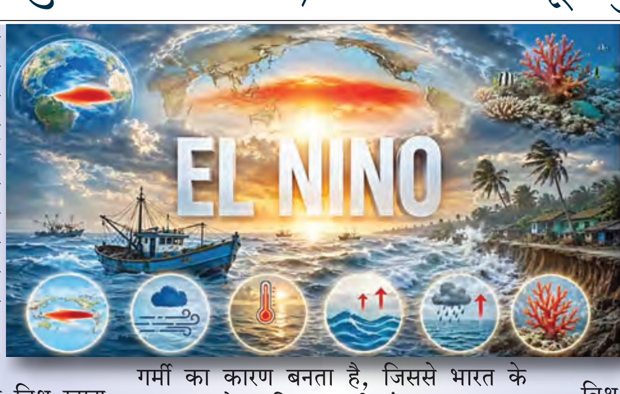

अल नीनो पर बड़ा अलर्ट

जेनेवा: संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी विश्व खाद्य कार्यक्रम ने सुपर अल नीनो को लेकर बहुत बड़ा खतरा जताया है। उसने कहा है कि एक शक्तिशाली अल नीनो मौसम घटना अगले साल के अंत तक दुनिया के कुछ सबसे कमजोर क्षेत्रों में लगभग 5 करोड़ अतिरिक्त लोगों को भुखमरी के कगार पर पहुंचा सकती है। शक्तिशाली अल नीनो प्रशांत महासागर की सतह का एक गंभीर गर्म जल चक्र है, जिसमें तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ जाता है। यह वैश्विक मौसम, सूखे, बाढ़ और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कारण बनता है, जिससे भारत के मानसून और कृषि पर भारी संकट आ सकता है। डब्ल्यूएफपी ने एक रिपोर्ट में कहा कि एक बहुत ही मजबूत अल नीनो घटना की 81% संभावना है, जिसमें समुद्र की सतह का तापमान कम से कम 1982 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर होगा और संभावित रूप से यह 1950 के बाद से इस तरह की सबसे मजबूत घटना होगी। विश्व खाद्य एवं परिवार कल्याण संगठन की खाद्य सुरक्षा और पोषण विश्लेषण सेवा के निदेशक जीन-मार्टिन बाउर ने पत्रकारों से कहा, "ये ऐसी घटनाएं हैं जिन्होंने अतीत में बड़े पैमाने पर भुखमरी को जन्म दिया है।"

अल नीनो के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति संवेदनशील माने जाने वाले 45 देशों के विश्लेषण के आधार पर, विश्व खाद्य संघ का अनुमान है कि तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या लगभग 49 मिलियन बढ़कर कुल 274 मिलियन हो सकती है, जो कि संकट-स्तर की खाद्य असुरक्षा या उससे भी बदतर स्थिति का सामना कर रही आधारभूत आबादी की तुलना में 22% की वृद्धि है।

विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य अमेरिका और दक्षिणी अफ्रीका सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से होने की आशंका है। मध्य अमेरिका में खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे लोगों की संख्या में 83% और दक्षिणी अफ्रीका में लगभग 75% की वृद्धि होने की संभावना है।

दक्षिणी अफ्रीका के साथ-साथ दक्षिण अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र में भी 12 मिलियन से अधिक लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा की चपेट में आ सकते हैं।

'ऑपरेशन छापामारी चक्रव्यूह'

दिल्ली पुलिस ने 10 बदमाश दबोचे, भारी मात्रा में नशे की खेप और असलहा जब्त

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए रोहिणी जिला पुलिस ने एक विशेष अभियान 'ऑपरेशन छापामारी चक्रव्यूह' चलाया। इस व्यापक कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 10 शातिर बदमाशों को दबोचा है। बदमाशों की निशानदेही पर अवैध हथियारों का जखीरा, भारी मात्रा में कारतूस, नशीले पदार्थ और चोरी की गाड़ियां बरामद की गई हैं।

पुलिस के अनुसार, यह ऑपरेशन जिले में बढ़ते अपराध, वाहन चोरी और नशा तस्करी के सिंडिकेट को ध्वस्त करने के लिए तैयार किया गया था। वहीं, गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ जारी है और संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई करते हुए अन्य नेटवर्क से जुड़े तारों को खंगाला जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट आज करेगा झारखंड पब्लिक सर्विस परीक्षा में 'अनियमितताओं' की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करेगा

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को झारखंड कंबाइंड सिविल सर्विसेज प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई से स्वतंत्र और समय-सीमा के भीतर जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी। मोहना की बेंच, एक्टिविस्ट हरिशरण देवगन द्वारा वकील सत्यम सिंह राजपूत के माध्यम से दायर याचिका पर सुनवाई कर सकती है। याचिका में कहा गया है, भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत यह रिट याचिका जनहित में दायर की जा रही है।

इसमें झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (प्रतिवादी नंबर 2) द्वारा 19 अप्रैल, 2026 को विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत आयोजित झारखंड कंबाइंड सिविल सर्विसेज प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा-2025 की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता से जुड़े गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दों पर कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। याचिका में सरकारी अधिकारियों और परीक्षा एजेंसियों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए

जांच को राज्य सीआईटी से सीबीआई को ट्रांसफर करने की भी मांग की गई है।

याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता का कहना है कि इस विवाद को केवल व्यक्तिगत उम्मीदवारों या कथित गड़बड़ी की इक्का-दुक्का घटनाओं से जुड़े मामले के तौर पर नहीं देखा जा सकता। इसमें कहा गया है, इन आरोपों की जांच के लिए पूरी परीक्षा प्रक्रिया को देखना होगा, जिसमें प्रश्न पत्र तैयार करना और छपाई, कोडिंग, स्टोरेज, ट्रांसपोर्टेशन, वितरण, परीक्षा का आयोजन, ओएमआर शीट का कलेक्शन और कस्टडी, स्कैनिंग, कोडिंग और डिकोडिंग, मूल्यांकन, इलेक्ट्रॉनिक परीक्षा डेटा का स्टोरेज और एक्सेस, रिजल्ट तैयार करना और उसे पब्लिश करना शामिल है। इसमें छेड़छाड़ रोकने के लिए सभी फिजिकल और डिजिटल सबूतों - जैसे ओरिजिनल और उम्मीदवार के पास मौजूद ओएमआर कार्बन कॉपी, सीसीटीवी फुटेज और सर्वर ऑडिट लॉग - को तुरंत सुरक्षित करने के निर्देश की भी मांग की गई है।

याचिकाकर्ता को पता है कि सिर्फ़ आरोपों या सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शन के आधार पर परीक्षा रद्द नहीं की जा सकती। इसलिए, याचिकाकर्ता केवल मीडिया रिपोर्ट या आरोपों के आधार पर परीक्षा रद्द करने की मांग नहीं कर रहा है। इसमें कहा गया है, मुख्य मांग सीबीआई से स्वतंत्र, निष्पक्ष, व्यापक और समय-सीमा के भीतर जांच कराने की है, ताकि कथित अनियमितताओं की प्रकृति, दायरा, तरीका और असर का निष्पक्ष रूप से पता लगाया जा सके। इसमें आगे कहा गया कि इसके बाद यह सवाल तय किया जाना चाहिए कि क्या शुरुआती परीक्षा पर भरोसे के साथ निर्भर रहा जा सकता है;

और यह फैसला निष्पक्ष और वैज्ञानिक रूप से साबित होने वाले सबूतों के आधार पर होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह एक संवैधानिक सवाल उठा रहा है कि क्या किसी संवैधानिक संस्था द्वारा आयोजित सार्वजनिक भर्ती परीक्षा में निष्पक्षता, पारदर्शिता, विश्वसनीयता और संस्थागत ईमानदारी का वह न्यूनतम स्तर बना हुआ है, जो उसके नतीजों को सार्वजनिक नियुक्तियों का कानूनी आधार बनाने के लिए ज़रूरी है।

एक करोड़ के डायमंड-गोल्ड लूटकांड का सरगना मोतिहारी से गिरफ्तार, एसटीएफ ने धर दबोचा

मुंबई, 23 अगस्त (एजेंसियां)। नवी मुंबई में हुए करीब एक करोड़ रुपये के डायमंड और गोल्ड लूटकांड के मामले में बिहार एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ की टीम ने मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए लूटकांड के कथित सरगना को पूर्वी चंपारण जिले से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब महाराष्ट्र पुलिस की टीम उसे अपने कब्जे में लेकर मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच और पूछताछ में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, नवी मुंबई में हुई इस बड़ी लूट की वारदात के बाद से ही पुलिस को मामले के मुख्य आरोपी की तलाश थी।

जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के बिहार में छिपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद बिहार एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए पूर्वी चंपारण में आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को महाराष्ट्र पुलिस को सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई। बताया जा रहा है कि नवी मुंबई में हुई इस बड़ी लूट की वारदात के बाद आरोपी पुलिस से बचने के लिए बिहार पहुंचा था। तकनीकी जांच और मिले इनपुट के आधार पर एसटीएफ ने उसकी तलाश शुरू की और पूर्वी चंपारण में कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया।

रॉयल बंगाल टाइगर 'सुंदर' की मौत बाघिन की मौत के 11 दिनों बाद तोड़ा दम

कोलकाता, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बारह दिनों तक चले संघर्ष के बाद, सुंदरबन वन्यजीव उद्यान के मुख्य आकर्षणों में से एक, नर बाघ 'सुंदर', अंततः मृत्यु के साथ अपनी लड़ाई में हार गया। दक्षिण 24 परगना के झरखाली स्थित बाघ पुनर्वास केंद्र में शनिवार तड़के बाघ की मौत हो गई। उसकी उम्र लगभग 16 वर्ष थी।

पार्क अधिकारियों के अनुसार, सुंदर पिछले 12 दिनों से एक गंभीर संक्रामक बीमारी से पीड़ित था। वन विभाग की एक विशेष चिकित्सा टीम की कड़ी निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद, आज सुबह रॉयल बंगाल टाइगर का देहांत हो गया। महज 11 दिन पहले, 11 अगस्त को, पार्क में मौजूद इकलौती 13 वर्षीय बाघिन की मृत्यु हो गई थी। लंबे समय तक इलाज के बावजूद बाघिन पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। अंततः इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। 'सुंदर' की मृत्यु ठीक उसके बाद आज हो गई। ये दोनों बाघ मूल रूप से केंद्र में बचे हुए एकमात्र बाघ थे। उनकी एक के बाद एक मृत्यु के परिणाम स्वरूप, पार्क का बाघ बाड़ा अब पूरी तरह से बाघ-मुक्त है। सुंदर की मृत्यु से झरखाली वन्यजीव पार्क को गहरा सदमा लगा है।

सुंदर के अचानक निधन की खबर से पार्क कर्मचारियों, स्थानीय निवासियों और पर्यटकों में गहरा शोक छा गया है। इतने कम समय में दो रॉयल बंगाल टाइगर की मौत ने स्वाभाविक रूप से वन विभाग और वन्यजीव प्रेमियों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। वन विभाग ने सूचित किया है कि नियमों के अनुसार पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद ही बाघ की मौत का सटीक और विशिष्ट कारण पता चलेगा।

विवाहिता ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

झज्जर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। दूबलधन माजरा गांव में विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में मायका पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या कर फंदे पर लटकाने के आरोप लगाए हैं। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के शव गृह में रखवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सोनीपत के नीरपुर बांगर निवासी प्रबीना की शादी फरवरी 2026 में दुबलधन माजरा निवासी अनीश के साथ हुई थी। मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि शादी में हैसियत के अनुसार दान दे दिया गया था, लेकिन उनकी बेटी को शादी के बाद से ही दहेज के लिए तंग किया जाने लगा। मृतका के चाचा सुरेश ने बताया कि उनकी बेटी को कभी 15000 रुपये तो कभी एसी लाने तो कभी वाशिंग मशीन के लिए तंग किया जा रहा था। पिछले चार माह से उससे फोन भी छीन लिया गया था और मायके में उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की दहेज के चलते हत्या की गई है

रक्षा मंत्रालय में नौकरी, 3 महीने की गर्भवती

ससुराल की प्रताड़ना से तंग महिला ने की आत्महत्या

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका इलाके में तीन महीने की गर्भवती 30 वर्षीय महिला की कथित तौर पर आत्महत्या से मौत का मामला सामने आया है। मृतका रक्षा मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत थी। महिला के मायके वालों ने उसके पति और ससुराल के अन्य सदस्यों पर लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि महिला फोन कॉल के जरिए उन्हें ससुराल में हो रही कथित प्रताड़ना के बारे में लगातार जानकारी देती थी। वहीं, परिवार ने यह आशंका भी जताई है कि महिला की हत्या की गई और घटना को आत्महत्या का रूप दिया गया।

मृतका की पहचान 30 वर्षीय नाजिया खानम के रूप में हुई है। एफआईआर के मुताबिक, नाजिया की शादी 11 अप्रैल 2026 को अजम अली खान से हुई थी। उनके पिता तवाब खान के बयान के आधार पर दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद से ही नाजिया को उसके पति अजम अली खान, सास

समीम निशा, ससुर बाबर अली खान और ससुराल के अन्य सदस्यों की ओर से कथित तौर पर लगातार परेशान किया जा रहा था। परिजनों के मुताबिक, नाजिया को कथित तौर पर गाली-गलौज, मारपीट और घर से निकालने के साथ जान से मारने की धमकियां भी दी जाती थीं। पिता का कहना है कि नाजिया तीन महीने की गर्भवती थी और फोन पर अपने मायके वालों को ससुराल में हो रही परेशानी के बारे में बताती थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद उसके पति के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। एफआईआर के मुताबिक, सुबह करीब चार बजे नाजिया के मायके वालों को फोन कर बताया गया कि उनकी बेटी की मौत हो गई है। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। परिवार ने नाजिया की मौत को लेकर संदेह जताया और आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने उसकी हत्या की हो सकती है

तथा घटना को आत्महत्या का रूप दिया गया। परिजनों का कहना है कि लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के कारण नाजिया ने यह कदम उठाया हो सकता है। परिवार ने मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के साथ पोस्टमार्टम और घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों व कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराने की मांग की।

आईएसएफ छोड़ने के बाद अरबुल इस्लाम की कार पर हमला

पूर्व विधायक का दावा- ईंटें और बम फेंके; टीएमसी में वापसी के संकेत

कोलकाता, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर में रविवार को पूर्व इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) नेता और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक अरबुल इस्लाम की कार पर हमला किया गया।

यह हमला इस्लाम के आईएसएफ छोड़ने और अपनी पुरानी पार्टी तृणमूल कांग्रेस में लौटने के संकेत देने के एक दिन बाद हुआ। आरोप है कि भांगर के पोलरहाट थाना क्षेत्र के उरियापाड़ा इलाके में अस्पताल से घर लौटते समय उनकी कार पर ईंटें और देसी बम फेंके गए। अरबुल इस्लाम ने इस घटना के लिए आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी और उनकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक आईएसएफ की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

इस्लाम ने दावा किया कि उनकी कार पर ईंटें और दो बम फेंके गए। दोनों में से कोई भी बम कार को नहीं लगा और सड़क पर ही फट गया। हालांकि, ईंटों के हमले में कार का शीशा टूट गया। इस दौरान इस्लाम बाल-बाल बच गए। बताया गया कि कार में इस्लाम के अलावा कुछ

अन्य लोग भी मौजूद थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चालक ने तेजी से कार वहां से निकाल ली। इससे बड़ा हादसा टल गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस्लाम या उनके साथ मौजूद किसी अन्य व्यक्ति को शारीरिक चोट नहीं आई। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। इस्लाम ने आरोप लगाया कि कुछ आईएसएफ कार्यकर्ताओं ने अंधेरे का फायदा उठाकर उनकी कार पर हमला किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने के बाद से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि हमले के पीछे कौन था। इस्लाम की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही पोलरहाट थाने की पुलिस उरियापाड़ा पहुंची। जांचकर्ताओं ने उस जगह का दौरा किया, जहां हमला किए जाने का आरोप है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हमलावरों की पहचान के लिए इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने कहा कि वह यह पता लगाने की जांच कर रही है कि हमले के पीछे कौन था और हमला क्यों किया गया।

फिलहाल इस मामले में किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है और न ही कोई गिरफ्तारी हुई है। एक दिन पहले इस्लाम ने आईएसएफ छोड़ने का ऐलान किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में पार्टी नेतृत्व पर तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने पार्टी के पद और आईएसएफ की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। उन्होंने भांगर में आईएसएफ के कुछ कार्यकर्ताओं पर आम लोगों के साथ अत्याचार करने का आरोप लगाया था। इस्लाम ने कहा था कि इन्हीं गतिविधियों के विरोध में उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया।

गोल्डी बराड़ ने हरदीप निज्जर की हत्या कराने का दावा किया, कहा- 'वह छोटे बच्चों से ड्रग्स बिकवाता था'

चंडीगढ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने दावा किया है कि उसके गैंग ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की थी। एक लीक हुए ऑडियो में बराड़ को यह कहते सुना जा सकता है कि निज्जर ऐसे लोगों का समर्थन करता था, जो 16-17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए इस्तेमाल करते थे। बराड़ का आरोप है कि ये लोग युवाओं को ड्रग्स बेचने और मुखबिरी करने के लिए ब्लैकमेल भी करते थे। ऑडियो में बराड़ ने दावा किया है कि निज्जर ऐसे लोगों को समर्थन और ताकत देता था, ताकि जरूरत पड़ने पर वह उनका इस्तेमाल कर सके। बराड़ के मुताबिक, इसी वजह से उसे और उसकी टीम को निज्जर की हत्या करनी पड़ी। बराड़ ने यह भी कहा कि हर किसी को अपने किए की कीमत चुकानी पड़ती है।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या 18 जून 2023 को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में एक गुरुद्वारे के बाहर हुई थी। ऑडियो में गोल्डी बराड़ ने कहा कि "जो लोग 16-17 साल के बच्चों को ड्रग्स बेचने के लिए तैयार करते और उन्हें इसके लिए उकसाते थे, जो लोग बच्चों को ड्रग्स बेचने और मुखबिरी करने के लिए ब्लैकमेल करते थे।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर बीजेपी का तंज

केशव उपाध्ये बोले- ये राहुल गांधी का सियासी कॉमेडी शो ; लगाए बडे आरोप

मुंबई, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष केशव उपाध्ये ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुणे में छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम को "राजनीतिक कॉमेडी शो" करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने छात्रों से जुड़े मुद्दों पर बात करने के बजाय राजनीतिक बयान दिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से शनिवार को पुणे में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' पर प्रतिक्रिया देते हुए उपाध्ये ने कांग्रेस सांसद के बयानों और पार्टी के पिछले रुख में विरोधाभास होने का दावा किया। भाजपा नेता ने एक बयान में यह भी दावा किया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए छात्रों को कॉलेज की बसों से लाया गया था।

उन्होंने कांग्रेस पर छात्रों के नाम पर कार्यक्रम को राजनीतिक सभा में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी का पुणे कार्यक्रम एक और राजनीतिक कॉमेडी शो था।" उपाध्ये ने दावा किया कि कांग्रेस नेता का भाषण "बड़े-बड़े बयानों और जानी-पहचानी शिकायतों" से भरा था, लेकिन उसमें कांग्रेस के अपने रिकॉर्ड पर कोई बात नहीं हुई। उपाध्ये ने महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू की भारत के राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी और तीन तलाक के खिलाफ कानून का विरोध किया था। उन्होंने कहा, "मनुवाद की तलाश करने से पहले कांग्रेस को खुद आईना देखना चाहिए।" उपाध्ये ने दावा किया कि कांग्रेस नरेंद्र मोदी सरकार के विकास कार्यों का मुकाबला करने में सक्षम नहीं है

और इसलिए जाति तथा धर्म के मुद्दे उठाने की कोशिश कर रही है उन्होंने आरोप लगाया, "सत्ता खोने की निराशा, चुनावी हार का गुस्सा और मोदी का डर, इन सबने मिलकर राहुल गांधी के इस तथाकथित कॉमेडी शो को जन्म दिया है।" उन्होंने कहा कि जब लोग "हंस रहे" थे, तब भी कांग्रेस अपनी चुनावी हार के कारण तलाशने में लगी हुई थी।

'जादवपुर यूनिवर्सिटी में अब नहीं चलेंगे देश-विरोधी नारे'

छात्र गुटों के बवाल पर बोले दिलीप घोष

कोलकाता, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने जादवपुर यूनिवर्सिटी में छात्र गुटों के बीच बवाल पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जादवपुर यूनिवर्सिटी में पहले देश विरोधी नारे लगाए जाते थे और गैर-कानूनी गतिविधियां हो रही थीं, लेकिन अब यह नहीं चलेगा। मंत्री दिलीप घोष ने रविवार सुबह पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'जादवपुर विवाद के बारे में यह पहली बार नहीं है, जब ऐसा हो रहा है। वहां देश विरोधी नारे लगाए जाते थे और गैर-कानूनी गतिविधियां हो रही थीं। वहां ड्रग्स-गांजा सबका अड्डा बना हुआ था। इस बारे में पहले से ही सब जानते थे। वहां केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल का अपमान हुआ, उस पर कोई कुछ नहीं बोलता था।

अब जादवपुर में यह नहीं चलेगा।' दिलीप घोष ने कहा कि पुलिस को वहां की कानून व्यवस्था देखनी चाहिए। प्रशासन को भी कैंपस के अंदर की स्थितियों को संभालना चाहिए। इसी बीच, 'वंदे मातरम' विवाद पर मंत्री दिलीप घोष ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पूरा 'वंदे मातरम' नहीं गाया। ऐसा इसलिए कि उन्हें पूरा 'वंदे मातरम' याद ही नहीं है। अब विवाद को लेकर उन्हें भुगतना होगा। घोष ने कहा, 'कांग्रेस ने आज तक 'वंदे मातरम' भी नहीं सीखा। 80 साल हो गए हैं। पहले इसे सीखो फिर बात करो। आपकी कौन सुनेगा? आपने 60 साल तक देश पर राज किया, आपने देश को क्या दिया? आपने इसे गरीब बना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला है और इसे आगे ले जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी के साथ है। कुछ लोगों को सड़कों पर उतारकर आप अव्यवस्था का निर्माण करेंगे तो वह संभव नहीं होगा।

अन्नपूर्णा भंडार योजना पर टीएमसी विधायक कुणाल घोष की टिप्पणी को लेकर मंत्री दिलीप घोष ने कहा, 'जो भी तय मानदंड को पूरा करेगा, उसे फायदा मिलेगा। टीएमसी ने पुरुषों को भी लक्ष्मी भंडार दे दिया था। इसकी अनुमति किसने दी थी। इसलिए चाहे अन्नपूर्णा भंडार स्कीम हो या आवास योजना, सभी के लिए सर्वे किए जा रहे हैं। आधार कार्ड, वोटर कार्ड और दूसरे दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है। जैसे-जैसे सत्यापन पूरा होगा, सबको सुविधाएं दी जाएंगी।'

12 साल में क्या सस्ता हुआ ?

बिना टेलीप्रॉम्प्टर गाकर दिखाएं 6 छंद, संजय राउत का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

मुंबई, 23 अगस्त (एजेंसियां)। देश में इन दिनों वंदे मातरम् को लेकर वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत का बयान सामने आया है। उन्होंने वंदे मातरम् को लेकर चल रहे विवाद पर सीधे सरकार पर निशाना साधा है। इसके साथ ही देश में चीनी के बढ़ती की कीमतों पर भी तीखा वार किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सामने आकर बिना टेलीप्रॉम्प्टर के पूरा वंदे मातरम् गाना चाहिए। संजय राउत ने कहा कि वंदे मातरम् के जो छह छंद हैं, वह बिना टेलीप्रॉम्प्टर के पीएम मोदी खुद गाएं और जय शाह, अमित शाह, जितेंद्र सिंह से भी इस गाने के लिए बोलें। उन्होंने कहा कि इन सभी के पीछे हम लोग वंदे मातरम् गाएंगे। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त का क्रांति मैदान है, वहीं मंच बनाकर दिया जाएगा। पीएम मोदी आएं और बिना टेलीप्रॉम्प्टर के गाकर दिखाएं। इसके अलावा देश में बढ़ रही चीनी (शुगर) की कीमतों को लेकर भी संजय राउत सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सरकार के 12 सालों पर सवाल खड़े किए हैं। संजय राउत ने कहा कि 12 साल में देश दूसरा और क्या हुआ है?। उन्होंने कहा कि देश में मोदी सरकार के 12 साल हो गए हैं। इस दौरान सस्ता क्या हुआ।

उन्होंने तंज करते हुए कहा कि सिर्फ मौत सस्ती हो गई है, एक्सीडेंट सस्ते हो गए हैं, आत्महत्या सस्ती हो गई है और कुछ नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि शुगरकेन शक्कर बनाने के लिए जो आता है और वह तो एथेनॉल में जाता है, ऐसे में पूरा कहां से होगा? उन्होंने कहा कि यह सब सरकार को पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी में जाइए और जेनरेशन जेड से बातचीत कीजिए, उनके घर पर जाइए और उनके मां-बाप से संवाद कीजिए। वहीं कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दिपके के खिलाफ महाराष्ट्र की लातूर में केस दर्ज होने पर संजय राउत ने कहा कि आंदोलन करने वाले बच्चे, हमारे जैसे लोग और बुजुर्ग ऐसी एफआईआर से न तो डरते हैं और न ही डरेंगे।

'माता-पिता की उम्र में 15 साल से कम का अंतर'

एसआईआर पर मुस्लिम नेता ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें चुनाव आयोग की ओर से ऐसा नोटिस मिला है, जिसमें कहा गया है कि उनकी और उनके माता-पिता की उम्र के बीच 15 साल से कम का अंतर है। निजामुद्दीन ने इस नोटिस को लेकर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके पास 2003 की चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में दर्ज उम्र से जुड़े दस्तावेज मौजूद हैं। काजी निजामुद्दीन ने कहा कि 2003 की चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में उनके पिता की उम्र 63 साल, माता की उम्र 50 साल और उनकी अपनी उम्र 27 साल दर्ज है। उन्होंने कहा कि ये सभी दस्तावेज खुद चुनाव आयोग से जुड़े हैं।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब चुनाव आयोग के पुराने रिकॉर्ड में उम्र से जुड़ी जानकारी स्पष्ट रूप से दर्ज है, तो अब उनकी उम्र और माता-पिता की उम्र के अंतर को लेकर नोटिस किस आधार पर जारी किया गया है। दिल्ली कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि इस पूरे मामले से एसआईआर की प्रक्रिया सवालों के घेरे में आती है। उन्होंने चुनाव आयोग से स्पष्ट करने की मांग की कि एसआईआर के तहत लोगों को नोटिस जारी करने का आधार क्या है और रिकॉर्ड की जांच किस प्रक्रिया के तहत की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बताना होगा कि एसआईआर के तहत आखिर किस आधार पर लोगों को नोटिस दिए जा रहे हैं। निजामुद्दीन ने अपने बयान के अंत में चुनाव आयोग से इस प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। इससे पहले अभिनेता प्रकाश राज ने भी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बड़ा दावा किया था।

उन्होंने कहा था कि बेंगलुरु निर्वाचन क्षेत्र से उनका वोटिंग राइट डिलीट कर दिया गया है। प्रकाश राज के मुताबिक, एसआईआर प्रक्रिया के बाद उनके नाम को मतदाता सूची से हटाया गया है। उन्होंने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनका जन्म बेंगलुरु में हुआ, यहीं उन्होंने पढ़ाई की और यहीं से अपने थिएटर करियर की शुरुआत की। प्रकाश राज ने वोटिंग राइट हटाए जाने के दावे पर तंज कसते हुए इसे 'अच्छा जोक' बताया। उन्होंने कहा कि जिस शहर से उनका इतना पुराना और गहरा रिश्ता है, उसी जगह की मतदाता सूची से उनका नाम हट जाना हैरान करने वाला है। प्रकाश राज ने एसआईआर की प्रक्रिया और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठाते हुए इस मामले में स्पष्टता की मांग की थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 24 अगस्त, 2026

सुविचार: एक इंसान बार-बार दोखा खाए। तो वह इंसान मुर्ख है या पागल।

फीस प्रतिपूर्ति बकाया को लेकर कांग्रेस सरकार पर बरसे रामचंदर राव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का आज से दो दिन के उपवास का ऐलान

20 लाख विद्यार्थियों के भविष्य पर संकट का आरोप

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और विद्यार्थी तथा युवा गंभीर चिंता में हैं। यह आरोप भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने नई दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में लगाया। उन्होंने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति की राशि जारी होने तक भाजपा का आंदोलन जारी रहेगा। रामचंदर राव ने दावा किया कि राज्य में करीब 20 लाख विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति के 12 हजार करोड़ रुपये बकाया हैं।

उनके अनुसार, पिछली सरकार पर 8 हजार करोड़ रुपये का बकाया था, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इसमें 4 हजार करोड़ रुपये और जोड़ दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा धनराशि जारी नहीं किए जाने के कारण महाविद्यालय अपने अध्यापकों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं और कई संस्थान विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्र रोक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय की कड़ी फटकार के बाद सरकार ने अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए अग्रिम रूप से 2 हजार करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की थी, लेकिन अब तक एक रुपया भी जारी नहीं किया गया। फीस प्रतिपूर्ति की राशि जारी करने की

मांग को लेकर भाजपा ने हैदराबाद स्थित प्रदेश कार्यालय के सामने 24 अगस्त से दो दिन का निराहार उपवास करने का निर्णय लिया है। रामचंदर राव ने कहा कि पुलिस ने अनुमति देने से इनकार करते हुए अस्वीकृति पत्र भेजा है, लेकिन भाजपा पुलिस की पाबंदियों से डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क पर अनुमति नहीं मिली तो पार्टी कार्यालय परिसर में ही दो दिन का उपवास किया जाएगा।

उन्होंने विद्यार्थियों से बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया। रामचंदर राव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में कुल 25 वर्ष का प्रशासनिक कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे राज्य में 'मोदी @ 25 सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक महीने तक गांव, मंडल, जिला और राज्य स्तर पर रक्तदान शिविर, स्वच्छ भारत अभियान, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही प्रधानमंत्री किसान, प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं के लाभों की जानकारी लाभार्थियों तक पहुंचाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के पार्टी नेताओं के साथ करीब चार घंटे बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी संगठन को मजबूत करने को लेकर सुझाव दिए। रामचंदर राव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के दौरान तेलंगाना के विद्यार्थियों से 'युवा घोषणा' के नाम पर वादे किए गए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने उन्हें पूरी तरह भुला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पॉलिटेक्निक विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज हो रहा है और आयुष विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है, लेकिन सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती दी कि यदि उनमें साहस है तो हैदराबाद आकर विद्यार्थियों की समस्याओं का जवाब दें। उन्होंने कहा कि 'जेन जी' जैसे शब्द शहरी नक्सलियों और अति-वामपंथी विचारधारा की देन हैं और देश में केवल 'युवा भारत' है। रामचंदर राव ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए इसे '30 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार' बताया। उन्होंने कहा कि पिछली भारत राष्ट्र समिति सरकार पर परिवारवाद और लूट का आरोप था, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार 'भाइयों की सरकार' बनकर लूट कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले 10 से 15 प्रतिशत कमीशन लिया जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार में यह बढ़कर 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि अचल संपत्ति क्षेत्र में 22-ए के नाम पर भवन निर्माताओं को परेशान किया जा रहा है और उनसे वसूली की जा रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में भ्रष्टाचार कुछ लोगों तक सीमित हो जाने के कारण पार्टी नेताओं में असंतोष बढ़ रहा है तथा अंदरूनी खींचतान और गुप्त बैठकें चल रही हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस को पांच वर्ष शासन करने का अवसर दिया है, लेकिन सरकार का प्रदर्शन देखकर ऐसा नहीं लगता कि वह पांच वर्ष भी सुचारु रूप से चल पाएगी।

मंत्री कोंडा सुरेखा के पूर्व ओएसडी सुमंत का ड्राइवर गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने वन मंत्री कोंडा सुरेखा के पूर्व ओएसडी सुमंत के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। खबरों के अनुसार, ड्राइवर को रविवार सुबह तेल्लापुर स्थित सुमंत के आवास के बाहर से हिरासत में लिया गया। मेडिपल्ली पुलिस ने सुमंत और छह अन्य लोगों के खिलाफ 'जीरो एफआईआर' दर्ज की थी और बाद में मामले को जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यवसायी से 10 करोड़ रुपये की मांग की और लोहे की रॉड से उसकी पिटाई की। बताया जा रहा है कि इस मामले की जांच के तहत ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है। पुलिस टीमें फिलहाल सुमंत की तलाश कर रही हैं।

कुमरम भीम आसिफाबाद में ज़रूरत से ज़्यादा बारिश

कुमरम भीम आसिफाबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को कुमरम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद दोनों ज़िलों के कुछ हिस्सों में हल्की और मध्यम बारिश दर्ज की गई।

कुमरम भीम आसिफाबाद ज़िले में औसत बारिश 29.8 मिमी मापी गई, जबकि सिरपुर (टी) मंडल में सबसे ज़्यादा 55.8 मिमी बारिश हुई। कौटाला, केरामेरी और वांकिडी मंडलों में 40 मिमी से ज़्यादा बारिश दर्ज की गई। 1 जून से 22 अगस्त तक सामान्य बारिश 775 मिमी के मुकाबले ज़िले में वास्तविक बारिश 789 मिमी रही।

पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने कांग्रेस, भाजपा सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने रविवार को दावा किया कि तेलंगाना राज्य सरकार और भाजपा द्वारा संयुक्त रूप से खेले गए धोखे का पर्दाफाश हो चुका है। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम परियोजना के अंतर्गत सुंडिला और अन्नाराम बांधों के संबंध में केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट ने इस मिलीभगत को उजागर कर दिया है। शहर के तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि सरकार ने पूर्व मंत्री केटीआर के बार-बार अनुरोधों को नजरअंदाज किया, जिसमें मेडिगड्डा बैराज से अलग कन्नेपल्ली पंप हाउस को संचालित करने की बात कही गई थी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार लगातार झूठे दावे दोहरा रही है और एनडीएसए को बहाना बना रही है। उन्होंने कहा कि कमीशन के लालच में डूबी यह सरकार लाखों एकड़ कृषि भूमि को पानी की आपूर्ति करने में विफल रही है। उन्होंने इस बात पर

प्रकाश डाला कि कैसे पोथिरेड्डीपाडु से पानी की हेराफेरी की जा रही है और आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश सरकार राजशेखर रेड्डी द्वारा बनाए गए पोथिरेड्डीपाडु आउटलेट से असीमित मात्रा में पानी निकाल रही है। जगदीश रेड्डी ने जोर देकर कहा कि पोथिरेड्डीपाडु से केवल बाढ़ का पानी ही निकाला जाना चाहिए, फिर भी आंध्र प्रदेश सरकार ने बेईमानी और अवैध रूप से 140 टीएमसी पानी मोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि नागार्जुन सागर जलाशय में वर्तमान में 175 टीएमसी पानी है और अगर इसमें अतिरिक्त 110 टीएमसी पानी आ जाए तो जलाशय भर जाएगा, जिससे लेफ्ट कैनाल के अंतर्गत फसलों के लिए पर्याप्त पानी सुनिश्चित हो जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि जब नागार्जुन सागर में जलस्तर 518 फीट था और यहां तक कि केसीआर के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान जब यह 510 फीट था तब भी लेफ्ट कैनाल कमांड क्षेत्र को सिंचाई का पानी दिया गया था। पेन्ना बेसिन में बाढ़ न आने के बावजूद, महबूबनगर क्षेत्र (जहां 52% बारिश की कमी है) के पंप अभी तक चालू नहीं किए गए हैं; यह सरकार गोदावरी और कृष्णा नदी क्षेत्रों के साथ विश्वासघात कर रही है। वे पानी रोक रहे हैं क्योंकि आपूर्ति करने पर बिजली खरीदनी पड़ेगी और अगर फसलें उगाई गईं तो उन्हें खाद देनी पड़ेगी। वे पानी की आपूर्ति करने से इसलिए इनकार कर रहे हैं क्योंकि फसल खरीदने के लिए उन्हें बोनस देना पड़ेगा। यह एक दुर्भावनापूर्ण रणनीति है, उन्होंने आरोप लगाया।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 261 लोगों को पकड़े गए

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 261 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) के स्तर के आधार पर कुल 215 दोपहिया वाहन, 5 तिपहिया वाहन, 38 चार पहिया वाहन और 3 भारी वाहन दर्ज किए गए। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया है कि शराब के नशे में गाड़ी चलाना एक गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पाया जाता है और किसी घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो ऐसे व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के तहत अधिकतम सजा 10 वर्ष कारावास और जुर्माना है। पिछले सप्ताह (17 से 22 अगस्त) अदालतों में शराब पीकर वाहन चलाने के कुल 232 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें से 6 व्यक्तियों को जुर्माना और सामाजिक सेवा की सजा सुनाई गई और 226 व्यक्तियों को केवल जुर्माना लगाया गया।

'वन एन ओनली' ने जीती गवर्नर ट्रॉफी

राज्यपाल ने प्रतियोगिताओं का अवलोकन किया

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद रेस क्लब में रविवार को आयोजित हैदराबाद मानसून रेस-2026 की प्रमुख प्रतियोगिता गवर्नर ट्रॉफी (1,200 मीटर) पर 'वन एन ओनली' ने कब्जा जमाया। जॉकी अक्षय कुमार की सवारी और डी. नेटो के प्रशिक्षण में 'वन एन ओनली' ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, जो हैदराबाद रेस क्लब के मुख्य संरक्षक हैं, ने रेस क्लब पहुंचकर गवर्नर बॉक्स से प्रतियोगिताओं का अवलोकन किया। पूरे दिन रेस में कड़ा मुकाबला देखने को मिला और दर्शकों में खासा उत्साह रहा। रेस के बाद राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने विजेता 'वन एन ओनली' के मालिकों रामाशेषु एयुन्नी, शंकर श्रीनिवास, अशोक रणपिसे और डोनाल्ड एंथनी नेटो, जॉकी अक्षय कुमार तथा प्रशिक्षक डी. नेटो को गवर्नर ट्रॉफी प्रदान की और जीत पर बधाई दी। इससे पहले हैदराबाद रेस क्लब के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को क्लब के इतिहास और उसके विकास की जानकारी दी। राज्यपाल ने क्लब के संग्रहालय का भी दौरा किया और वहां प्रदर्शित ऐतिहासिक वस्तुओं एवं स्मृतिचिह्नों में रुचि दिखाई। इस अवसर पर हैदराबाद रेस क्लब के अध्यक्ष आर. सुरेंद्र रेड्डी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बार-बार छापे के बावजूद मंगर बस्ती में गांजे का कारोबार जारी

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस, ईगल फोर्स और निषेध एवं आबकारी विभाग द्वारा बार-बार छापे मारने के बावजूद, हबीब नगर पुलिस सीमा के अंतर्गत अफ़ज़ल सागर में मंगर बस्ती (जिसे मोंगर बस्ती भी कहा जाता है) में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री जारी है।

जुलाई के दूसरे सप्ताह में, 38 टीमों में लगभग 1,100 पुलिसकर्मियों ने मंगर बस्ती और आसपास के इलाकों में सुबह होने से पहले एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया, जिसमें कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को निशाना बनाया गया।

सूत्रों का कहना है कि छापे के बाद भी ड्रग्स का कारोबार जारी है, लगातार कार्रवाई के बाद इसका दायरा कम हो गया है। कई स्थानीय गिरोह, जो पहले जेब काटने जैसे छोटे-मोटे अपराधों में शामिल थे।

'यही हैं आपके अंतरराष्ट्रीय मानक, रेवंत रेड्डी?' : हरीश राव

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण ड्रेस नहीं

'गुजरात के बिचौलियों से प्रेम, तेलंगाना के बुनकरों की अनदेखी'

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हरीश राव ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को घटिया गुणवत्ता की वर्दी दिए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। हरीश राव ने सवाल किया कि जो सरकार बार-बार तेलंगाना में विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था स्थापित करने का दावा करती है, वह सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को कम से कम गुणवत्तापूर्ण वर्दी तक उपलब्ध क्यों नहीं करा पा रही है।

उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर विद्यार्थियों को अब तक वर्दियां नहीं मिली हैं। जहां मिली हैं, वहां कई वर्दियों के नाप सही नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ वर्दियों की सिलाई खुल रही है और धोने के

बाद उनका रंग फीका पड़ रहा है। दो जोड़ी वर्दियां देने का प्रावधान होने के बावजूद कई जगहों पर एक जोड़ी भी पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराई गई। हरीश राव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को गुजरात के बिचौलियों से जितना प्रेम है, उतना तेलंगाना के हथकरघा कामगारों से नहीं है। उन्होंने कहा कि बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर वर्दियों के निर्माण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी। इसके बजाय कमीशन के लिए बड़े कॉरपोरेट समूहों से घटिया गुणवत्ता की वर्दियां मंगाकर विद्यार्थियों और बुनकरों दोनों के साथ अन्याय किया गया।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार की नीति 'मफतलाल को बढ़ावा, बुनकरों को नहीं' बनकर रह गई है? पूर्व मंत्री ने कहा कि एक ओर हथकरघा कामगारों के रोजगार पर चोट की गई है, वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों को घटिया वर्दियां दी जा रही हैं।

इससे विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है और बुनकरों को रोजगार का नुकसान उठाना पड़ रहा है। हरीश राव ने सरकार से घटिया गुणवत्ता की वर्दियों की तत्काल जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

निर्मल में सरकारी टीचर की लाश नाले में मिली

निर्मल, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को भैंसा मंडल के माटेगाँव गाँव में एक नाले में सरकारी टीचर की लाश मिली। टीचर की लाश को नाले से निकाला गया। पुलिस ने बताया कि हल्दा गाँव के प्राइमरी स्कूल टीचर, 37 साल के माचारला महेश ने या तो नाले में कूदकर अपनी जान दे दी होगी या फिर डूबने से उनकी मौत हो गई होगी।

उन्हें शराब की लत थी और वे अपनी ज़िंदगी को लेकर डिप्रेशन में थे। वे घर से यह कहकर निकले थे कि वे अपनी ड्यूटी पर जा रहे हैं, लेकिन लगता है कि शुक्रवार को उन्होंने यह खतरनाक कदम उठा लिया। उनकी लाश नाले में मिली। टीचर के परिवार वालों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच चल रही है।

फर्जी मुहर लगाकर 24.16 लाख रुपये का माल हड़पने के आरोप में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने फर्जी मुहर का इस्तेमाल कर भुगतान किए बिना करीब 24.16 लाख रुपये का ड्राई फ्रूट्स का माल हासिल करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, मूल्यवान प्रतिभूति की जालसाजी तथा फर्जी दस्तावेज/इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को असली बताकर इस्तेमाल करने सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद अकबर, मोहम्मद अलीम और मोहम्मद कासिम पाशा के रूप में हुई है। तीनों शास्त्रीपुरम, मैलारदेवपल्ली के रहने वाले हैं। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक 21 अगस्त को बेगम बाजार स्थित विनोद इम्पेक्स के प्रोपराइटर करण कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उनके नियमित ग्राहक मोहम्मद अकबर और मोहम्मद अलीम ने फर्जी मुहर का इस्तेमाल कर बिलों पर भुगतान होने का झूठा प्रमाण दिखाया और बिना भुगतान किए माल प्राप्त किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, पिछले करीब ढाई महीने में आरोपियों ने लगभग 24 लाख 16 हजार 450 रुपये का माल बिना भुगतान लिए और बाद में उसे बेचकर कथित तौर पर अवैध लाभ कमाया। स्टॉक रिकॉर्ड की जांच के दौरान कारोबारी को इस गड़बड़ी का पता चला। पूछताछ में अलीम द्वारा कथित तौर पर अपनी संलिप्तता स्वीकार किए जाने की बात पुलिस ने कही है। बकाया राशि के बदले आरोपियों द्वारा एक स्विफ्ट डिजायर कार और एक टीवी भी दिए जाने की जानकारी सामने आई है। मामले की शिकायत पर गोशामहल पुलिस ने अपराध संख्या 300/2026 के तहत बीएनएस की धारा 318(4), 316(2), 336(3), 338, 340(2) सहपठित धारा 3(5) में मामला दर्ज किया। जांच के दौरान 22 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि दो आरोपी अपने घर पर और तीसरा आरोपी अपनी दुकान पर मौजूद है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों को हिरासत में लिया।

फिरौती के लिए अपहरण और वसूली के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने फिरौती के लिए अपहरण, जबरन वसूली, मारपीट और आपराधिक धमकी के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो कारें, एक ऑटो और दो स्मार्टफोन बरामद किए हैं। मामले में छह अन्य आरोपी फरार बताए गए हैं, जिनकी तलाश जारी है। गोशामहल पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करण कुमार (निवासी जोशीवाड़ी, गोशामहल), हनुमान राम (जोशीवाड़ी), देवी लाल (लेबर अड्डा), शंभू कुमार (एमजे ब्रिज) और जुमर उर्फ जुमर गुर्जर (लेबर अड्डा) के रूप में हुई है। पांचों को 22 अगस्त को गिरफ्तार कर माननीय XVI एसीजेएम अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, घटना के संबंध में 21 अगस्त की सुबह मोहम्मद अकबर की शिकायत पर क्राइम नंबर 301/2026 के तहत बीएनएस की धाराओं 127(7), 120(1), 115, 351(2), 308, 352 और 3(5) में मामला दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार, अकबर और उनके भाई मोहम्मद अलीम पिछले करीब दो वर्षों से बेगम बाजार स्थित विनोद इम्पेक्स से ड्राई फ्रूट्स की खरीदारी कर रहे थे। पिछले तीन महीनों के दौरान फर्म की मुहर का कथित रूप से फर्जी इस्तेमाल कर करीब 8 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता किए जाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को विनोद इम्पेक्स के मालिक करण कुमार और उसके साथियों ने अकबर और अलीम को कथित तौर पर गोदाम में बंधक बना लिया। आरोप है कि दोनों के साथ हाथों और लोहे की पाइप से मारपीट की गई, उनके हाथ बांध दिए गए तथा उनके वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी दी गई। आरोप यह भी है कि उनके माता-पिता को गोदाम में बुलाकर उनके साथ भी कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दोनों की रिहाई के बदले दो लाख रुपये नकद तथा एक कार और एक ऑटो देने की मांग की। कथित बंधक बनाए जाने और मारपीट का सिलसिला 21 अगस्त की सुबह तक जारी रहा। इसके बाद सभी पक्षों को गोशामहल थाने लाया गया। चोटों को देखते हुए अकबर और अलीम को मेडिकल जांच एवं उपचार के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजा गया। जांच के दौरान 22 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि करण कुमार और हनुमान राम करण के आवास पर मौजूद हैं, जबकि देवी लाल, शंभू कुमार और जुमर गुर्जर बेगम बाजार के फिश मार्केट के पास विनोद ट्रेडर्स के निकट मौजूद हैं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पांचों को गिरफ्तार कर लिया।मामले में शुभम परिहार, तरुण, मनीष, प्रवीण, पंकज तथा दत्ता समेत अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है और गिरफ्तारी के बाद उन्हें कानून के अनुसार अदालत में पेश किया जाएगा।

'टाक्सिस' प्री-रिलीज़ इवेंट: आयोजकों और यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात मैसाम्मागूडा कैंपस में एक्टर यश की फिल्म टाक्सिस के प्री-रिलीज़ इवेंट के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति बनने और मचान पर लगे साउंड बॉक्स के गिरने के बाद पुलिस ने इवेंट के आयोजकों और मल्ला रेड्डी यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

यश की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में छात्र और प्रशंसक जमा हुए थे, जिससे वेन्यू पर बहुत ज़्यादा भीड़ हो गई थी। खबरों के अनुसार, कुछ प्रशंसक एक्टर को बेहतर ढंग से देखने के लिए भारी साउंड बॉक्स और लाइट पोल पर चढ़ गए थे। बताया जा रहा है कि अतिरिक्त भार के कारण एक स्ट्रक्चर गिर गया, जिससे अफरातफरी और भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

इस घटना में कई छात्र घायल हो गए, जबकि अफरातफरी के बीच एक छात्रा के बेहोश होने की खबर है।

ऑटो चालक संयुक्त कार्रवाई समिति का ऐलान

सुंदरैया विज्ञान केंद्र से आरटीसी क्रॉस रोड तक प्रदर्शन

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन में विभिन्न ऑटो चालक संगठनों के नेताओं की बैठक के बाद ऑटो चालक संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के अध्यक्ष तथा भारत राष्ट्र समिति ऑटो चालक संगठन के अध्यक्ष वेमुला मरैया ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार द्वारा ऑटो चालकों से किए गए वादे पूरे नहीं किए जाने के विरोध में आज आधी रात से राज्यभर के ऑटो चालक हड़ताल पर चले जाएंगे। मरैया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने से पहले ऑटो चालकों से कई वादे किए थे, लेकिन सरकार के सत्ता में आए करीब तीन वर्ष बीतने के बावजूद एक भी प्रमुख वादा पूरा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि ऑटो चालकों के लिए कल सुंदरैया विज्ञान केंद्र से आरटीसी क्रॉस रोड तक हजारों लोगों के साथ विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही सभी जिला केंद्रों पर सरकार के पुतले जलाने का आह्वान किया गया है। उन्होंने राज्य की जनता से कल के बंद को सहयोग देने की अपील की। वेमुला मरैया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने ऑटो चालकों के लिए कल्याण बोर्ड गठित करने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रत्येक ऑटो चालक को सालाना 12 हजार रुपये देने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सरकार के दौरान ऑटो चालकों को 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा उपलब्ध था, लेकिन कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त कर दिया गया।

ऑटो चालक नेता ने कहा कि राज्य में करीब 25 लाख ऑटो चालक हैं। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने के कारण वे अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से ऑटो चालकों के हित में विशेष ऑनलाइन आवेदन प्रणाली शुरू कर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की मांग की।

युवती ने पति समेत 7 पर दर्ज कराया केस, नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म

गोरखपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने अपने पति, देवर सहित सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। युवती का आरोप है कि उसके बगल के घर में रहने वाली एक महिला ने उससे संपर्क बढ़ा कर उसे विश्वास में लिया और उसके बाद कोल्ड नशे की दवा मिला कर उसे पिला दिया। महिला के भतीजे ने उसके साथ गलत काम कर उसका वीडियो बना लिया, जब पीड़ित युवती होश में आई तो वह शोर मचाने लगी, जिसके बाद पड़ोस में रहने वाली महिला ने पुलिस के डर से युवती की शादी अपने भतीजे से करा दी। युवती का आरोप है कि शादी के बाद जब वह ससुराल गई तो उसका देवर भी उसे बुरी नजर से देखने लगा। जब उसने इसकी शिकायत अपने ससुराल में सास और पति से की तो उन्होंने डांटने की बजाय देवर का ही सपोर्ट किया।

आज यूपी आ रहे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार

2 दिन में छात्रों से मुलाकात और 500 बीएलओ से बातचीत का क्या है प्लान?

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार 24 और 25 अगस्त 2026 को उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वह लखनऊ में छात्रों, निर्वाचन अधिकारियों और करीब 500 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ संवाद करेंगे। दौरे का मुख्य फोकस चुनावी प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, युवाओं में निर्वाचन साक्षरता बढ़ाना और बूथ स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों से सीधे फीडबैक लेना है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त 24 अगस्त को निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ लखनऊ पहुंचेंगे। सुबह वह कॉल्विन ताल्लुकेदार्स कॉलेज में विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। खास बात यह है कि ज्ञानेश कुमार की प्रारंभिक शिक्षा इसी कॉलेज में हुई है। छात्रों से बातचीत के

बाद वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यहां निर्वाचन अधिकारियों और अन्य प्रतिभागियों के साथ चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। लखनऊ में होने वाला क्षेत्रीय सम्मेलन निर्वाचन साक्षरता से जुड़े कार्यक्रमों और ईसीआईएनईटी पर केंद्रित रहेगा। इसमें उत्तर प्रदेश के 20 जिलों से करीब 1,500 विद्यार्थी, शिक्षक, प्राचार्य और शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख शामिल होंगे। इसके लिए 440 शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के भाग लेने की तैयारी है।

कार्यक्रम में मतदाता पंजीकरण, मतदान और मतगणना की प्रक्रिया से जुड़े लाइव डेमो भी होंगे। प्रतिभागियों को ईसीआईएनईटी के डिजिटल सिस्टम और नए ईएलसी 2.0 पोर्टल की जानकारी भी दी जाएगी। निर्वाचन अधिकारियों के क्षेत्रीय सम्मेलन उत्तर प्रदेश के तीन शहरों लखनऊ, वाराणसी और मेरठ में आयोजित किए जाएंगे। लखनऊ में होने वाला पहला चरण 24 अगस्त को होगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर युवाओं और अन्य हितधारकों की समझ बढ़ाना तथा जमीनी स्तर पर चुनावी व्यवस्था को और बेहतर बनाना है।

दौरे के दूसरे दिन 25 अगस्त को ज्ञानेश कुमार इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लखनऊ और आसपास के जिलों में तैनात करीब 500 बीएलओ से संवाद करेंगे। बातचीत के दौरान मतदाता सूची प्रबंधन, पंजीकरण और चुनावी सेवाओं से जुड़ी जमीनी चुनौतियों पर चर्चा होगी। अधिकारियों के अनुसार, बीएलओ से मिलने वाला फीडबैक चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सेवाओं को बेहतर बनाने में उपयोगी होगा।

डकैती की योजना बना रहे 6 बदमाश गिरफ्तार, हथियार समेत कई समान बरामद

मुजफ्फरनगर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बुढ़ाना पुलिस ने बड़ी वारदात को होने से पहले ही नाकाम कर दिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जंगल में डकैती की योजना बना रहे 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से अवैध हथियार, चाकू, चोरी का ट्रैक्टर और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए सभी आरोपी बागपत जनपद के रहने वाले हैं और आसपास के जिलों में चोरी, लूट और डकैती की वारदातों को अंजाम देते थे।

दरअसल, बुढ़ाना कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि विज्ञान फार्म हाउस के पास जंगल में कुछ बदमाश डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जंगल की घेराबंदी की और 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

छपरा में एनआईए की छापेमारी, मुख्य पार्षद आयशा खातून के बेटे को पटना ले गई टीम

छपरा, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सारण जिले के परसा नगर पंचायत में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। दिल्ली और पटना से आई एनआईए की विशेष टीम ने भारी पुलिस बल के साथ परसा नगर पंचायत की मुख्य पार्षद आयशा खातून के आवास पर अचानक धावा बोला। सादे लिबास में पहुंची इस केंद्रीय एजेंसी की टीम ने लगभग चार घंटे तक घर के अंदर गहन तलाशी लेने के दौरान घर के सभी रास्तों को सील कर दिया था। इस दौरान परिवार के सदस्यों से कड़ी पूछताछ की गई है। छापेमारी की कार्रवाई पूरी होने के बाद एनआईए टीम ने मुख्य पार्षद के बेटे और वार्ड पार्षद मोहम्मद करमुल्लाह अंसारी को अपने साथ पटना लेकर रवाना हो गई।

हालांकि, इस हाई- प्रोफाइल कार्रवाई को लेकर स्थानीय पुलिस विभाग के अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। साथ ही सभी अधिकारी इस संबंध में अनभिज्ञता जाहिर कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई अत्याधुनिक हथियारों, एके-47 के पुर्जों की बरामदगी और विदेशी फंडिंग या संदिग्ध गतिविधियों के सिलसिले में की गई है। चर्चा यह भी है कि यह मामला मुजफ्फरपुर में पहले बरामद हुए हथियारों के नेटवर्क और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हथियारों की तस्करी से जुड़ा हो सकता है। इससे पहले भी 18 दिसंबर 2024 को एनआईए की एक पांच सदस्यीय टीम ने इसी आवास पर 10 से 12 घंटे तक मैराथन छापेमारी की थी, जिसमें भारी संख्या में पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) को तैनात किया गया था।

उस वक्त भी घर के दरवाजे बंद कर दस्तावेजों, मोबाइल, लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरणों की जांच की गई थी। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य पार्षद के पुत्र और वार्ड पार्षद मो। करमुल्लाह अंसारी का नाम पहले भी हथियारों की तस्करी के मामलों में आ चुका है। वह पूर्व में जेल की 'यात्रा' भी कर चुका हैं। इसके अलावा, सारण प्रक्षेत्र के तत्कालीन डीआईजी मनु महाराज के कार्यकाल के दौरान भी इसी परिवार के यहां विदेशी नागरिकों को बुलाने, अवैध हथियार रखने और विदेशी मुद्रा के संदिग्ध लेनदेन को लेकर छापेमारी की गई।

रवि किशन और एमएलए फतेह बहादुर सिंह की सुरक्षा में इजाफा मिलेगी बुलेटप्रूफ जैकेट

गोरखपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सदर सांसद अभिनेता रवि किशन शुक्ल और कैंपियरगंज विधायक फतेह बहादुर सिंह की सुरक्षा अब और मजबूत होगी। प्रदेश सरकार ने जिन 30 लोगों के लिए बुलेटप्रूफ जैकेट उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है,उसमें इन दोनों लोगों का नाम शामिल है। सुरक्षा संबंधी आकलन के बाद यह फैसला लिया गया है। सूची में गोरखपुर के दोनों जनप्रतिनिधियों के नाम होने से स्थानीय स्तर पर उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता बढ़ेगी। गोरखपुर सदर लोकसभा क्षेत्र से दूसरी बार सांसद का चुनाव जीते रवि किशन को पहले भी कई बार धमकी मिल चुकी है।

पिछले वर्ष रामगढ़ताल थाना पुलिस ने उन्हें धमकी देने के आरोप में बिहार के एक युवक को पंजाब से गिरफ्तार किया था। धमकी के मामलों को देखते हुए उनकी सुरक्षा को लेकर समय-समय पर समीक्षा होती रही है। अब बुलेटप्रूफ जैकेट उपलब्ध कराए जाने के निर्णय को उनकी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एलजेपी (रा) विधायक अमित कुमार रानू के घर रेड

भाई पर दबंगई के आरोप, सर्च वारंट लेकर सुबह-सुबह पहुंची पुलिस

मुजफ्फरपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सीतामढ़ी के बेलसंड से लोजपा (रा) विधायक अमित कुमार रानू के मुजफ्फरपुर स्थित आवास पर रविवार सुबह पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस टीम घर की तलाशी ले रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई दो दिन पहले हुए जमीन विवाद और बाउंड्री तोड़े जाने के मामले से जुड़ी है। बेलसंड विधानसभा सीट से अमित कुमार लोजपा (रा) के टिकट पर 2025 में निर्वाचित हुए थे। जानकारी के अनुसार, जमीन विवाद में बाउंड्री तोड़े जाने की घटना सामने आयी थी। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को आवेदन दिया गया, जिसके आधार पर मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज होने की बात सामने आयी है। पुलिस को दिये आवेदन में विधायक अमित कुमार रानू के भाई पर जमीन कारोबार में दबंगई करने का आरोप लगाया गया है। शिकायत के मुताबिक, विधायक के भाई कुछ अज्ञात युवकों के साथ लोजपा (रा।) का

झंडा लगी गाड़ी से मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि इसके बाद जमीन की बाउंड्री तोड़ी गयी।

पीड़ित पक्ष ने पूरी घटना का वीडियो बनाए जाने का भी दावा किया है। हालांकि, आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले में पुलिस की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के बाद कोर्ट से सर्च वारंट लिया। इसी वारंट के आधार पर रविवार सुबह पुलिस टीम विधायक के मुजफ्फरपुर स्थित आवास पर पहुंची और तलाशी शुरू की। फिलहाल पुलिस की तलाशी में क्या-क्या बरामद हुआ है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी है।

पुलिस की जांच के बाद ही मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। जमीन विवाद से जुड़े इस मामले में पुलिस विधायक के भाई समेत अन्य आरोपितों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस घटना से जुड़े वीडियो, शिकायत और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल में जुटी है। तलाशी और जांच के निष्कर्ष के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

3.53 लाख रसोइयों को योगी सरकार का बड़ा तोहफा मानदेय बढ़ाने के बाद अब कैशलेस इलाज की भी सुविधा

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में पीएम पोषण के तहत परिषदीय व एडेड स्कूलों में कार्यरत 3.53 लाख रसोइयों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से 11 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड दिया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से 1500 रसोइयों की सहभागिता रही। जिला व तहसील स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित करके जनप्रतिनिधियों के माध्यम से रसोइयों को सम्मानित किया गया।

इससे पहले शनिवार को महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी की ओर से सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि रसोइयां सम्मान समारोह का आयोजन बेहतर ढंग से किया जाए। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अपने देशी अंदाज में कहा कि जिज्जी, बहिनी और बिटिया या बताओ आज तक कौनो मुख्यमंत्री तुम्हार सुधि लिहिस रहै। सब लोग बताओ। आज जानि लेव तुम्हरौ सुधि ले वालौ कोऊ है। आपका मानदेय दुइ हजार से तीन हजार होइगा है। अब अगर बीमारी अजारी आ जाइ तो पांच लाख तक का इलाजौ फिरी होइ। बातों ही बातों में उन्होंने 2027 की भी बात कर ली।

किडनी से निकलीं 37 पथरी, डॉक्टरों ने किया जटिल ऑपरेशन

प्रयागराज, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्थित स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के यूरोलॉजी विभाग के चिकित्सकों ने जटिल ऑपरेशन कर 40 वर्षीय मरीज की बाईं किडनी से 37 पथरियां सफलतापूर्वक निकालीं। दोनों किडनी में 4.5 से 6 सेंटीमीटर तक की बड़ी पथरियों के कारण मरीज गंभीर संक्रमण (सेप्सिस) और किडनी फेल्योर की स्थिति में पहुंच गया था। ऑपरेशन के समय उसका सीरम क्रिएटिनिन 4.2 था। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के पनासी गांव निवासी शत्रुघ्न करीब एक साल से दोनों किडनी में पथरी से पीड़ित था। परिजनों के अनुसार वह पथरी गलाने के लिए होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक उपचार ले रहा था। करीब एक माह से बुखार और सांस लेने में तकलीफ बढ़ने के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई।

अस्पताल पहुंचने पर उसे आईसीयू में भर्ती कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। तीन दिनों तक वेंटिलेटर पर रहने के दौरान हेमोडायलिसिस किया गया। हालत में सुधार के बाद उसे मेंटेनेंस डायलिसिस पर रखा गया। दोनों किडनी में बड़ी पथरियां होने के कारण यूरोलॉजी टीम ने पहले बाईं किडनी का ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। शुक्रवार, 21 अगस्त को पीएमएसएसवाई यूरोलॉजी ऑपरेशन थिएटर में एनाट्रॉफिक पायलोलिथोटॉमी की गई। इस जटिल प्रक्रिया में किडनी को नियंत्रित तरीके से खोलकर एक-एक कर सभी 37 पथरियां निकाली गईं। इसके बाद किडनी की मरम्मत कर 5/26 डबल-जे (डीजे) स्टेंट डाला गया। ऑपरेशन के दौरान लगभग 20 मिनट तक रीनल आर्टरी को क्लैंप किया गया। यूरोलॉजी टीम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. दिलीप चौरसिया ने किया। उनके साथ डॉ. शिरीष मिश्रा और डॉ. गजेंद्र शामिल रहे।

एनेस्थीसिया टीम में डॉ. धर्मेंद्र यादव, डॉ. प्रगति सक्सेना, डॉ. अर्ची सिंह, डॉ. कमल और डॉ. शिवमोहन शामिल रहे। यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. दिलीप चौरसिया ने बताया कि मरीज सेप्सिस और किडनी फेल्योर की गंभीर स्थिति में अस्पताल आया था। उसे वेंटिलेटर और डायलिसिस की आवश्यकता पड़ी। दोनों किडनी में 4.5 से 6 सेंटीमीटर तक की बड़ी पथरियां थीं और ऑपरेशन के समय सीरम क्रिएटिनिन 4.2 था।

ऐसे में ऑपरेशन करना चुनौतीपूर्ण था। मरीज की स्थिति में सुधार के बाद पहले बाईं किडनी का ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया। एनाट्रॉफिक पायलोलिथोटॉमी के माध्यम से सभी 37 पथरियां निकालकर किडनी की मरम्मत की गई। मरीज की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है

'जो पहले डायन थी अब डार्लिंग बन गई', चीनी महंगी होने पर एआईएमआईएम का बयान

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। देश में त्योहारों से पहले चीनी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। सरकार ने कीमतों में बढ़ोतरी के लिए अनुमान से कम चीनी उत्पादन, त्योहारी मौसम से पहले बढ़ी मांग, मौसम संबंधी कारणों से फसल को नुकसान, वैश्विक स्तर पर आपूर्ति में कमी तथा उद्योग के कुछ वर्गों द्वारा अटकलों और जमाखोरी को जिम्मेदार ठहराया। देश में बढ़ती चीनी की महंगाई पर सियासत गरमाई हुई है। इस बीच एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने भी सरकार पर निशाना साधा है। शादाब चौहान का कहना है कि वहीं चीनी के दाम बढ़ा दिए गए।

पिछली सरकार में जो महंगाई इनके लिए डायन थी वो अब डार्लिंग बन गई है। एआईएमआईएम नेता का यह भी कहना है, नफरत के खेल में यह सब कुछ खेल रहे हैं। शादाब ने सरकार पर आरोप लगाया, चीनी महंगी होने की जो खबर है उसे लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। सरकार ने हिंदुओं की मदद और हिंदुओं की रक्षा करने के लिए ऐसा किया है। एआईएमआईएम नेता शादाब चौहान ने निशाना साधते हुए कहा कि रक्षाबंधन आ रहा है फिर दीवाली आएगी। इन त्योहारों में मिठाई की जमकर बिक्री होती है और मिठाई से डायबिटीज होता। डायबिटीज से हिंदुओं को बचाने के लिए चीनी महंगी की गई है।

किसानों के लिए बिहार सरकार का नया प्लान

खेत से बाजार तक बढ़ेगी भागीदारी; एग्रीस्टैक पर जोर

गयाजी, 23 अगस्त (एजेंसियां)। मगध की धरती से महिला, दलित, गरीब और किसानों के कल्याण का नया शंखनाद हुआ है। रविवार सुबह सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान कृषि मंत्री सह गया जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसान, महिला, युवा और गरीब के उत्थान के संकल्प को साकार करने के लिए कृषि विभाग अभियान के रूप में काम कर रहा है। कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आय में वृद्धि, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर सरकार का विशेष जोर है। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक के माध्यम से किसानों की जमीन से जुड़े विवादों के समाधान में तेजी आएगी। किसानों की जमीन और कृषि से संबंधित विवरण का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

मिट्टी के स्वास्थ्य को लेकर अभियान को गति दी जाएगी, ताकि उर्वरक और कीटनाशकों के अनावश्यक इस्तेमाल पर रोक लगाई जा सके। परंपरागत कृषि विकास योजना को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे रासायनिक खाद के अत्यधिक प्रयोग को कम कर किसानों के साथ आम लोगों के स्वास्थ्य की भी रक्षा की जा सके। विजय सिन्हा ने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' के माध्यम से

किसानों को जागरूक किया जाएगा। रासायनिक खाद के अत्यधिक इस्तेमाल से खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है। खाद की कीमतों में अनावश्यक अंतर नहीं होने दिया जाएगा। जिलाधिकारी के नेतृत्व में खाद की बिक्री और उपलब्धता की लगातार निगरानी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि किसी थोक या खुदरा विक्रेता द्वारा नकली खाद बेचने की सूचना मिलती है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। सूचना देने वाले व्यक्ति को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने बीज वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की है। जिलाधिकारी और जिला कृषि पदाधिकारी को क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार किसानों को बीज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। किसानों की समस्याओं को लेकर कृषि जन संवाद के माध्यम से आमने-सामने सुनवाई की जा रही है।

आधी रात को महिला पहुंची थाने

बोली- मैं दो पतियों के साथ रहती हूं, फिर ननद ने बदल दिया ससुर का मूड

सीतापुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर के तहसील महमूदाबाद से एक गजब का मामला सामने आया है। जहां फुलवारी गांव निवासी एक महिला अपने 2 पतियों के साथ रात को थाने पहुंच गई। जहां उसने दरोगा को जो कुछ बताया वह बेहद हैरान कर देने वाला है। महिला के साथ 2 पति और उसके 2 बच्चे थे। महिला ने दरोगा को बताया कि वह दोनों पतियों के साथ रहना चाहती है लेकिन उसके ससुराल वाले उसे रहने नहीं दे रहे हैं। महिला ने थाने में बताया कि उसकी मार्च में दूसरी शादी हुई थी। शादी से न तो उसके पहले पति को दिक्कत थी और न ही ससुर को। ससुर ने मुझसे यहां तक कहा था कि यह सब होता रहता है लेकिन घर छोड़कर मत जाना। महिला ने आगे बताया कि तय हुआ था कि जो दूसरा पति है वो जब ड्यूटी से आएगा तब मैं उसके साथ रहूंगी। अब चाहे वो 2 दिन के लिए आए और चाहे 1 महीने के लिए। इस बात से सभी लोग राजी थे। महिला ने आगे बताया कि खुशी-खुशी सब कुछ चल रहा था, मेरे मां-बाप और ससुर समेत ननद तक को मेरी दूसरी शादी के बारे में पता था लेकिन जैसे ही घर पर ननद आई, तो मेरे ससुर का मूड बदल गया और उन्होंने मुझे घर रखने से मना कर दिया और बाहर निकाल दिया।

महिला ने आगे बताया कि वह पांचों लोग एक साथ रहना चाहते हैं मतलब (2 पति और 2 बच्चे और खुद महिला) लेकिन ससुराल वाले राजी नहीं हो रहे हैं। महिला का यह भी दावा है कि घर पर सेकेंड फ्लोर उसने खुद के पैसे से बनवाया है। महिला ने कहा कि अगर वो लोग मुझे उस घर में रहने न दे तो कम से कम मेरा जो सामान है वो निकाल लेने दे। वहीं महिला के पहले पति ने बताया कि वह राजी है साथ में रहने से उसे कोई दिक्कत नहीं है। वहीं दूसरे पति ने भी यही कहा। बच्चों ने बताया कि वह पापा और चाचा दोनों के साथ रहना चाहते हैं। वहीं महिला ने यह भी कहा कि अगर वो लोग नहीं रहने देंगे तो हम पांचों लोग अलग जाकर के रहने लगेंगे।

सोना तस्करी : 'रूट तय, प्लान भी पक्का

सात जिलों की पुलिस को चकमा, कोड से होनी थी डिलीवरी, ऐसे खुला खेल

कन्नौज, 23 अगस्त (एजेंसियां)। कन्नौज जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार देर रात सड़क हादसे से सोने की तस्करी की परतें खुल गईं। रात करीब दो बजे ड्यूटी से लौट रहे सकरावा थानाध्यक्ष की सरकारी जीप में पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार (ब्रेजा) ने निकवा गांव के पास टक्कर मार दी। हादसे में पुलिसकर्मी सुरक्षित बच गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार की तलाशी ली तो उसमें सोने के 10 ईंटे मिलीं। जिनका वजन 10.37 किलोग्राम और कीमत 16 करोड़ रुपये है। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। इनमें एक महराजगंज का और दूसरा नेपाल का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक यह सोना महराजगंज और गोरखपुर से दिल्ली ले जाया जा रहा था। सोना मिलने की सूचना पर जीएसटी उपायुक्त हरेकृष्ण राय और लखनऊ से कस्टम एवं सीमा शुल्क निवारण विभाग के अधीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी अपनी-अपनी टीमों के साथ मौके पर पहुंचे। कस्टम अधिकारियों ने कार चला रहे महारागंज के गांव ठूटीबाड़ी के संदीप जायसवाल और उसके साथ नेपाल के जिला पाल्पा के गांव हुंगी निवासी सरोज पंथ को हिरासत में ले लिया। दोनों सोने के संबंध में कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सके। आरोपियों ने बताया कि यह सोना दिल्ली के दरियागंज ले जाया जा रहा था। दोनों को पूछताछ के लिए लखनऊ ले जाया गया है। कार चालक संदीप ने बताया कि उसे महाराजगंज में ठूठीबारी सीमा पर परचून दुकान चलाने वाले रियाज ने फोन कर गोरखपुर पहुंचने को कहा। यहां पहुंचते ही नेपाल के पल्पा जिला के हुगी गांव का रहने वाला सरोज पंथ मिला।

सरोज के पास सोने से भरा बैग था। संदीप को कहा गया कि वह कार से सरोज को दिल्ली के दरियागंज पहुंचाए। यहां सिर्फ कार का नंबर और कोड देखकर अज्ञात शख्स को यह सोने की खेप सौंपनी थी। गोरखपुर से दिल्ली की राह पर सात जिलों की पुलिस को चकमा देकर फर्राटे भर रही गोल्डन कार चालक की किस्मत कन्नौज में दगा दे गई। सकरावा थानाध्यक्ष भागमल सिंह की सरकारी जीप से हुई मामूली टक्कर ने 16 करोड़ रुपये के अंतरराष्ट्रीय गोल्ड स्मगलिंग रैकेट का खुलासा कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज

बीजेपी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करना पड़ा भारी

पटना, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करना नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को भारी पड़ गया। तेजस्वी यादव के खिलाफ पटना के कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज की गई है। राजद के फेसबुक पेज के जरिए शेयर किए गए वीडियो को डिलीट करने और तेजस्वी यादव पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली थाने में बीजेपी के मीडिया प्रमुख दानिश इकबाल की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। दानिश इकबाल की माने तो, वह बीजेपी कार्यालय में काम कर रहे थे। काम के दौरान ही उनकी नजर राजद के ऑफिशियल फेसबुक पेज के जरिए किए गए पोस्ट पर पड़ी। उसमें एक वीडियो शेयर किया गया था। उस वीडियो में बीजेपी के खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद दानिश इकबाल कोतवाली थाने पहुंचे, जहां उन्होंने शिकायत दर्ज कराई।

इस दौरान उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अलावा कमलेश यादव और एक यूट्यूब चैनल से जुड़े संबंधित लोगों के खिलाफ भी एक्शन लेने की मांग की। बीजेपी की तरफ से आरोप लगाया गया है कि आरजेडी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। दानिश इकबाल ने स्क्रीनशॉट, वीडियो के लिंक के साथ-साथ पेन ड्राइव भी पुलिस को दिए हैं। बीजेपी के मीडिया प्रमुख दानिश इकबाल ने मांग की है कि राजद की ओर से जो वीडियो शेयर किया गया है, उसे डिलीट कराया जाए। क्योंकि इससे समाज में लोगों के बीच गलत संदेश जाता है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस की ओर से मामले में जांच का आश्वासन दिया गया है। जांच में मामला सही पाए जाने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी के भाई की बढ़ीं मुश्किलें

एसीबी के बाद अब ईडी का शिकंजा, इंस्पेक्टर विजय पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस

जम्मू, 23 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के भाई और निलंबित पुलिस इंस्पेक्टर विजय चौधरी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आय से अधिक संपत्ति के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की ओर से दर्ज एफआईआर के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी उनके खिलाफ मनी आज लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। ईडी की जांच में अब उन संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन को खंगाला जाएगा, जिनका ज़िक्र एसीबी की जांच में सामने आया था। एसीबी ने फरवरी में विजय चौधरी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था। जांच में आरोप सामने आया था कि अलग-अलग स्थानों पर तैनाती के दौरान उन्होंने अपनी ज्ञात आय के मुकाबले करोड़ों रुपये की संपत्तियां अर्जित कीं। एसीबी के अनुसार 10 से अधिक संपत्तियों में मकान, दुकानें और जमीन शामिल हैं। इनमें करीब 100 कनाल जमीन भी बताई गई है। जांच एजेंसी के अनुसार इनमें से कई संपत्तियां परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और अन्य लोगों के नाम पर हैं। अब ईडी यह पता लगाएगी कि इन संपत्तियों को खरीदने में इस्तेमाल धन का स्रोत क्या था और क्या कथित तौर पर बेनामी नामों से की गई संपत्ति खरीद या अन्य लेनदेन से अर्जित धन का इस्तेमाल हुआ। मामले में वित्तीय लेनदेन, बैंक खातों और संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज की जांच की जा सकती है। राजोरी के पैतृक घर से लेकर कारोबारी ठिकानों तक तलाशी एसीबी ने जांच के दौरान विशेष अदालत से तलाशी वारंट हासिल कर जम्मू और राजोरी में कई ठिकानों पर तलाशी ली थी। इनमें जम्मू के संतोष विहार और कालूचक स्थित आवास, राजोरी के नौशेरा स्थित पैतृक घर तथा टूटे दी खुई, बजालता स्थित स्टोन क्रशर और टाइल फैक्टरी शामिल थीं। अन्य स्थानों पर भी तलाशी ली गई थी। एसीबी ने कार्रवाई के दौरान जांच से जुड़े दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद कर जब्त करने की बात कही थी। एसीबी की कार्रवाई के बाद अब ईडी के मामले ने जांच का दायरा वित्तीय लेनदेन तक बढ़ा दिया है प्रमोशन को लेकर भी रहा है विवाद विजय चौधरी ने कैट में अपनी याचिका में कहा था कि आतंकवाद विरोधी अभियानों में उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें आउट ऑफ टर्न प्रमोशन की सिफारिश की गई थी, लेकिन उन्हें इंस्पेक्टर के पद पर समय पर प्रमोशन नहीं मिला। कैट ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए संबंधित 2008 के आदेश को रद्द किया और उन्हें सिफारिश की तारीख से आउट ऑफ टर्न प्रमोशन का लाभ देने का निर्देश दिया। एसीबी के अनुसार विजय चौधरी को सितंबर 2025 में प्रतिनियुक्ति पर लद्दाख भेजा गया था।मुझे न्यायालय पर भरोसा, मेरा भाई निर्दोष उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने अपने भाई पर हुई कार्रवाई पर कहा कि पुलिस विभाग में कुछ अधिकारी गलत तरीके से निशाना बना रहे हैं। वक्त आने पर उनका हिसाब भी किया जाएगा। फरवरी में एसीबी ने भाई के घर पर छापा मारा था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वहां से क्या मिला।

उन्होंने अपने परिवार और भाई पर लगाए गए आरोपों को गलत बताया। कहा कि मामला जांच एजेंसियों के पास है और उन्हें न्यायालय पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि मेरा भाई निर्दोष है।

बारामती में नाबालिग बच्ची की मौत

विधायक रोहित पवार के निजी सहायक की थी बेटी, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी; जांच शुरू

पुणे, 23 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में रविवार को एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार के निजी सहायक की 12 वर्षीय बेटी मृत मिली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शुरुआत में इस मामले को रोहित पवार नाम के किसी अन्य शख्स से जुड़ा बताया जा रहा था। हालांकि, नाबालिग लड़की पवार के निजी सहायक की बेटी थी।

इस घटना पर एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने कहा, "मेरे निजी सहायक अजीत की 15 वर्षीय बेटी कल रात लापता हो गई थी और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

परिवार और पुलिस की तलाश के बाद आज सुबह करीब 8.30 बजे उसका शव उनके भवन के पास मिला। बारामती मेडिकल कॉलेज में उसका पोस्टमार्टम चल रहा है।" रोहित पवार ने कहा, "हमने उप पुलिस अधीक्षक से घटना की उचित जांच करने को कहा है, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या हुआ था।

एक परिवार न्याय चाहता है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।" वहीं, पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं से इसकी पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रात मां के साथ मामूली विवाद के बाद लड़की लापता हो गई थी।

इसके बाद उसके लापता होने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई। बाद में बारामती के रूई इलाके के साई गणेश नगर में उसके घर के पास लड़की का शव मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल लड़की की मौत के कारण का पता नहीं चल पाया है।

दुष्कर्म पीड़िता को कोर्ट में गवाही नहीं देने की धमकी डीजीपी से मांगी सुरक्षा

गुमला, 23 अगस्त (एजेंसियां)। जिले में दुष्कर्म के एक मामले की पीड़िता को न्यायालय में गवाही नहीं देने और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बदनाम करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर डीजीपी को स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन भेजा है। पीड़िता ने आवेदन में बताया है कि वर्ष 2019 में जब वह 10वीं कक्षा की छात्रा थी, उस समय सिसई प्रखंड के सहिजाना निवासी कार्तिक उरांव ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले की सुनवाई न्यायालय में चल रही है और पीड़िता की गवाही भी हो रही है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपित लगातार उस पर न्यायालय में गवाही नहीं देने का दबाव बना रहा है। गवाही देने पर इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बदनाम करने की धमकी दी जा रही है। इसके अलावा उसकी ससुराल जाकर भी उसे बदनाम करने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने आरोपित से खतरा बताते हुए डीजीपी से सुरक्षा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।

फ्रांस के पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन सितंबर में:13 दिन चलेगा भारतीय संस्कृति उत्सव

पेरिस, 23 अगस्त (एजेंसियां)। फ्रांस में पेरिस से करीब 30 किमी दूर बुसी-सेंट-जॉर्जेस में बने बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर का सितंबर 2026 में उद्घाटन होगा। इसे फ्रांस का पहला बड़ा हिंदू मंदिर बताया जा रहा है। उद्घाटन के साथ 2 से 14 सितंबर तक 13 दिन का 'फेस्टिवल ऑफ कल्चर' आयोजित होगा। इसमें हिंदू परंपराओं, भारतीय कला, संगीत और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। लोगों को भारतीय संस्कृति को करीब से जानने और समझने का मौका मिलेगा। मंदिर सिर्फ पूजा की जगह नहीं होगा। यहां सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन और उत्सव में भारतीय मूल के लोगों के साथ हिंदू समुदाय और भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। पेरिस के पास बने बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में भारत से लाए गए खास पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें भारत में करीब 1,000 साल पुरानी नक्काशी की तकनीकों से तैयार किया गया है। कई हिस्सों पर कारीगरों ने हाथ से बारीक नक्काशी की है। भारत में तैयार किए गए इन पत्थरों को फ्रांस लाकर मंदिर में लगाया गया। इस काम में भारतीय कारीगरों के साथ फ्रांस के विशेषज्ञ भी शामिल रहे। इनमें नोट्रे-डाम कैथेड्रल की मरम्मत से जुड़े कारीगर भी थे। इस तरह मंदिर में भारतीय शिल्पकला और फ्रांस की आधुनिक निर्माण तकनीक का मेल देखने को मिलता है। मंदिर की संरचना में गुंबद, स्तंभ और शिखर जैसी पारंपरिक हिंदू वास्तुकला शामिल है। बीएपीएस पेरिस की वेबसाइट के मुताबिक, फ्रांस में हिंदू मंदिर बनाने का आइडिया 1970 में आया था। इसके करीब 25 साल बाद, 1995 में पेरिस में मंदिर बनाने की योजना पर काम आगे बढ़ा।

महाकाल मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं से मारपीट, रेस्टोरेंट संचालक पर लगा मारपीट का आरोप, महिलाओं संग भी हुई धक्का-मुक्की

उज्जैन, 23 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल मंदिर के गेट नंबर एक के बाहर स्थित शिवम रेस्टोरेंट में श्रद्धालुओं के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ लोगों के बीच विवाद और मारपीट होती दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर दर्शन के बाद गेट नंबर एक के बाहर स्थित शिवम रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर श्रद्धालुओं और रेस्टोरेंट कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि रेस्टोरेंट के संचालक और कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की। इस दौरान महिलाओं के साथ भी धक्का-मुक्की होते दिखाई दे रही है। आरोप यह भी है कि कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं पर लोहे की ट्रे और अन्य भारी वस्तुओं से हमला किया।

'कांग्रेस का हिंदू-विरोधी नैरेटिव', बीजेपी ने मनु-स्मृति को लेकर राहुल को घेरा

पुणे, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने पुणे में मनु-स्मृति को लेकर दावा किया था कि उसमें महिलाओं के अपमान को लेकर श्लोक लिखा गया है। उन्होंने कहा था कि मनु-स्मृति में महिलाओं को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहने की बात कही गई है। इस मामले पर भारतीय जनता पार्टी की प्रतिक्रिया सामने आई है।

भाजपा अमित मालवीय ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही है। भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने भी प्रतिक्रिया दी। अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा, 'कांग्रेस की आधिकारिक पोस्ट इस बात का एक और उदाहरण है कि वह हिंदू-विरोधी नैरेटिव बनाने के लिए हिंदू धर्मग्रंथों को अपनी सुविधा के मुताबिक पेश करती है। हिंदुओं को यह बताने से पहले कि हिंदू धर्म महिलाओं के बारे में क्या कहता है, राहुल गांधी को पहले पूरी मनुस्मृति पढ़नी चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'अगर राहुल गांधी बहस करना चाहते हैं, तो उन्हें धर्मग्रंथों को ईमानदारी से पढ़ना चाहिए, न कि उन्हें पॉलिटिकल नजरिए से देखना चाहिए। भारत की सभ्यता को अंग्रेजी के चश्मे से संविधान समझने का दावा नहीं किया जा सकता। हिंदू धर्म को राहुल गांधी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। यह प्रोपेगेंडा है।' निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा, 'बहन प्रियंका गांधी जी आपसे ज्यादा समझदार हैं, अपनी गद्दी दे दीजिए। सिद्धांत और उपदेश अपने घर से नहीं, दूसरों पर लागू होता है।

बंगाल की खाड़ी में पनामा के झंडे वाले जहाज के डूबने के बाद 22 क्रू सदस्यों की तलाश के लिए ऑपरेशन जारी

भुवनेश्वर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि 22 अगस्त को ओडिशा के पारादीप तट से लगभग 230 नॉटिकल मील दूर बंगाल की खाड़ी में पनामा के झंडे वाला एक बल्क कैरियर (जिसमें 24 क्रू सदस्य सवार थे) डूब गया, जिसके बाद इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) ने खोज और बचाव अभियान तेज कर दिया है। उन्होंने बताया कि एमवी ओशन विनर पर 20 चीनी, तीन म्यांमार के और एक बांग्लादेशी नागरिक सवार थे। आईसीजी और भारतीय नौसेना ने पहले ही बचाव अभियान शुरू कर दिया था।

आईसीजी के एक प्रवक्ता ने शनिवार को कहा था कि मैरीटाइम रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर (एमआरसीसी) ने पास ही मौजूद एक कमर्शियल जहाज एमटी ऐसोपोस को जहाज या लाइफ-राफ्ट की तलाश करने और मदद पहुंचाने के लिए भेजा, और उस जहाज ने रात 8 बजे (2000 घंटे) दो लाइफ-राफ्ट से दो जीवित लोगों को बचाया। आईसीजी ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उसने बाकी क्रू सदस्यों की सतह पर तलाश करने के लिए तीन जहाज तैनात किए हैं। आईसीजी अधिकारी ने बताया कि खोज और बचाव कार्यों के लिए आईसीजी के जहाज 'वरद' और 'अनमोल' तैनात किए गए हैं, जबकि अभियान को और मजबूत करने के लिए श्री विजय पुरम से 'विजित' जहाज को भी इसमें शामिल किया गया है। अधिकारियों ने पहले बताया था कि एमवी ओशन विनर ओडिशा से लौह अयस्क ले जा रहा था।

जापान में 5.9 तीव्रता का भूंकप

20 लोग घायल, एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनें प्रभावित, पीएम ने टास्क फोर्स का किया गठन

टोक्यो, 23 अगस्त (एजेंसियां)। जापान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया है। इस भूकंप के झटके राजधानी टोक्यो में महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र जापान के दक्षिण में इबाराकी में जमीन से 70 किलोमीटर नीचे था। सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप के चलते इबाराकी में 20 लोग घायल हो गए हैं। भूकंप के झटके इबाराकी, चाइबा और साइतामा में महसूस किए गए हैं। भूकंप के चलते एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनें प्रभावित हो गईं।

वह देरी से चल रही हैं। प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भूकंप को लेकर टास्क फोर्स का गठन किया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप दक्षिण इबाराकी प्रान्त में 70 किलोमीटर की गहराई पर आया। यह जापान का ऐसा इलाका है जहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने इसकी शुरुआती तीव्रता 5.8 मापी थी। फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया कि टोक्यो के उत्तर-पूर्व में स्थित इबाराकी, चिबा और सैतामा प्रान्तों में कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं।

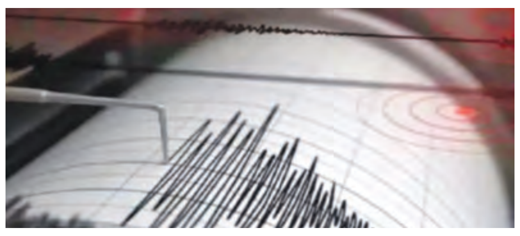

एजेंसी ने कहा कि और भी लोग घायल हुए हैं और विवरण की जांच की जा रही है। भूकंप के कारण टोक्यो और नारिता हवाई अड्डे के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों और उत्तर-पूर्वी इलाकों की अन्य लोकल ट्रेनों में देरी हुई, लेकिन शिंकानसेन बुलेट ट्रेनें सामान्य रूप से चल रही थीं। यह जानकारी उनके ऑपरेटर ईस्ट जापान रेलवे कंपनी ने दी। प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सरकार ने संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है।

हिंदू परिवार के 4 सदस्यों की हत्या

छत पर शिक्षक, सीढ़ियों पर पत्नी-बेटी और बेड के नीचे मिला बेटे का शव

ढाका, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के रंगपुर में एक बंद घर से चार लोगों के शव बरामद किए गए हैं। मृतकों में एक रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती ज्वेल (65), उनकी पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती बाला (50), बेटी कंडी चक्रवर्ती (25) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है। ढाका पोस्ट में छपी खबर के अनुसार, पुलिस के मुताबिक, यह घर कुछ समय से बाहर से बंद था। बाद में घर के अंदर से बदबू आने पर स्थानीय लोगों को शक हुआ। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घर का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुई। पुलिस ने घर से चारों के शव बरामद किए। रंगपुर के कोतवाली पुलिस स्टेशन के अधिकारी-प्रभारी (ओसी) नजमुल कादेर ने बताया कि गणपति चक्रवर्ती का शव घर की छत से बरामद हुआ। उनकी पत्नी प्रीतिलता और बेटी कंडी के शव तीसरी मंजिल की ओर जाने वाली सीढ़ियों से मिले। वहीं, बेटे प्रियम का शव घर में एक बिस्तर के नीचे मिला।

पुलिस की शुरुआती जांच में इसे योजनाबद्ध हत्या या पारिवारिक घटना की आशंका के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, घटना की सही वजह और मौत के समय का पता लगाने के लिए पुलिस और अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की फोरेंसिक टीम जांच कर रही है। ढाका पोस्ट में छपी खबर के अनुसार, ओसी नजमुल कादेर ने बताया कि घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। ताला तोड़कर पुलिस अंदर गई और शव बरामद किए। उन्होंने कहा कि सीआईडी की जांच टीम मौके से जरूरी सबूत जुटा रही है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

शहबाज शरीफ का होगा इमरान खान जैसा 'हश्र'

पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर ने चेताया

इस्लामाबाद में सियासी हलचल

इस्लामाबाद, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सीनियर पत्रकार हामिद मीर का मानना है कि आने वाले दिनों में शहबाज शरीफ सरकार को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम इमरान खान के साथ जिस तरह का बर्ताव हालिया दिनों में हुआ है, उससे पाकिस्तान के विपक्ष को एकजुट कर दिया है। इसमें बिलावल भुट्टो की पार्टी के भी शामिल होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो फिर उसी तरह से शहबाज की सरकार गिर जाएगी, जैसे 2022 में इमरान खान ने संसद में बहुमत खो दिया था। पाकिस्तान के सबसे सीनियर पत्रकारों में शुमार और राजनीतिक टिप्पणीकार हामिद मीर ने एक न्यूज चैनल के साथ इमरान खान की सेहत और देश के राजनीतिक भविष्य पर बात की है। मीर का कहना है कि आने वाले तीन-चार दिन बेहद अहम है। सोमवार, 24 अगस्त को विपक्षी दलों की बैठक और इसके बाद 27 अगस्त का मार्च शरीफ सरकार का भविष्य तय कर देगा। हामिद मीर ने कहा, "पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान कई महीने से अड़ियाला जेल की तन्हाई बैरक में बंद हैं। उनको किसी से मिलने नहीं दिया जा रहा है और उनकी लगातार गिरती सेहत का नजरअंदाज किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उनको गुरुवार-शुक्रवार की रात अस्पताल लाया गया। इसमें भी खेल कर दिया गया। उनको शिफा अस्पताल ले जाना था, जहां उनके डॉक्टर थे लेकिन उनको पीआईएमएस ले जाया गया।" मीर ने बताया कि इमरान खान के साथ इस रवैये को उनकी पार्टी और परिवार ने बेहद अमानवीय कहा है। उनकी पार्टी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को जिस तरह अनदेखा किया गया, वह गलत है।

यह सीधेतौर पर कोर्ट की अवमानना है। इसने एक काम ये भी किया है कि विपक्षी दलों में इस पूरे मामले से एकजुटता आई है। पहले सिर्फ इमरान खान की पार्टी सरकार से भिड़ रही थी लेकिन अब पूरा विपक्ष उस मोड में चला गया है। हामिद मीर ने कहा कि 24 अगस्त को पाकिस्तान के विपक्षी दलों की बड़ी बैठक है। इसमें बिलावल भुट्टो की पीपीपी शामिल हो सकती है, जिससे बलबूते शहबाज शरीफ सरकार में हैं।

अमेरिका ने मांगा ज्यादा, दिया कम...

ट्रेड डील टूटने पर बोले पीएम कार्नी

वॉशिंगटन, 23 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर तनाव और बढ़ गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका ने बातचीत में बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम दिया। इसलिए, कनाडा ने अमेरिका के प्रस्ताव को खराब डील मानकर ठुकरा दिया। इसके बाद दोनों पुराने सहयोगी देशों के रिश्तों में और खटास आ गई है। कार्नी ने बताया कि बातचीत की शुरुआत अच्छी हुई थी। लेकिन बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसी शर्तें रख दीं, जिन्हें कनाडा स्वीकार नहीं कर सकता था। कार्नी ने अमेरिका पर आर्थिक रिश्तों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ आर्थिक साझेदारी में भरोसा कमजोर हुआ है और उसकी प्रतिबद्धता पेंसिल से लिखी जैसी लगती है। कार्नी ने अमेरिका के नए टैरिफ को लेकर भी कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इन टैरिफ के जरिए कनाडा पर हमला हुआ है। उन्होंने कहा, जब आप पर हमला होता है तो आप युद्ध में होते हैं। कार्नी ने साथ ही कहा कि कनाडा के पास जवाब देने के लिए पर्याप्त भंडार, मजबूती और योजना है। कनाडा अमेरिका के स्टील, एल्युमिनियम और कारों पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने के लिए तैयार था। इसके बदले कनाडा चाहता था कि अमेरिका अपने टैरिफ में बड़ी कटौती करे। साथ ही कनाडा के प्रांतों को अमेरिकी शराब की बिक्री फिर शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता। लेकिन कार्नी के मुताबिक, अमेरिका की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं।

अमेरिका ने बातचीत के आखिरी समय में कुछ नई शर्तें रखीं। इनमें कनाडा में बनी कारों पर टैरिफ राहत कम करना, कनाडा की दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौते करने की आजादी सीमित करना और उसकी भाषा, संस्कृति व संप्रभुता से जुड़े सुरक्षा उपायों को कमजोर करना शामिल था। कार्नी ने इन सभी मांगों को अस्वीकार्य बताया। वॉशिंगटन में बातचीत टूटने के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद अमेरिका ने 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामान पर 50% टैरिफ लगा दिया। जवाब में कनाडा ने अमेरिका से आने वाले स्टील, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूसरे सामान पर 8 सितंबर से डॉलर-फॉर-डॉलर टैरिफ लगने का ऐलान किया। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने कहा कि इन कदमों का मकसद अमेरिकी कामगारों और सप्लाई चेन की सुरक्षा करना है।

'किस तैयारी में जुटी सरकार?'

मानसून सत्र खत्म करने में देरी पर कांग्रेस का सवाल, अमित शाह पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त करने में हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने रविवार को पूछा कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब भी परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को विशेष सत्र में पारित कराने के लिए अपने "दागी" दो-तिहाई बहुमत की तलाश में हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने और उसके सत्रावसान (औपचारिक रूप से सत्र समाप्त करने) के बीच आमतौर पर दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि, ऐसे कई उदाहरण हैं जब स्थगन और सत्रावसान एक ही दिन हुआ है।

रमेश ने कहा कि लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 10 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इसके सत्रावसान की कोई जानकारी नहीं है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर कहा, "यह सही है कि 2015 में मानसून सत्र में यह अंतर 28 दिन और 2021 में 20 दिन का था। लेकिन तब कोई शैतानी चाल नहीं चल रही थी।" उन्होंने सवाल किया, "अब असामान्य देरी की वजह क्या है? क्या केंद्रीय गृह मंत्री अब भी विशेष सत्र में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए अपने दागी दो-तिहाई बहुमत की तलाश में हैं?" कांग्रेस नेता ने संसद की कार्यवाही से जुड़ी पुस्तक 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामेंट' के एमएन कौल और एसएल शकधर द्वारा लिखे गए एक पृष्ठ का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। इसका उद्देश्य सदन के सत्रावसान की प्रक्रिया को रेखांकित करना था। पुस्तक में कहा गया है, "अनुच्छेद 85(2) के तहत राष्ट्रपति के आदेश से सदन के सत्र की समाप्ति को सत्रावसान कहा जाता है।

सदन का सत्रावसान करने की शक्ति का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सलाह देने से पहले मंत्रिमंडल से परामर्श कर सकते हैं।" इसमें कहा गया है, "सदन का सत्रावसान किसी भी समय हो सकता है, यहां तक कि सदन की बैठक के दौरान भी। हालांकि, आमतौर पर सदन की बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद सत्रावसान होता है। सदन के सत्रावसान और नए सत्र में उसके दोबारा बैठक करने के बीच की अवधि को 'इंटर-सेशन पीरियड' कहा जाता है।"

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 24 अगस्त - 2026

मिठास पर महंगाई की कड़वाहट

चीनी के बढ़ते दामों ने सरकार के सामने महंगाई और नीतिगत संतुलन की चुनौती फिर खड़ी कर दी है। बीते दो महीनों में चीनी की कीमतों में करीब 40 फीसद की वृद्धि बताती है कि यह केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं है। सरकार ने खराब मौसम से गन्ने की फसल को हुए नुकसान, घरेलू उत्पादन में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दाम बढ़ने को इसकी वजह बताया है। साथ ही पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति को लेकर भी सवाल किए जा रहे हैं। लेकिन असली प्रश्न यह है कि जब किसी जरूरी खाद्य वस्तु की कीमत तेजी से बढ़े तो सरकार की प्राथमिकता क्या होनी चाहिए, किसानों और चीनी मिलों को बेहतर कीमत दिलाना या उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत देना? सरकार ने चीनी की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए दस लाख टन चीनी के आयात, डीलरों के लिए भंडारण सीमा तय करने और जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई जैसे कदम उठाए हैं। इन उपायों का असर जमीन पर कितना पड़ता है, यह देखना होगा। क्योंकि किसी जरूरी वस्तु की कीमत बढ़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं होता। त्योहारों के मौसम में मांग बढ़ने के साथ जमाखोरी की आशंका भी बढ़ सकती है। इसलिए केवल तात्कालिक प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी; आपूर्ति, भंडारण और बाजार की निगरानी लगातार करनी होगी। एथनॉल नीति को लेकर भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर तथ्यपरक समीक्षा की जरूरत है। सरकार का तर्क है कि पेट्रोल में एथनॉल मिलाने से पेट्रोलियम पदार्थों के आयात पर होने वाला खर्च घटता है और विदेशी मुद्रा की बचत होती है। इस नीति से चीनी उद्योग को भी गन्ने से एथनॉल उत्पादन का अतिरिक्त बाजार मिला है, जिससे चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति सुधारने और गन्ना किसानों के भुगतान की समस्या कम करने में मदद मिली है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में उत्पादित एथनॉल का करीब तीन-चौथाई हिस्सा अनाज, खासकर मक्का, से आता है। इसलिए चीनी की मौजूदा महंगाई के लिए केवल एथनॉल नीति को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। फिर भी किसी नीति का मूल्यांकन केवल उसके लाभों से नहीं, उसके व्यापक प्रभावों से होना चाहिए। यदि एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने की उपलब्धता और चीनी उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य सुरक्षा पर उसका असर पड़ सकता है। इसलिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे के विरोध में खड़ी न हों। गन्ने की उपलब्धता, चीनी का भंडार, घरेलू खपत, आयात-निर्यात और एथनॉल उत्पादन का संतुलित आकलन जरूरी है। ई-20 ईंधन को भी इसी व्यापक कसौटी पर परखा जाना चाहिए। पेट्रोलियम आयात घटाना और विदेशी मुद्रा बचाना महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं, लेकिन यह भी देखना होगा कि इससे उपभोक्ताओं, वाहनों की कार्यक्षमता और पर्यावरण को वास्तविक लाभ कितना मिला। चीनी की मौजूदा महंगाई सरकार के लिए चेतावनी है कि ऊर्जा नीति, कृषि नीति और खाद्य नीति को अलग-अलग खानों में रखकर नहीं चलाया जा सकता। जरूरत तात्कालिक कदमों के साथ एथनॉल नीति की नए सिरे से समीक्षा करने की है, ताकि किसान, उद्योग और उपभोक्ता के हितों के बीच ऐसा संतुलन बने जिसमें खाद्य सुरक्षा से कोई समझौता न हो सके।

शराबबंदी कानून से आगे : नशे के खिलाफ समाज सुधार की जरूरत

अनिकेत सिंह

गुजरात में जहरीली शराब से हुई मौतों ने एक बार फिर उस पुराने और असहज सवाल को सामने ला दिया है कि क्या केवल कानून बनाकर शराब और नशे की समस्या को खत्म किया जा सकता है? हर बार जहरीली शराब की घटना के बाद कुछ गिरफ्तारियां होती हैं, छापे पड़ते हैं, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग उठती है और शराबबंदी को और कठोर बनाने की आवाजें सुनाई देती हैं। कुछ समय बाद मामला शांत पड़ जाता है और अवैध शराब का कारोबार फिर अपने पुराने रास्ते पर लौट आता है।

गुजरात की हालिया घटना को केवल एक राज्य की कानून-व्यवस्था की समस्या मानना भूल होगी। यह पूरे देश के लिए चेतावनी है। जहां शराब की मांग बनी रहती है, लेकिन उसकी वैध आपूर्ति पर कठोर प्रतिबंध होते हैं, वहां अवैध बाजार पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। इस बाजार में न गुणवत्ता की गारंटी होती है, न उपभोक्ता की सुरक्षा की। जहरीली शराब की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि पीने वाला अक्सर यह जान ही नहीं पाता कि उसके गिलास में शराब है या जहर। औद्योगिक उपयोग में आने वाला मेथेनॉल यदि शराब में मिल जाए तो वह अत्यंत घातक हो सकता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जाने से लेकर गंभीर विषाक्तता और मृत्यु तक हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब केवल नशे की समस्या नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और आपराधिक अर्थव्यवस्था का भी प्रश्न है। भारत में शराबबंदी का इतिहास लंबा है। कई राज्यों ने अलग-अलग समय पर शराब पर प्रतिबंध लगाया और उसके पीछे सामाजिक, नैतिक, स्वास्थ्य तथा आर्थिक कारण रहे। लेकिन अनुभव बताता है कि प्रतिबंध लागू करना और शराब की मांग समाप्त करना दो अलग-अलग बातें हैं। जब किसी वस्तु की मांग बनी रहती है और उसकी वैध आपूर्ति बंद कर दी जाती है, तो बाजार समाप्त नहीं होता; वह भूमिगत हो जाता है। शराब के मामले में यही सबसे बड़ी चुनौती है। अवैध शराब बनाने वाले लोग कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के लिए घटिया और खतरनाक पदार्थों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यहीं से जहरीली शराब की त्रासदी जन्म लेती है। इसका अर्थ यह नहीं कि शराब को सामान्य उपभोग की वस्तु मान लिया जाए। शराब का अत्यधिक सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए गंभीर नुकसान पैदा करता है। सड़क दुर्घटनाओं, घरेलू हिंसा, आर्थिक बर्बादी, अपराध और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में शराब की भूमिका अनेक मामलों में सामने आती रही है। लेकिन समस्या का समाधान केवल पुलिस और कानून के भरोसे छोड़ देना भी पर्याप्त नहीं है।

राज्य का काम कानून बनाना और व्यवस्था बनाए रखना है। लेकिन समाज की हर बुराई को केवल दंड के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता। यदि शराब की मांग समाज में मौजूद है, तो उसके पीछे के कारणों को समझना होगा। गरीबी, बेरोजगारी, तनाव, अकेलापन, सामाजिक दबाव, पारिवारिक समस्याएं और गलत संगति कई लोगों को नशे की ओर धकेल सकती हैं। कुछ समुदायों में शराब पारंपरिक सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही है। कुछ स्थानों पर त्योहारों और सामाजिक आयोजनों में शराब को सामान्य मान लिया जाता है। युवाओं के बीच भी नशे की नई प्रवृत्तियां चिंता का विषय हैं। इसलिए नशामुक्ति का अभियान केवल पुलिस थानों से नहीं चल सकता। इसे घर, स्कूल, कालेज, पंचायत, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और स्वास्थ्य व्यवस्था तक ले जाना होगा।

देश में उगती विदेशी सभ्यता की दुकानें

रघु ठाकुर

पिछले दिनों भारत सरकार ने यह फैसला किया था कि देश में 100 विदेशी विश्वविद्यालयों को अनुमति देंगे और जून माह तक 15 विदेशी विवि को अनुमति दी जा चुकी है। विदेशी विवि को अनुमति के पीछे औपचारिक कारण या तर्क यह बताया जा रहा है कि जो विद्यार्थी बाहर पढ़ने जाते थे उनके ऊपर औसतन 80 लाख से 1 करोड़ रुपया खर्च होता था और अब यह खर्च बच जायेगा। यह भी कि जो लोग बाहर पढ़ने जाते हैं उनमें से मुश्किल से 1 प्रतिशत विद्यार्थियों को विदेशों में रोजगार मिल पाता है। यह दोनों बातें अपनी जगह सही हो सकती हैं और यह भी है कि अब अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश अपने यहां पढ़ने आने वाले लोगों को स्थाई रूप से बसने में कई प्रकार के प्रतिबंध लगा रहे हैं। जैसे पहले अमेरिका में पढ़ने वाले छात्र के लिए पढ़ाई के बाद वहां रहकर नौकरी तलाशते रहने की समयावधि कई वरुों थी परंतु अब अमेरिका ने घटाकर 1 से 3 माह कर दी और इतने में अगर नौकरी नहीं मिलती है तो उन्हें देश वापिस आना होगा। वीजा नियमों में भी काफी सख्ती की जा रही है और उसका कारण है कि अब अमेरिका भी बाहर से आने वालों के बोझ सहने से मुक्त होना चाहता है तथा अमेरिका की बढ़ती बेरोजगारी को दूर करने के लिये अमेरिकी नौजवानों को अघोरुित पात्रता देना चाहती है। श्री डोनाल्ड ट्रंप के इस दूसरे कार्यकाल में फिर से वह पुराना नारा दुहराया जाने लगा है। अमेरिकन फर्स्ट या वी अमेरिकन, बाय अमेरिकन। इतना ही नहीं अब बाहर के देशों से गये हुये लोग अपने आपको पहले जैसा सुरक्षित नहीं मानते हैं। क्योंकि पिछले वरुों में हेट क्राइम की घटनायें बढ़ी हैं। जिसका शिकार कुछ भारतीय परिवार भी हुये हैं। ऐसी घटनायें अब ब्रिटेन में भी शुरू हुई हैं और वहां भी बदलाव आ रहे हैं।

1950 के बाद से अमेरिका भारतीयों और विशेरुातरू भारत के श्रेरुठी वर्ग का प्रिय देश रहा है। भले ही देश की सरकार और अमेरिकन सरकार में वैचारिक फर्क रहा हो परंतु वहां की तरक्की, सिस्टम, व्यवस्था की चर्चा भारतीय उच्च, उच्च मध्यम परिवारों में आम थी। पिछले दशकों में बहुत से भारतीय अमेरिकी नागरिक बने और वहीं बस गये। उस समय भारत के बुद्धिजीवी इसका तर्क देते थे कि यह ब्रेन ड्रेन हो रहा है क्योंकि भारत में योग्यता की वह कीमत नहीं मिलती जो अमेरिका में मिलती है। यह भी गर्व करते थे कि अमेरिका के वैज्ञानिक खोजों के पीछे भारतीयों का बौद्धिक योगदान है। स्वतरू हर गोविन्द लाल खुराना जिन्होंने जीन्स की खोज की थी, उनका उद्धृत किया जाता था। नासा में काम करने वाले वैज्ञानिकों का उल्लेख किया जाता था परंतु अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब अमेरिका में वीजा लेने के लिये या नागरिकता लेने के लिये अप्रवासियों से पैसा वसूला जा रहा है। जिस व्यक्ति को वहां की नागरिकता चाहिये उसको योग्यता के आधार पर प्रवेश नहीं है बल्कि धन और पूँजी के आधार पर प्रवेश मिलेगा। ऐसी स्थिति यूरोप के सभी देशों में बन रही है और यह स्वाभाविक ही है क्योंकि अब उन देशों में आबादी बढ़ी है, बेरोजगारी बढ़ी है। बहुत संभव है इन्हीं परिस्थितियों के दबाव में भारत सरकार ने यह नई नीति बनाई है जो कि उनके घोरुित स्वदेशी नारे के खिलाफ है। एक तरफ भारत सरकार व उनके नियंत्रक कहते हैं कि शहम विश्व गुरु हैय और दूसरी तरफ भारत के छात्रों को पढ़ाने के लिये विदेशी गुरु आयेंगे। पर हमारे देश में इन बातों पर कोई प्रश्न नहीं उठाता, क्योंकि सब चलता है, यह संस्द्धति उभर रही, पर इनके पीछे अंदरूनी कारण कुछ और है।

अब सरकार से यह पूछा जा रहा है कि जो विवि देश में आ रहे हैं इनका पाठयक्रम कौन तय करेगा? जाहिर है कि इन विदेशी विवि के जो पाठयक्रम वहां के हैं, वही चलेंगे। एक तरफ यही सत्ताधीश कहते हैं कि अंग्रेज के लार्ड मैकाले ने भारतीय शिक्षा को नरुट किया है और अपने लिये बाबू तैयार करने के लिये शिक्षा का ढाँचा बनाया। दूसरी तरफ अब यही लोग लार्ड मैकाले को, विदेशी शिक्षा को वापिस भारत ला रहे हैं। भारतीय शिक्षा की स्थिति यह है कि भारत का एक भी विवि विश्व की गणना में शीरुा में शामिल नहीं हो पाता। इसके अलावा जो दो अन्य तर्क दिये गये हैं उनकी पड़ताल जरूरी है। एक सरकारी अनुमान के अनुसार लगभग 5.50 लाख विद्यार्थी भारत में ही विधिवत शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे और बाहर रहने किराये आदि या खर्च आदि में 10रू69 लाख रुपया बचेगा। मुझे इस आंकड़े पर कोई आपत्ति नहीं है परंतु दूसरा पहलू देश जानना चाहेगा कि जो यह विवि यहां आ रहे हैं उन्हें इससे कितना लाभ होगा? अगर एक विद्यार्थी की फीस तीन-चार वरुों में साल के 10 लाख रुपये के हिसाब से मान लिया जाये जो कि कम ही है तो एक वरुा में इन विद्यार्थियों की फीस से न्यूनतम 5 लाख करोड़ बच जायेगा और चार वरुा में 20 लाख करोड़ रुपया विदेशों में फीस के रूप में जायेगा। यह आंकड़ा भी मैंने मात्र 10 लाख रुपया प्रतिवरुा की फीस पर जोड़ा है। हालांकि अलग-अलग विवि के अलग-अलग रेट हैं। कुछ विवि की फीस तो साल में करोड़ों रुपयों की है। दूसरे ये जो विद्यार्थी जहां पात्र होंगे, इनमें से जो विदेशी सरकारों के जरूरत के होंगे वे, उन्हें ही वे ले जायेंगे, बकाया भारत में ही अपने रोजगार की संभावना तलाशेंगे। भारतीय लोगों का विदेशों में काम करने का या बड़ी नौकरी करने का प्रतिशत मुश्किल से 20 प्रतिशत रह जायेगा। 80 प्रतिशत नौजवान याने लगभग 4 लाख नौजवान भारत में ही रहकर नौकरी की तलाश करेंगे। उनकी जीवनशैली, मानसिक और जरूरतों के हिसाब से कितनों को भारत में रोजगार मिल पायेंगे, यह भी एक सवाल है? एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि तकनीकी अध्ययन व ज्ञान के लिये छात्र विदेशी संस्थाओं के क्लाउड का इस्तेमाल कर सकेंगे, और इसका दूसरा पहलू यह भी है कि उस तकनीक की खोज और उसका ज्ञान इन्हें उस रूप में नहीं हो सकेगा, बल्कि एक प्रकार से निर्भरता स्थाई रूप से पैदा होगी। पाश्चात्य या विदेशी संस्द्धति को अभी ये भारतीय छात्र बाहर जाकर देखते और सीखते थे अब देश में ही बन रहे इन विदेशी टापुओं में ये लाखों छात्र जब विदेशी जीवनशैली, मानसिक संस्कार और भारुा पर निर्भर होंगे तब वे भारत के आम मानस को उसी दिशा में ले जाने के लिये प्रेरित करेंगे। अभी तक जो 5.50 लाख विद्यार्थी बाहर पढ़ने जाते थे वे 4-5 साल तक उस विदेशी वातावरण में रहते थे परंतु देश में लौटने के बाद वे अपने मूल को पुनरू यादकर उससे जुड़ने का प्रयास करते थे। अब हो सकता कि 5.50 लाख छात्र अपने देश के याने भारतीय छात्रों जो अन्य विवि या कालेज में पढ़ रहे को उस जीवनशैली के लिये आकरुाण का केंद्र बन जाये और देश में विदेशी मानसिकता और जीवनशैली को प्रभावित करें। स्वाभाविक है कि जिन परिवारों के बच्चे होंगे, उनके परिवार भी इनसे प्रभावित होंगे। इसका प्रभाव भारतीय राजनीति पर भी अनेक रूप से पड़ेगा। अभी जो छात्र विदेशों से पढ़कर आये हैं वे देश की राजनीति को विदेशी राजनीति के पैमाने से देखते हैं उनके विदेशों में राजनैतिक प्रचार, राजनीति दृरुटिकोण और सोचने के तरीके बदलेंगे। जो भारत वसुधैव कुटुम्बकम की सोच पर, समरसता चाहता है। गरीब-अमीर के भेद को मिटाना चाहता है और अभी तक भारतीय राजनीति के चुनाव के आधार इस आधार पर होते रहे हैं वे मापदंड बदले जा सकते हैं।

वंदे मातरम के बहाने संविधान का विरोध करती कांग्रेस

डॉ.वेदप्रकाश

वंदे मातरम् राष्ट्र गीत है जिसके साथ समूचे देश की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। वंदे मातरम् का गायन संवैधानिक व्यवस्था से अनिवार्य है वहीं वंदे मातरम को अधूरा गाना इस राष्ट्रीय प्रतीक और संविधान की अवहेलना है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा वंदे मातरम् के दो ही पद गाने की घोषणा सीधे-सीधे संसद और संविधान की अवहेलना है। इस तरह से तो आने वाले समय में कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था संविधान सम्मत व्यवस्थाओं को अथवा राष्ट्रीय प्रतीकों को न माने अथवा आधा अधूरा माने का रास्ता चुन सकते हैं। इसलिए आज यह आवश्यक है कि इस प्रकार के किसी भी कृत्य को गैरकानूनी, गैर संवैधानिक और देश विरोधी मानते हुए तत्काल कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

बौद्धिक दिवालियापन की शिकार कांग्रेस विगत कई वर्षों से विरोध की गिरफ्त में है। वर्ष 1947 में देश आजाद होने के बाद वर्ष 2014 तक थोड़ा बहुत छोड़कर लगातार कांग्रेस सत्ता में रही है। वर्ष 2014 में भारी बहुमत से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई और तब से लगातार जनता के भारी समर्थन से सत्ता में बनी हुई है। सत्ता से दूर रहने का दर्द अब कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष को परेशान कर रहा है। रह रहकर प्रधानमंत्री बनने की चाहत राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई नेताओं को दिवास्वप्नों में ले जा रही है। ऐसे में इन नेताओं में मानसिक असंतुलन पैदा होना बहुत स्वाभाविक है।

नरेंद्र मोदी के रूप में व्यक्ति और भारतीय जनता पार्टी के रूप में पार्टी का विरोध करते-करते कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कानून की अवहेलना और संविधान का अपमान कर रहा है। हाल ही में 15 अगस्त के दिन कांग्रेस कार्यालय में वंदे मातरम् के गायन में व्यवधान पर उठे विवाद के उपरांत कांग्रेस ने अब यह खुलकर साफ कर दिया है कि पार्टी वंदे मातरम् को पूरा नहीं गाएगी बल्कि आरंभिक दो पदों का ही गायन अपने कार्यक्रमों में करेगी। पार्टी नेतृत्व ने कहा है कि- वंदे मातरम् उसके लिए भावना से जुड़ा है और महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस तथा रविंद्रनाथ टैगोर द्वारा 1937 में कांग्रेस कार्य समिति में वंदे मातरम् गायन की के दो पदों का ही पार्टी गायन करेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ कहा कि- पार्टी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् गायन के संदर्भ में 90 साल पहले पारित प्रस्ताव का ही पालन किया जाएगा। विदित हो कि विगत दिनों संसद के मानसून सत्र में संसद ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक 2026 को मंजूरी दे दी है। अब राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को भी राष्ट्रगान- जन गण मन के समान के कानूनी संरक्षण मिलेगा। अब वंदे मातरम् का अपमान करना, उसके गायन में जानबूझकर बाधा डालना या उसके प्रति अनादर दिखाना दंडनीय अपराध होगा। ऐसे मामलों में अधिकतम 3 वर्ष तक की सजा जुर्माना या दोनों का प्रविधान होगा। यद्यपि विपक्ष ने इस विधेयक का खूब विरोध किया तदुपरांत भी यह विधेयक दोनों सदनों से पास हो गया और अब किसी भी कार्यक्रम में वंदे मातरम् के सभी छह पद गाने का प्रविधान अनिवार्य हो गया है।

यहां महत्वपूर्ण यह है कि वंदे मातरम के सभी 6 पद गाने का प्रविधान संसद में विधेयक के जरिए पास होने पर अब यह संविधान का हिस्सा बन गया है जिसका पालन प्रत्येक नागरिक के लिए अनिवार्य है। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि विगत में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संविधान बढ़ाने की बड़ी चिंता सता रही थी और वे संविधान की एक पुस्तक हाथ में लिए जगह-जगह घूम रहे थे जिसका मूल कारण वे बताते थे कि वे संविधान बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। अब मजेदार यह है कि संविधान की वह पुस्तक भी उन्होंने कहीं रख दी है और उनकी पार्टी यानी कांग्रेस संविधान के अनुरूप वंदे मातरम् के गायन में भी केवल दो पदों के गायन का राग अलाप रही है। सारा देश कांग्रेस के इस देश विरोधी फैसले और इसके माध्यम से कानून व संविधान की अवहेलना के रुख को देख रहा है। मूल रूप से तो यह कांग्रेस का राजनीतिक विरोध है जिसे बौद्धिक दिवालियापन के कारण कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व संवैधानिक मूल्यों से भी बड़ा मान रहा है। इस बार का मानसून सत्र नीट पेपर लीक और चढ़ावा चोरी जैसे मुद्दों के चलते कांग्रेस और विपक्ष के संग्राम से बहिष्कार की भेंट चढ़ गया। यहां भी गौरतलब है कि कांग्रेस और समूचा विपक्ष अधिकांश समय संसद से बाहर ही रहे। वे संसद में बैठकर मुद्दों पर बहस करने से हमेशा बचते रहे हैं। विगत में भी समान नागरिक संहिता, कृषि कानून और तीन तलाक जैसे मुद्दों पर कांग्रेस और विपक्ष एकजुट होकर विरोध के स्वर में ही खड़े रहे हैं। मुद्दा यह नहीं है कि विपक्ष होने के नाते आप सत्तारूढ़ पार्टी का विरोध न करें। मुद्दा यह है कि आप विरोध संसद में बैठकर तार्किक ढंग से करें या संसद के बाहर भ्रम और भय फैलाकर करें। विगत दिनों नीट के मुद्दे और परीक्षाओं में अव्यवस्था को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा जंतर मंतर पर हुए धरने प्रदर्शन में देखते ही देखते कांग्रेस और विपक्ष के कई बड़े नेता जुट गए। इसके मूल में श्रेय लेने का भाव ही प्रधान था।

मेरे सपनों का भारत नामक पुस्तक में हड़ताल शीर्षक से गांधी जी ने लिखा है- जो हड़ताल माली हालात की बेहतरी के लिए की जाती है उसमें कभी अंतिम ध्येय के तौर पर राजनीतिक मकसद की मिलावट नहीं होनी चाहिए। ऐसा करने से राजनीतिक तरक्की कभी नहीं हो सकती। यहां विडंबना यह है कि गांधी जी के विचार और सिद्धांतों को भूलकर आज कांग्रेस किसी भी मंच अथवा किसी भी स्तर पर जाकर राजनीतिक तरक्की के रास्ते ढूंढ रही है। इसी पुस्तक में गांधी जी ने आगे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस शीर्षक से विचार करते हुए कांग्रेस के भविष्य के विषय में लिखा है- अगर वह सत्ता हड़पने के व्यर्थ के झगड़ों में पड़ती है तो एक दिन वह देखेगी कि वह कहीं नहीं है...। आज गांधी जी की यह भविष्यवाणी बिल्कुल सत्य सिद्ध हो रही है। आज कांग्रेस धीरे-धीरे समाप्ति के कगार पर है। सत्ता और राजनीतिक स्वार्थ के कारण वह बौद्धिक दिवालियापन और वैचारिक विकलांगता से जूझ रही है। कांग्रेस के विभिन्न वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता धीरे-धीरे उसका साथ छोड़ रहे हैं। देश में लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस आज विरोध-प्रदर्शनों के अतिरिक्त कहीं दिखाई नहीं दे रही है। इसका बड़ा कारण कहीं न कहीं गांधी जी के विचार और सिद्धांतों की अनदेखी करना भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की विश्वसनीयता और बौद्धिक विपन्नता से पूरा देश परिचित है। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मल्लिकार्जुन खड़गे भी कहीं न कहीं कठपुतली ही बनकर रह गए हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के रूप में परिवार का वर्चस्व कांग्रेस की नैया को डूबाने के लिए पर्याप्त है।

स्कूल में संकट, डिग्री में दम नहीं, रोजगार में रास्ता नहीं

संजय सक्सेना

स्कूल की टूटी छत से शुरू हुई कहानी डिग्री लेकर बेरोजगार खड़े युवा तक पहुंचती है। यही भारत की शिक्षा व्यवस्था का सबसे कड़वा सच है। आज बच्चे पंखा, पानी, शिक्षक, सड़क और शौचालय के लिए सड़क पर हैं। कल यही बच्चे डिग्री लेकर नौकरी की कतार में होंगे। फर्क सिर्फ इतना होगा कि आज वे व्यवस्था से पढ़ने लायक स्कूल मांग रहे हैं, कल जीने लायक रोजगार मांगेंगे। सवाल यह है कि सरकार उस बच्चे की आवाज कब सुनेगी जब वह स्कूल के बाहर नारा लगा रहा है या तब, जब लाखों युवाओं की भीड़ में सरकारी नौकरी का फॉर्म भर रहा होगा?जुलाई और अगस्त 2026 में देश के अलग-अलग राज्यों से बच्चों के विरोध की जो तस्वीरें सामने आईं, वे मामूली नहीं हैं। फतेहपुर में सैकड़ों छात्रों ने बिजली, पंखे, पीने के पानी और खराब व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई। हमीरपुर में करीब 300 बच्चे स्कूल तक पक्की सड़क की मांग को लेकर छह किलोमीटर पैदल चले। लखनऊ में छात्राओं ने शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का सवाल उठाया। गया के सिमुआरा मिडिल स्कूल के करीब 50 बच्चे चार किलोमीटर पैदल चलकर अधिकारियों तक पहुंचे। राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पंजाब तक एक जैसी शिकायतें सुनाई दीं। कोई नई इमारत नहीं मांग रहा था। कोई महंगी मशीन नहीं मांग रहा था। बच्चे बस इतना कह रहे थे स्कूल को स्कूल बना दो।

यहां सरकारी आंकड़े सरकार के लिए ढाल कम और आईना ज्यादा हैं। यूडायस प्लस 2025-26 के अनुसार देश में 1,00,843 स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक है। इन स्कूलों में 29 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। एक शिक्षक को कई कक्षाओं को पढ़ाना है, उपस्थिति देखनी है, सरकारी कागज भरने हैं और पूरे स्कूल की जिम्मेदारी भी उठानी है। दूसरी तरफ 5,663 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी बच्चा नामांकित नहीं है, लेकिन वहां 20,667 शिक्षक तैनात हैं। इससे साफ है कि समस्या केवल शिक्षकों की कमी नहीं है। असली बीमारी व्यवस्था की नब्ज में है। जहां जरूरत है, वहां शिक्षक नहीं। जहां बच्चे नहीं, वहां शिक्षक मौजूद हैं। यह कमी नहीं, बंटवारे की विफलता है।सरकार कह सकती है कि तस्वीर सुधर रही है। बिजली वाले स्कूलों का अनुपात बढ़कर 95 प्रतिशत हो गया है। पीने के पानी की सुविधा 99.5 प्रतिशत स्कूलों तक पहुंच गई है। लड़कियों के लिए शौचालय 98.5 प्रतिशत और लड़कों के लिए 97.2 प्रतिशत स्कूलों में हैं। ये आंकड़े निश्चित रूप से प्रगति बताते हैं। लेकिन प्रतिशत का खेल उस बच्चे की परेशानी नहीं मिटाता, जिसके स्कूल में बिजली होने के बावजूद पंखा नहीं चलता। राष्ट्रीय औसत की सबसे बड़ी चाल यही है कि वह लाखों बच्चों की परेशानी को एक छोटे प्रतिशत में बदल देता है। पांच प्रतिशत स्कूलों में बिजली नहीं है, यह आंकड़ा सुनने में छोटा लगता है। लेकिन 14 लाख से अधिक स्कूलों वाले देश में पांच प्रतिशत हजारों स्कूल होते हैं। वहां पढ़ने वाला बच्चा प्रतिशत नहीं जानता। वह बस गर्मी में बैठता है। जिस स्कूल में पानी गंदा है, वहां 99.5 प्रतिशत की उपलब्धि का कोई मतलब नहीं। जिस शौचालय में ताला लगा है या सफाई नहीं, वहां कागज पर बनी सुविधा बच्चे की जरूरत पूरी नहीं करती। शिक्षा का असली हिसाब यह नहीं कि कितने स्कूलों में सुविधा दर्ज है। असली सवाल यह है कि सुबह स्कूल पहुंचने पर बच्चा उसे इस्तेमाल कर सकता है या नहीं।डिजिटल शिक्षा की तस्वीर भी कम चिंताजनक नहीं। देश के केवल 67.4 प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट है और 69.9 प्रतिशत में कंप्यूटर की सुविधा दर्ज है। डिजिटल पुस्तकालय केवल 7.1 प्रतिशत स्कूलों तक सीमित है। ऐसे समय में जब दुनिया तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीक की तरफ बढ़ रही है, देश का बड़ा हिस्सा अभी इंटरनेट की दहलीज पर खड़ा है। एक बच्चा घर में कंप्यूटर, तेज इंटरनेट और अलग से प्रशिक्षण के साथ पढ़ रहा है। दूसरा बच्चा स्कूल में बिजली और पंखे की मांग कर रहा है। फिर दोनों से एक जैसी दौड़ में उतरने की उम्मीद की जाती है। इसे समान अवसर कहना सच्चाई से आंख चुराना है।

दिव्यांग बच्चों की स्थिति और ज्यादा सवाल खड़े करती है। करीब 79.7 प्रतिशत स्कूलों में रैंप हैं, लेकिन दिव्यांग बच्चों के अनुकूल शौचालय केवल 40.1 प्रतिशत स्कूलों में हैं।

जयपुर में दिव्यांग छात्रों का विरोध इसी अधूरी व्यवस्था की तरफ इशारा करता है। सरकार रैंप बनाकर सुविधा पूरी मान लेती है, लेकिन बच्चा स्कूल के भीतर अपनी बाकी जरूरतें कैसे पूरी करेगा, यह सवाल पीछे छूट जाता है। पहुंच केवल दरवाजे तक पहुंचने का नाम नहीं है। सम्मान के साथ पूरी शिक्षा पाने का नाम है।यहीं से कहानी स्कूल की दीवार पार करती है और कॉलेज तक पहुंचती है। कमजोर बुनियाद वाला बच्चा किसी तरह बारहवीं पास करता है। फिर बीए, बीकॉम या बीएससी में दाखिला लेता है। डिग्री मिलती है और उसके बाद सामने खड़ा होता है नौकरी का बाजार। नीति आयोग की 18 अगस्त 2026 की रिपोर्ट ने इस अगले संकट की परत खोल दी। रिपोर्ट के अनुसार केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार पा सके। देश में करीब 3 करोड़ 40 लाख छात्र स्नातक पाठ्यक्रमों में हैं। इनमें बड़ी संख्या सामान्य डिग्रियों में पढ़ रही है। डिग्री बढ़ रही है, लेकिन उसके साथ काम करने की क्षमता उसी गति से नहीं बढ़ रही।

एनसाइक्लोपीडिया बनाम विश्व ज्ञान कोश

डॉ टी महादेव राव

सुबह सैर के बाद पार्क की बेंच पर बैठे मोबाइल देख रहा था कि परमानंद परम आकर मेरे बाजू में बैठा। राम राम हुई। मैं फिर मोबाइल पर व्यस्त हो गया। जिसके नाम में दो दो परम हैं वह भक्त ही है, परम भक्त।

राव जी। क्या चल रहा है?

फेंक चल रहा है और क्या?

वह फेंक नहीं फॉग है बंधु।

मैं विज्ञापन की नहीं। हमारे महामहिमों के इतिहास ज्ञान के बारे में कह रहा हूं। फेंकू, कुछ भी फेंकना का शॉर्ट फॉर्म संक्षिप्त रूप है फेंक। इसलिए यही मुनासिब है कि फेंक ही चल रहा है।

लेकिन आपको मानना पड़ेगा कि इतिहास में हमारे मोटे भाई घर वजीर का तो मास्टरी है। धड़ाधड़ बोल बोलकर धज्जियां उड़ाते हैं संसद में। हां। सच बोलने के लिए आंकड़े, ज्ञान और विषय पर नियंत्रण होना जरूरी है लेकिन झूठ उसपर अज्ञान को फेंकने के लिए विषय, इतिहास ज्ञान बिल्कुल नहीं चाहिए होता है। घर वजीर की यही तो खासियत है। फेंकने में बड़े वजीर के साथ कंपटीशन कर रहे हैं। आप हमेशा मेरी बातें काटते हो। आपको मुझसे, मेरे ज्ञान से ईर्ष्या है। जलन है। तुम्हारे ज्ञान से जो करे ईर्ष्या उससे बड़ा मूर्ख होगा नहीं। मैं इसलिए तुम्हारी बातें काटता हूं क्योंकि तुम सही नहीं बोलते। अपनी ही हांकते हो। दुनिया जहां की सच्चाई को जानो, पहचानो तब सच और सही कह पाओगे। वरना सिर्फ भ्रम में रह जाओगे।अब हमारे रक्षामंत्री को यह नहीं पता कि डॉ अंबेडकर को उन्नीस सौ नब्बे में ही भारतरत्न प्रदान किया गया उनका मानना है कि इनके कार्यकाल में दो हजार चौदह में मोदी जी ने भारत रत्न दिया था। ये प्रोफेसर रह चुके व्यक्ति का इतिहास ज्ञान है। यह फेंकना न हुआ तो क्या हुआ। मतलब कुछ भी कह दो तो सही हो जायेगा। ऐसे कई नवरत्न हैं सत्ता में जो न केवल इतिहासकार हैं बल्कि बहुत बड़े इतिहास ज्ञाता और देश के भाग्य विधाता हैं। इस तरह बेसिर पैर के बयान को इतिहास नहीं फेंकना कहते हैं। बयान भी घर वजीर या रक्षा मंत्री इस आत्मविश्वास से देते हैं कि सामने वाला सच मान लेने की कगार पर होता है। भाई आप भी न। लेकिन आपको मानना पड़ेगा हमारे दोनों वजीर अपने आप में अदभुत हैं। हां फेंकने में। लेकिन सत्ता में इनसे बड़े हैं जो फेंकने का विश्व कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिनका कोई सानी ही नहीं है। इन सबको मीलों दूर छोड़कर वे फेंकते हुए आगे निकल गए हैं।

अच्छा। कौन है भाई जिसकी प्रतिभा को मैंने नहीं जाना।

हैं वही जो कंप्यूटर की खोज से पहले ही कंप्यूटर पर काम करता था, जो अस्सी के दशक में ही ईमेल से रंगीन फोटो भेजता था, जो नेहरू के साथ गुल्ली डंडा खेलता था, इंदिरा गांधी को सलाह देता की इमरजेंसी मत लगाओ वरना हमारा शासन आ जायेगा। मनमोहन सिंह जी को आर्थिक मशविरे दिया करता। गटर से गैस, चाय पकौड़े के स्टार्टअप से दस साल में सत्रह करोड़ रोजगार पैदा कर दिया था। विश्व गुरु और स्वयंभू जन्म लेने वाला अजैविक जीवन जीने वाला। अकेला व्यक्ति ग्यारह वर्षों में खाने पर तीन सौ करोड़ रुपए सरकारी खर्च करने वाला, देश को तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने के लिए दिन में दस बार नए कपड़े पहनने वाला। सत्ताईस से तीस देशों से सर्वोच्च सम्मान पाने वाला विश्व फेंकू गुरु है। अच्छा अच्छा आप मुखिया की बात कर रहे हैं। वे इतिहास ही नहीं इतिहास, भूगोल और समाजशास्त्र, सारे विज्ञान, सारे विषयों के एनसाइक्लोपीडिया हैं। उन्हें सिर्फ इतिहास तक सीमित न रखें।

त्रिकूट पर्वत की गुफा में विराजे हैं त्रिकुटेश्वर महादेव

प्रकृति करती है शिव का अनवरत जलाभिषेक

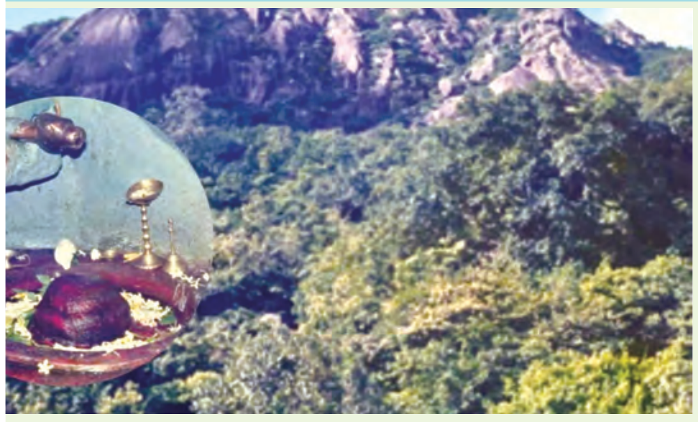

झारखंड के देवघर से करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित त्रिकूट पर्वत धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और लोकविश्वास का अनूठा संगम है. तीन ऊंची चोटियों वाला यह पर्वत दूर से ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है. यहां की गुफाएं, शिलाखंड, मंदिर और उनसे जुड़ी मान्यताएं इस क्षेत्र को झारखंड के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में विशेष स्थान दिलाती हैं. त्रिकूट की तीन चोटियों को स्थानीय परंपरा में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है. यही वजह है कि पर्वत का धार्मिक महत्व केवल एक तीर्थ स्थल तक सीमित नहीं है।

यहां प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों को भी आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाता है. सुबह की धूप में चमकती चोटियां हों या बारिश के मौसम में बादलों से घिरा पर्वत, हर मौसम में त्रिकूट का अलग रूप दिखाई देता है. इस पर्वत की सबसे खास पहचान प्राकृतिक गुफा में विराजमान त्रिकुटेश्वर महादेव हैं. गुफा के भीतर स्थापित शिवलिंग पर चट्टानों से लगातार पानी की बूंदें गिरती रहती हैं।

शिवजी का प्राकृतिक जलाभिषेक

श्रद्धालु इसे भगवान शिव का प्राकृतिक जलाभिषेक मानते हैं. गुफा में प्रवेश करते ही बाहर के वातावरण से बिल्कुल अलग शांति का अनुभव होता है. पानी की बूंदों की आवाज और गुफा की प्राकृतिक संरचना इसे आध्यात्मिक अनुभूति का केंद्र बना देती है. त्रिकूट पर्वत से रावण और भगवान शिव से जुड़ी कई लोककथाएं भी प्रचलित हैं।

रावण ने की थी आराधना

स्थानीय मान्यता के अनुसार, रावण ने यहां भगवान शिव की आराधना और तपस्या की थी. पर्वत की तराई में स्थित त्रिकुटेश्वरनाथ मंदिर को लेकर भी ऐसी ही मान्यता सुनने को मिलती है कि इसका संबंध रावण की शिवभक्ति से रहा है. हालांकि इन कथाओं का ऐतिहासिक प्रमाण एक अलग विषय है, लेकिन स्थानीय संस्कृति और धार्मिक परंपरा में इनका गहरा प्रभाव आज भी देखा जा सकता है. त्रिकूट से जुड़ी एक अन्य लोकमान्यता माता सीता के दीप से संबंधित है. श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां सीता द्वारा प्रज्वलित किया गया दीप आज भी सुरक्षित है।

शिलाखंड को लेकर कई धार्मिक मान्यता

इसी तरह पर्वत की ऊंचाई पर स्थित एक विशाल शिलाखंड को स्थानीय लोग 'विष्णु टॉप' कहते हैं और इसे शालिग्राम स्वरूप से जोड़कर देखते हैं. शिलाखंड के नीचे बने संकरे रास्ते से निकलने को लेकर भी कई तरह की धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं. पर्वत पर प्राकृतिक रूप से बनी कई चट्टानें अलग-अलग आकृतियों का आभास कराती हैं. हाथी जैसी विशाल चट्टान को 'हाथी पहाड़' कहा जाता है, जबकि एक अन्य शिला को शेषनाग के स्वरूप से जोड़ा जाता है. इन प्राकृतिक संरचनाओं में लोगों को धार्मिक प्रतीकों की झलक दिखाई देती है।

पर्यटन के लिहाज से बेहद लोकप्रिय त्रिकूट

धार्मिक महत्व के साथ त्रिकूट आज पर्यटन के लिहाज से भी बेहद लोकप्रिय है. करीब 1,282 फीट की ऊंचाई तक पहुंचाने वाला रोपवे पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण है. लगभग आठ मिनट की इस यात्रा में नीचे फैले जंगल, खेत और देवघर का प्राकृतिक परिदृश्य मन मोह लेता है. त्रिकूट पर्वत स्थानीय लोगों की आजीविका का भी महत्वपूर्ण आधार है. तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की आवाजाही से परिवहन, स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प और छोटे कारोबार को लाभ मिलता है।

पर्वत की प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखा

हालांकि बढ़ते पर्यटन के बीच पर्वत की प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखना भी जरूरी है. गुफाओं, जलस्रोतों, वन क्षेत्र और प्राकृतिक शिलाओं का संरक्षण किए बिना इस विरासत को लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रखा जा सकता. त्रिकूट की खासियत यही है कि यहां धर्म और प्रकृति अलग-अलग दिखाई नहीं देते. गुफा में शिवलिंग पर गिरती पानी की बूंदें, पर्वत की शांत ऊंचाइयां और सदियों से चली आ रही लोककथाएं मिलकर ऐसा वातावरण बनाती हैं, जहां श्रद्धालु केवल दर्शन नहीं करता, बल्कि प्रकृति और आस्था के बीच एक गहरा संबंध महसूस करता है. यही त्रिकूट पर्वत की सबसे बड़ी पहचान है।

जब शिव जी ने तोड़ा रावण का अहंकार

आप किसी को समझा सकते हैं, लेकिन उसे जबरदस्ती नहीं बदल सकते जहां समझाने की सीमा समाप्त हो जाए, वहां दूरी बनाएं

कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है, जो अपनी थोड़ी सी योग्यता, पद या अनुभव के अहंकार में दूसरों का अपमान करने लगते हैं। ऐसे समय में सबसे कठिन काम होता है अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना। सामने वाला उकसाता है, कटु शब्द बोलता है और हमें लगता है कि उसे उसी की भाषा में जवाब दे देना चाहिए, लेकिन ऐसा करने से विवाद हो सकता है। हर विवाद का जवाब विवाद नहीं होता। कई बार शांत रहना ही सबसे बड़ी बुद्धिमानी होती है। यह बात भगवान शिव और रावण की एक पौराणिक कथा से समझ सकते हैं। मान्यता है कि रावण भगवान शिव का भक्त था। एक बार उसके मन में विचार आया कि शिव जी को कैलाश से लंका ले आऊं। वह कैलाश पहुंचा और वहां नंदी से उसका सामना हुआ। नंदी ने रावण से कहा कि इस समय भगवान शिव ध्यान में हैं। रावण ने अपने बल और सामर्थ्य के अहंकार में नंदी की बात पर ध्यान नहीं दिया। उसने यहां तक कह दिया कि अगर शिव स्वयं नहीं चलेंगे तो वह कैलाश पर्वत को ही उठाकर लंका ले जाएगा।

रावण ने कैलाश को उठाने का प्रयास किया। पर्वत हिलने लगा तो शिव के गण चिंतित हो गए, लेकिन भगवान शिव शांत बैठे रहे। जब रावण ने अपना हाथ पर्वत के नीचे लगा दिया, तब शिव ने केवल अपने पैर के अंगूठे से कैलाश को दबा दिया। रावण का हाथ पर्वत के नीचे दब गया। शिव ने क्रोध में रावण को कोई बड़ा दंड नहीं दिया और न ही रावण से लंबा विवाद किया। वे शांत रहे।

कथा के अनुसार, रावण ने अपनी भूल समझी और शिव की स्तुति करने लगा। उसने शिव तांडव स्तोत्र की रचना की और भगवान शिव प्रसन्न हुए। इस प्रसंग का संदेश यह है कि हर अहंकार का उत्तर गुस्से से देना जरूरी नहीं। कभी-कभी शांत व्यक्ति अपनी शक्ति का परिचय बिना एक शब्द बोले दे देता है।

जीवन में हमें यही सीख अपनानी चाहिए। जो व्यक्ति केवल आपको उकसाकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहता है, उसे क्रोध देकर अपनी ऊर्जा क्यों दें? शांत रहिए, आवश्यक हो, तो स्पष्ट शब्दों में अपनी सीमा बताइए और आगे बढ़ जाइए। आपकी वास्तविक योग्यता इस बात से नहीं पहचानी जाएगी कि आपने कितने विवाद जीते, बल्कि इससे कि आपने कितनी परिस्थितियों में अपना विवेक बचाए रखा।

प्रसंग की सीख

तुरंत प्रतिक्रिया न दें

किसी के अपमानजनक शब्द सुनते ही जवाब देने की आदत छोड़ें। कुछ सेकंड रुकना भी क्रोध की तीव्रता कम कर सकता है। प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें कि आपके उत्तर का परिणाम क्या होगा।

व्यक्ति और परिस्थिति को समझें

हर कटु बात व्यक्तिगत हमला नहीं होती। सामने वाला स्वयं असुरक्षित, परेशान या अहंकारी हो सकता है। उसकी समस्या को अपनी मानसिक शांति की समस्या न बनने दें। व्यक्ति और परिस्थिति को समझकर ही प्रतिक्रिया दें।

हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं

कुछ बातें ऐसी होती हैं, जिनका सबसे अच्छा उत्तर मौन होता है। यदि सामने वाला केवल बहस बढ़ाना चाहता है, तो तर्क देने के बजाय बातचीत समाप्त करना अधिक समझदारी है।

अपनी सीमा स्पष्ट करें

शांत रहने का अर्थ कमजोर होना नहीं है। यदि कोई बार-बार अपमान करता है, तो दृढ़ता से कहें कि इस तरह की भाषा स्वीकार्य नहीं है। आवाज ऊंची किए बिना अपनी सीमा तय की जा सकती है।

योग्यता साबित करने की होड़ से बचें

अहंकारी व्यक्ति अक्सर आपको यह साबित करने के लिए उकसाता है कि कौन अधिक योग्य है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने के बजाय अपने काम और व्यवहार को अपना उत्तर बनने दें।

व्यक्ति को बदलने की कोशिश न करें

आप किसी को समझा सकते हैं, लेकिन उसके स्वभाव को जबरदस्ती नहीं बदल सकते। जहां समझाने की सीमा समाप्त हो जाए, वहां दूरी बनाना बेहतर विकल्प हो सकता है।

सही समय चुनें

गुस्से के दौरान दी गई सीख अक्सर बेअसर रहती है। यदि किसी को समझाना जरूरी है, तो वह समय चुनें जब दोनों पक्ष शांत हों।

अपनी ऊर्जा बचाएं

हर विवाद मानसिक ऊर्जा लेता है। खुद से पूछें- क्या यह मामला एक सप्ताह या एक महीने बाद भी महत्वपूर्ण रहेगा? यदि नहीं, तो उसे वहीं छोड़ देना बेहतर है।

अपने व्यवहार पर ध्यान दें

दूसरे का अहंकार आपके भीतर भी अहंकार पैदा न करे। किसी को कमतर समझकर प्रतिक्रिया देना उसी व्यवहार का दूसरा रूप बन सकता है। सम्मान बनाए रखते हुए असहमति व्यक्त करें।

शांति को अपनी शक्ति बनाएं

धैर्य का अर्थ सब कुछ सहना नहीं, बल्कि सही प्रतिक्रिया चुनना है। जब आप क्रोध के बजाय विवेक से निर्णय लेते हैं, तो परिस्थिति पर आपका नियंत्रण बढ़ता है। जीवन में हर लड़ाई जीतना जरूरी नहीं। कुछ लड़ाइयों से दूर रहना ही असली जीत है। जो व्यक्ति आपको उकसाकर अपना स्तर तय करना चाहता है, उसे यह अधिकार मत दीजिए कि वह आपकी मानसिक शांति तय करे। शांत रहिए, आवश्यक बात कहिए और अपनी राह पर आगे बढ़िए।

जल चढ़ाने से खत्म होता है रोग अंबाला का ये ऐसा शिवालय

150 साल से भोलेनाथ की भक्ति में लीन

हरियाणा के अंबाला जिले की पहचान सिर्फ ऐतिहासिक इमारतों और सैन्य छावनी से नहीं है, बल्कि यहां कई ऐसे प्राचीन धार्मिक स्थल भी हैं, जिनसे वर्षों पुरानी आस्था और परंपराएं जुड़ी हुई हैं. अंबाला छावनी की अनाज मंडी में स्थित सत्संग सभा शिवाला मंदिर भी ऐसा ही एक धार्मिक स्थल है. कहा जाता है कि इस मंदिर का इतिहास करीब 150 साल से भी अधिक पुराना है. समय के साथ मंदिर का स्वरूप भले बदलता गया, लेकिन भगवान भोलेनाथ के प्रति लोगों की आस्था आज भी कायम है. मंदिर की सबसे पुरानी पहचान यहां स्थापित नर्मदेश्वर शिवलिंग से जुड़ी है. यह शिवलिंग 150 साल से भी पहले का बताया जाता है।

हरिद्वार से आते कांवड़िए

मंदिर के पुजारी हिमांशु शास्त्री बताते हैं कि शुरुआती दौर में यहां भगवान शिव का ही मंदिर था. इसी में करीब 150 वर्ष से अधिक पुराना नर्मदेश्वर शिवलिंग स्थापित था. लेकिन समय के साथ मंदिर का जीर्णोद्धार होता गया और श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती गई. स्थानीय लोगों के लिए यह शिवालय केवल पूजा-अर्चना की जगह नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों से चली आ रही आस्था का केंद्र है. महाशिवरात्रि पर कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर पहुंचते हैं।

उत्तर भारत का एकमात्र

पुजारी हिमांशु शास्त्री बताते हैं कि मंदिर की खास पहचान अब यहां स्थापित 306 किलो के पारा शिवलिंग से भी है. इस पारा शिवलिंग को कुछ वर्ष पहले मंदिर में स्थापित किया गया. इसे उत्तर भारत का एकमात्र ऐसा पारा शिवलिंग माना जाता है, जिसके दर्शन और जलाभिषेक के लिए दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं. इस पारा शिवलिंग पर जल चढ़ाने से रोग और परेशानियां दूर होती हैं. सावन का महीना आते ही मंदिर में भक्तों की आवाजाही बढ़ जाती है।

निकाली जाती है पालकी

पुजारी हिमांशु शास्त्री के अनुसार पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग जिलों से श्रद्धालु यहां माथा टेकने पहुंचते हैं. कोई भगवान शिव से परिवार की सुख-समृद्धि मांगता है तो कोई अपनी मनोकामना लेकर मंदिर पहुंचता है. मंदिर में धार्मिक आयोजनों की परंपरा भी काफी खास है. जन्माष्टमी के दिन भगवान भोलेनाथ के पारा शिवलिंग का विशेष श्रृंगार किया जाता है. इसके दो-तीन दिन बाद यहां फूलडोल मेले का आयोजन होता है. इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण की पालकी पूरे बाजार में निकाली जाती है।

करियर में चाहिए तरक्की तो

बस टेबल पर रखें पानी का यह छोटा सा शोपीस

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर दिशा का संबंध धन के देवता कुबेर से माना जाता है और इसे धन एवं अवसरों की दिशा कहा जाता है. करियर में लगातार रुकावट, काम में मन ना लगना, नए अवसरों का इंतजार या प्रोफेशनल नेटवर्क कमजोर होने जैसी स्थितियों में उत्तर दिशा को व्यवस्थित रखने की सलाह दी जाती है. घर या ऑफिस की उत्तर दिशा में भारी सामान, पुराने कागज, कबाड़, टूटी चीजें या लंबे समय से इस्तेमाल न होने वाला फर्नीचर जमा हो तो इस हिस्से को पहले खाली और साफ करना चाहिए. वास्तु मान्यताओं के अनुसार खुली और व्यवस्थित उत्तर दिशा सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह के लिए बेहतर मानी जाती है।

उत्तर दिशा में क्या रखें?

उत्तर दिशा में साफ पानी से भरा हुआ कांच का छोटा कटोरा रखा जा सकता है. इसे नियमित रूप से साफ करना और पानी बदलते रहना जरूरी है. इसके अलावा छोटा इंडोर वॉटर फाउंटेन, जल से संबंधित सुंदर पेंटिंग या नीले रंग की साधारण सजावटी वस्तु भी रखी जा सकती है. अगर वॉटर फाउंटेन रखते हैं तो वह बहुत तेज आवाज करने वाला ना हो. उसमें पानी साफ रहे और आसपास धूल या गंदगी जमा ना होने दें. वास्तु में स्वच्छता और व्यवस्थित स्थान को विशेष महत्व दिया जाता है।

ऑफिस और वर्क फ्रॉम होम वालों के लिए उपाय

अगर आप घर से काम करते हैं तो अपने वर्करूम की उत्तर दिशा को खुला और व्यवस्थित रखने की कोशिश करें. यहां साफ पानी की बोतल, छोटा जल पात्र या नीले रंग की उपयोगी वस्तु रखी जा सकती है. इसका उद्देश्य कार्यस्थल को शांत, साफ और व्यवस्थित बनाए रखना होना चाहिए. हालांकि पानी को लैपटॉप, चार्जर, एक्सटेंशन बोर्ड या किसी भी इलेक्ट्रिकल उपकरण के बिल्कुल पास नहीं रखना चाहिए. वास्तु उपाय अपनाते समय सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है.

इन गलतियों से बचें

उत्तर दिशा में रखा पानी गंदा या बासी ना होने दें. टूटे हुए कांच के बर्तन, रिसता हुआ फाउंटेन, दरार वाला कटोरा या खराब जल उपकरण रखने से बचना चाहिए. इसके आसपास पुराने कागज, जूते, कूड़ा-कबाड़ और अनुपयोगी सामान भी जमा ना करें. उत्तर दिशा में स्वच्छ जल तत्व के साथ स्पष्ट लक्ष्य, बेहतर कौशल, मेहनत, समय पर निर्णय और लगातार प्रयास को भी महत्व देना चाहिए।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार सही दिशा में रखा स्वच्छ जल तत्व कार्यस्थल के वातावरण को सकारात्मक और व्यवस्थित बनाने में सहायक माना जाता है.

4 मुखी रुद्राक्ष की ये खासियत नहीं जानते होंगे

पढ़ाई, बिजनेस और नौकरी में तरक्की के लिए करें ये उपाय!

4 मुखी रुद्राक्ष का संबंध बुध ग्रह, बुद्धि, बिजनेस और वाणी से माना जाता है। कहते हैं इस रुद्राक्ष का हृदय से स्पर्श होते ही व्यक्ति का मन धार्मिक हो जाता है। बिजनेस, बुद्धि और वाणी से संबंधित परेशानियों से छुटकारा पाने के लिये 4 मुखी रुदाक्ष बहुत ही फायदेमंद है। आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए 4 मुखी रुद्राक्ष के उपाय और बुध संबंधी समस्याओं का हल पाने में यह रुद्राक्ष कैसे आपकी मदद कर सकता है।

एकाग्रता बढ़ाने और पढ़ाई के लिए

अगर आप काम में ठीक से कॉन्सनट्रेट नहीं कर पा रहे हैं, तो 4 मुखी रुद्राक्ष पहनना लाभदायक होगा। इसके अलावा अगर आप अपनी बुद्धि तीव्र करना चाहते हैं, तो 4 मुखी रुद्राक्ष लाकर अपने घर के मन्दिर में रखें और उसे रोज धूप दिखाएं। वहीं, अगर आपका बच्चा पढ़ाई में बहुत कमजोर है, तो बच्चे के स्टडी रूम या जहां उसकी किताबें रखी हों, वहां 4 मुखी रुद्राक्ष जरूर रखें। आप बच्चे को वह रुद्राक्ष पहना भी सकते हैं। इससे आपका बच्चा पढ़ाई-लिखाई में तेज होगा ।

लेखन और पत्रकारिता

अगर आप एक लेखक हैं या पत्रकार हैं, तो अपने काम की बेहतरी सुनिश्चित करने के लिये 4 मुखी रुद्राक्ष आपके लिये बेहद फायदेमंद होगा। आपको गले में चार मुखी रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। इससे आपके काम की बेहतरी सुनिश्चित होगी।

बिजनेस में तरक्की

लाख कोशिशों के बावजूद बिजनेस आगे नहीं बढ़ पा रहा है, तो आपको 4 मुखी रुद्राक्ष की 21 दानों की माला पहननी चाहिए। वहीं, अगर बिजनेस में कोई आपका काम बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है, तो आज के दिन आपको संस्थान में काउंटर वाले स्थान पर 4 मुखी रुद्राक्ष रखना चाहिए। इस उपाय को करने से आपको बिजनेस में सफलता मिलेगी।

नाक और गले की समस्या

अगर आपको नाक या गले के आस-पास के क्षेत्रों में किसी प्रकार की समस्या रहती है। अगर आपको थॉयराइड या लकवा है या फिर गॉल ब्लैडर की समस्या रहती है, तो अपनी बहन या बेटी के हाथों से 4 मुखी रुद्राक्ष के तीन दाने स्पर्श कराके धागे में पिरोकर गले में पहनने चाहिए।

उदयपुर का अनोखा शिव मंदिर, 100 फीट गहरी प्राकृतिक संरचना के बीच विराजे महादेव

उदयपुर और आसपास का क्षेत्र अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के साथ-साथ प्राचीन धार्मिक स्थलों के लिए भी जाना जाता है. यहां कई ऐसे मंदिर हैं, जहां आस्था के साथ प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है. ऐसा ही एक खास धार्मिक स्थल है तिलेश्वर महादेव मंदिर, जो अपनी प्राकृतिक लोकेशन और भगवान शिव को तिल चढ़ाने की अनोखी परंपरा के कारण श्रद्धालुओं के बीच विशेष पहचान रखता है।

तिलेश्वर महादेव मंदिर प्राकृतिक वातावरण के बीच स्थित है. यहां करीब 100 फीट गहरी प्राकृतिक संरचना देखने को मिलती है. मंदिर के आसपास बारिश के मौसम में झरने बहने लगते हैं और नदी-नालों में पानी का प्रवाह बढ़ जाता है.चारों ओर हरियाली, चट्टानों और पानी की धाराओं के बीच महादेव के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए अलग ही अनुभव बन जाते हैं।

तिल चढ़ाने की अनोखी परंपरा

तिलेश्वर महादेव मंदिर की सबसे खास बात यहां भगवान शिव को तिल चढ़ाने की परंपरा बताई जाती है. श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर महादेव को तिल अर्पित करते हैं और अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते हैं. इसी अनोखी परंपरा के कारण इस स्थान को तिलेश्वर महादेव के नाम से विशेष पहचान मिली है।

सावन में बढ़ जाता है आकर्षण

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है. ऐसे में इस मंदिर पर भी श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है. बारिश के दौरान जब आसपास की पहाड़ियां हरियाली से ढक जाती हैं और झरने बहने लगते हैं, तब मंदिर का प्राकृतिक सौंदर्य और भी निखर जाता है.श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना के साथ प्रकृति के खूबसूरत नजारों का आनंद भी लेते हैं।

आस्था के साथ प्रकृति का संगम

तिलेश्वर महादेव मंदिर धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति प्रेमियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है. गहरी प्राकृतिक संरचना, चट्टानों के बीच बहता पानी और मानसून में दिखाई देने वाली हरियाली इस स्थान को खास बनाती है. यही वजह है कि सावन और बारिश के मौसम में यहां आने वाले लोगों के लिए महादेव के दर्शन के साथ प्राकृतिक वातावरण का अनुभव भी यात्रा का अहम हिस्सा बन जाता है. मानसून के दौरान यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को बारिश और पानी के बहाव को देखते हुए सावधानी बरतने की जरूरत होती है.खासकर गहरी प्राकृतिक संरचनाओं और बहते पानी के आसपास सतर्क रहना जरूरी है।

'स्पिरिट' विवाद में निर्माता के दावों पर दीपिका ने दी प्रतिक्रिया, वायरल पोस्ट में पुरुषों के अहंकार पर तंज

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हुए एक साल से ज्यादा समय हो गया है। मगर इससे जुड़ा विवाद अभी भी खत्म नहीं हुआ है। उस समय दीपिका के बाहर निकलने और उससे जुड़ी खबरों ने काफी चर्चा बटोरीं थीं।

यह मुद्दा अब फिर से सुर्खियों में आया, जब निर्देशक वांगा के भाई ने दावा किया कि दीपिका के बाहर निकलने की वजह उनकी 10 प्रतिशत फायदे की मांग को न मानना था। इसके बाद, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दोनों प्रणय वांगा के बयान पर सवाल उठाए गए। दीपिका ने इसका समर्थन किया है।

यूजर ने क्या सवाल उठाया?

एक यूजर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए एक लंबा नोट शेयर किया। प्रणय वांगा के हालिया बयान का जिक्र करते हुए पोस्ट में लिखा गया 'संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय का दावा है कि दीपिका पादुकोण ने 'स्पिरिट' के फायदे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी थी। मैं बस सोच रही हूं, क्या हम भूल गए हैं कि पुरुष अभिनेता वर्षों से ऐसा करते आ रहे हैं? जब कोई महिला ऐसा करती है, तो यह खबर क्यों बन जाती है?'

पोस्ट में यूजर ने उस दोहरे मापदंड पर सवाल उठाया गया। पोस्ट में आगे लिखा गया 'एक महिला ने डील ठुकरा दी, और महिला-विरोधी सोच एक महिला के 'ना' को बर्दाश्त नहीं कर पाई।'

दीपिका ने दी प्रतिक्रिया

दीपिका पादुकोण ने पोस्ट को लाइक करके अपना समर्थन दिखाया। शनिवार सुबह तक, 12 घंटों में पोस्ट को 8 हजार से ज्यादा लाइक्स और लगभग 2 हजार रीपोस्ट और शेयर मिले, जिससे दीपिका के कई फैंस का समर्थन जाहिर हुआ।

प्रणय ने दीपिका पर क्या आरोप लगाए? प्रणय के अनुसार, संदीप लगभग डेढ़ साल से दीपिका पादुकोण के संपर्क में थे और उन्हें कास्ट करना चाहते थे।

बॉक्स ऑफिस पर एक्ट्रेस की सफलता ने उन्हें कई शर्तों पर बातचीत करने की स्थिति में ला दिया था। उन्होंने फिल्म के मुनाफे का 10 प्रतिशत हिस्सा मांगा। इसके तुरंत बाद, बात हद से आगे बढ़ गई। वह कुछ भी मांग सकती हैं। अगर हम देने को तैयार हों, तो दे सकते हैं। मगर हमारे लिए बजट का हिसाब-किताब भी सही बैठना चाहिए। हमें लगा कि यह मुमकिन नहीं हो पा रहा है। इसीलिए हमने दूसरे विकल्पों के बारे में सोचा।

क्या है 'स्पिरिट' का विवाद?

फिल्म से दीपिका के हटने पर ऑनलाइन काफी विवाद हुआ था, क्योंकि एक्ट्रेस ने आठ घंटे के काम के शेड्यूल की मांग की थी। एक्ट्रेस ने पिछले साल इस मुद्दे पर बात करते हुए सवाल उठाया था कि जब पुरुष सुपरस्टार उतने ही घंटे काम कर सकते हैं और अपने शेड्यूल को सिर्फ कामकाजी दिनों (वीकडेज) तक सीमित रख सकते हैं, तो महिला कलाकार ऐसी मांगें क्यों नहीं कर सकतीं। 'स्पिरिट' मार्च 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जन्मदिन पर बिकनी पहन पूल में उतरीं वाणी कपूर

बॉलीवुड में आने से पहले होटल में नौकरी करती थीं , फिर मिला मॉडलिंग का ऑफर

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री वाणी कपूर अपकमिंग फिल्म 'बदतमीज गिल' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने फैंस को अपनी पोस्ट के जरिए तोहफा दिया है। अभिनेत्री ने बिकनी में शानदार पोज दिए हैं। यूजर्स उनकी तस्वीरों की तारीफ कर रहे हैं।

वाणी कपूर की पोस्ट में क्या है?

वाणी कपूर आज अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। इस दिन उन्होंने ब्लू बिकनी में अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह स्वीमिंग पूल में पोज दे रही हैं। एक दूसरी तस्वीर में वह स्वीमिंग पूल के किनारे बैठी हैं। एक और तस्वीर में उन्होंने अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाया है।

वाणी कपूर ने क्या कैप्शन लिखा?

इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा...

सूरज के चारों ओर एक और साल।

चीजों को समझने की कम कोशिश कर रही हूं।

पलों को जीने पर ज्यादा ध्यान दे रही हूं।

ज्यादा जिंदगी, ज्यादा हंसी-खुशी और आगे आने वाली हर चीज के लिए तैयार हूं।

यूजर्स को पसंद आईं तस्वीरें

वाणी कपूर ने अपनी तस्वीरें पर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। उनकी तस्वीरों पर राशी खन्ना ने फायर वाला इमोजी कमेंट किया है। वहीं निमरत कौर ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। एक फैन ने लिखा 'बॉलीवुड की सबसे हॉट अभिनेत्री'। एक और यूजर ने उन्हें 'तबाही' कहा है।

वाणी कपूर का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि वाणी कपूर ने 'शुद्ध देसी रोमांस' से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ अपारशक्ति खुराना और परेश रावल होंगे। वह जल्द ही फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' का हिस्सा होंगी।

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर का जन्म 23 अगस्त 1988 को दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता शिव कपूर फर्नीचर एक्सपोर्ट का कारोबार करते हैं, जबकि उनकी मां डिंपी कपूर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव और शिक्षिका रह चुकी हैं। वाणी कपूर ने भी एक अलग करियर से शुरुआत की और अपनी मेहनत के दम पर फिल्मी दुनिया में खास जगह बनाई। वाणी कपूर ने अपनी शुरुआती पढ़ाई दिल्ली में पूरी की। इसके बाद उन्होंने इग्नू से टूरिज्म में ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई के दौरान ही वाणी कपूर ने होटल मैनेजमेंट की ओर रुख किया और जयपुर के एक होटल में इंटर्नशिप की। बाद में वाणी कपूर ने होटल इंडस्ट्री में काम भी किया।

होटल से शुरू हुआ मॉडलिंग का सफर

होटल में काम करने के दौरान वाणी की मुलाकात एक मॉडलिंग एजेंसी से हुई। उनकी लंबी कद-काठी और आकर्षक व्यक्तित्व ने एजेंसी का ध्यान खींचा और उन्हें मॉडलिंग के लिए साइन कर लिया गया। यही उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इसके बाद वाणी ने कई बड़े फैशन डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक किया और विज्ञापनों में भी नजर आईं। धीरे-धीरे उन्हें पहचान मिलने लगी और उनका सपना फिल्म इंडस्ट्री की ओर बढ़ने लगा।

शुद्ध देसी रोमांस से हुआ बॉलीवुड डेब्यू

साल 2013 में वाणी कपूर ने यशराज फिल्म्स की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उनके अभिनय को पसंद किया गया और उन्होंने अपने डेब्यू से ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया। शानदार शुरुआत के लिए वाणी को बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। डेब्यू के बाद वाणी कपूर ने इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की।

बड़े सितारों के साथ किया काम

वाणी कपूर ने ऋतिक रोशन के साथ वॉर, रणवीर सिंह के साथ बेफिक्रे, आयुष्मान खुराना के साथ चंडीगढ़ करे आशिकी, अक्षय कुमार के साथ बेल बॉटम और रणबीर कपूर के साथ शमशेरा जैसी फिल्मों में काम किया। हाल के वर्षों में वह 'रेड 2' में भी नजर आईं। इस तरह होटल में काम करने वाली दिल्ली की लड़की ने मॉडलिंग से होते हुए बॉलीवुड के रेड कार्पेट तक अपनी जगह बनाई।

एडवांस बुकिंग में यश की 'टॉक्सिक' का जलवा 'धुरंधर' और 'जवान' को पीछे छोड़ा

यश की मच अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है और फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। एडवांस बुकिंग शुरू होते ही लोगों ने तेजी से टिकट बुक करना शुरू कर दिया है।

48 घंटे में कमाए करोड़ों रुपये

रविवार सुबह तक बुक माय शो पर 'टॉक्सिक' हर घंटे करीब 10 हजार टिकट बेच रही थी। रिलीज से चार दिन पहले यह एक बड़ी संख्या है। फिल्म ने सिर्फ 48 घंटे में एडवांस बुकिंग से 18 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया।

रविवार सुबह तक फिल्म ने भारत में सभी भाषाओं को मिलाकर 4.7 लाख से ज्यादा टिकट बेच दिए थे। इसमें सिर्फ ओरिजिनल कन्नड़ वर्जन से करीब 10 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई शामिल है।

फिल्म के हिंदी डब वर्जन को भी इंडस्ट्री की उम्मीद से बेहतर रिस्पॉन्स मिल रहा है। रविवार सुबह 8 बजे तक हिंदी वर्जन ने सिर्फ पहले दिन की एडवांस बुकिंग से 8 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई कर ली थी।

इन बड़ी फिल्मों को छोड़ा पीछे

फिल्म ने एडवांस बुकिंग की रफ्तार में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें ये फिल्में शामिल हैं-

शाहरुख खान की 'जवान' (1.5 लाख टिकट)

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' (1.3 लाख टिकट)

रणबीर कपूर की 'एनिमल' (55 हजार टिकट)

सिर्फ 'टॉक्सिक' के हिंदी वर्जन की बात करें तो इसने पहले 24 घंटे में 60 हजार टिकट बेच दिए। यानी हिंदी वर्जन ने भी 'एनिमल' की एडवांस बुकिंग को पीछे छोड़ दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश का एक्शन अंदाज दर्शकों को देखने को मिलेगा।

निक जोनस की इस बात पर आया प्रियंका चोपड़ा का दिल? बताई रिश्ते के मजबूत होने के वजह

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी अदाकारी के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अपने पति निक जोनस के साथ अक्सर शानदार तस्वीरें शेयर करती हैं। दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि अगर निक ने भारतीय संस्कृति की कद्र नहीं की होती तो वह उनसे प्यार नहीं करतीं।

निक से क्यों बेहतर हुआ प्रियंका का रिश्ता?

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में निक जोनस के साथ अपनी सांस्कृतिक समझ के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि जब दो लोग अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं, तो एक-दूसरे की जड़ों का सम्मान करना जरूरी होता है। अभिनेत्री ने माना कि भारतीय संस्कृति को अपनाने उनके रिश्ते के लिए अच्छा रहा है। अभिनेत्री ने रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में दयालुता के महत्व पर भी जोर दिया।

संस्कृति पर क्या बोलीं प्रियंका?

प्रियंका ने कहा 'मुझे नहीं पता कि अगर वह ऐसा नहीं करते तो क्या मैं उनसे प्यार करती। किसी भी दो संस्कृति वाली कहानी या रिश्ते में यह एक बड़ी बात होती है। मुझे लगता है कि अपने पार्टनर की जड़ों का सम्मान करना बहुत जरूरी है।' प्रियंका और निक अक्सर एक-दूसरे के सबसे बड़े सपोर्टर होने के साथ-साथ उन परंपराओं और कल्चर को अपनाने के बारे में बात करते रहे हैं।

'साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर में पहुंचीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में 'साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर के लिए न्यूयॉर्क में थीं, जो एक डॉक्यूमेंट्री है। इसके लिए उन्होंने एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम किया है। यह फिल्म के. महानंदिया और लोटा वॉन शेडविन की असल जिंदगी की प्रेम कहानी पर आधारित है, जिन्होंने साथ रहने के लिए दशकों पहले कई देशों की यात्रा की थी।

प्रियंका एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 2027 में संक्रांति के दौरान रिलीज होगी। इससे प्रियंका तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करेंगी।

प्रियंका प्राइम वीडियो सीरीज 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन में नादिया सिन्ह के रोल में भी वापसी कर रही हैं। इसके अलावा, वह साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में रसेल क्रो के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

क्या तापसी पन्नू ने दिया कंगना रनौत को जवाब? रहस्यमयी पोस्ट के जरिए दी ऐसी प्रतिक्रिया

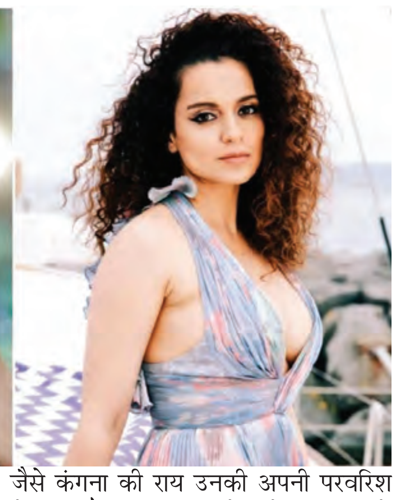

अभिनेत्री कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच लंबे समय से जुबानी जंग चल रही है। उनकी तीखी बहस अक्सर सुर्खियों में रही है। हाल ही में तापसी पन्नू से पूछा गया कि क्या उन्होंने झगड़ा खत्म कर दिया है, जिस पर उन्होंने परवरिश के बारे में बात की। इस पर कंगना के प्रतिक्रिया देने के बाद विवाद फिर से शुरू हो गया। अब तापसी पन्नू ने फिर से शुरू हुए झगड़े के बीच रहस्यमयी पोस्ट के जरिए प्रतिक्रिया दी है।

तापसी पन्नू ने क्या प्रतिक्रिया दी?

कंगना रनौत की हालिया टिप्पणी पर सीधे तौर पर कुछ न कहते हुए, तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया। इसमें बस इतना लिखा था, 'साबित हो गया।'

इसके साथ, ऐसा लगता है कि तापसी अपने हालिया बयान पर कायम हैं। उन्होंने कहा था कि कंगना के बारे में उनकी राय उनकी परवरिश को दिखाती है, ठीक वैसे ही जैसे कंगना की राय उनकी अपनी परवरिश से बनी है। 'थप्पड़' एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह देखने और तय करने के लिए काफी है कि कौन कहां से आया है।'

क्या बोली थीं कंगना?

अब डिलीट हो चुकी पोस्ट में कंगना ने लिखा था...

एक 'सस्ती कॉपी' अपनी आने वाली बी-ग्रेड फिल्म के साथ घूम रही है।

मगर हमेशा की तरह मीडिया के लिए मुख्य मुद्दा कंगना रनौत ही हैं।

आज उसने मेरी परवरिश/माता-पिता का बेशर्मी से मजाक उड़ाकर सारी हदें पार कर दीं।सभी माता-पिता अपनी तरफ से पूरी कोशिश करते हैं। मैं कभी किसी बहस में माता-पिता को नहीं घसीटती।

आज मैं भी उसके माता-पिता से पूछना चाहती हूं कि वे मेरे माता-पिता की तरह किसी असली इंसान को जन्म क्यों नहीं दे पाए?'

'हैवान' अभिनेत्री सैयामी खेर ने सुनाया '8 एएम मेट्रो' का किस्सा

'1000 करोड़ी फिल्म का मतलब यह नहीं कि...',

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म 'हैवान' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी फिल्म 'घूमर' और '8 एएम मेट्रो' के परफॉर्मेंस को लेकर बात की है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि किसी कलाकार की काबिलियत को हमेशा फिल्म की कमाई से नहीं मापा जा सकता।

सम्मान को लेकर क्या बोलीं सैयामी खेर?

अभिनेत्री ने कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन यह नहीं दिखाता कि किसी कलाकार को दर्शकों से कितना सम्मान मिलता है। अभिनेत्री का कहना है कि 1000 करोड़ रुपये की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती।

उन्होंने कहा कि मैं '8 एएम मेट्रो' जैसी फिल्म करके संतुष्ट हूं। यह यूट्यूब पर बड़ी हिट हुई और बाद में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसे खरीद लिया।

जब तक वह यूट्यूब पर बड़ी हिट नहीं हुई, तब तक कोई उसे खरीद नहीं रहा था।

मुझे लगता है कि '8 एएम मेट्रो' से मुझे जो सम्मान मिला है, वह मुझे किसी और फिल्म से नहीं मिला।

बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी को लेकर क्या बोलीं अभिनेत्री?

कलाकार के भविष्य के मौकों को बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस से जोड़ने की आदत के बारे में सैयामी ने कहा...

'मुझे लगता है कि बॉलीवुड में बॉक्स ऑफिस के बारे में बहुत बात होती है।

आपकी अगली फिल्म इस बात पर निर्भर करती है कि उसने कितना पैसा कमाया है, जो दुखद है।

यह काबिलियत पर कम और इस बात पर ज्यादा निर्भर करता है कि आपकी फिल्म कितना पैसा कमाती है।

हालांकि यह एक कारोबार है। अगर आपकी फिल्म फायदेमंद नहीं है, तो निर्माता फिल्म कैसे बनाएंगे?

इसलिए मैं बॉक्स ऑफिस की सफलता का महत्व समझती हूं।

खेर ने की मेकर्स के तारीफ

खेर ने उन फिल्ममेकर्स से मिले सम्मान के बारे में भी बात की जिन्होंने मार्केट के दबाव के बावजूद उनके साथ काम करने का फैसला किया। उन्होंने कहा ''घूमर' को कोई भी बड़ा स्टार मिल सकता था, लेकिन आर. बाल्की सर ने कहा 'तुम इस स्क्रिप्ट के लिए सबसे सही इंसान हो। अगर मैं किसी और को लेता हूं तो स्क्रिप्ट के साथ नाइंसाफी होगी।' जब बड़े मेकर्स कुछ प्रोजेक्ट्स में मेरा साथ देते हैं और कहते हैं कि हम इस प्रोजेक्ट में तुम्हारे अलावा किसी और को नहीं देखते, तो मुझे एक तरह का सम्मान महसूस होता है।'

सैयामी खेर का वर्कफ्रंट

अगर काम की बात करें तो सैयामी खेर अगली बार प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगी। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान भी हैं। यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पीएचडी करने के लिए सालाना 1 करोड़ स्टाइपेंड, पढ़ाई के साथ भारतीय स्टूडेंट्स को मालामाल कर रहे हैं ये देश

अगर आप अपनी डिग्री पूरी कर चुके हैं और आपकी दिलचस्पी रिसर्च में है, तो फिर पीएचडी करना आपके लिए सबसे बढ़िया हो सकता है। डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी यानी पीएचडी को पूरा होने में 4 से 12 साल तक का समय लग सकता है। लेकिन पीएचडी करते वक्त सबसे ज्यादा टेंशन इस दौरान होने वाले खर्चों को लेकर होती है। अच्छी बात ये है कि पीएचडी के साथ-साथ स्टाइपेंड भी दिया जाता है, ताकि स्टूडेंट अपना खर्चा आसानी से उठा सके।

पीएचडी स्टूडेंट के रूप में रिसर्च करते वक्त कहीं सैलरी मिलती है, तो कहीं स्टाइपेंड। स्टूडेंट को क्लास लेने, लैब का काम संभालने या मरीजों की देखभाल करने जैसे कामों के लिए स्कूलों और यूनिवर्सिटीज द्वारा काम पर रखा जाता है। ऐसे में आइए आज उन टॉप-5 देशों के बारे में जानते हैं, जहां पीएचडी करने पर सबसे ज्यादा स्टाइपेंड दी जाती है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि ये भी जानते हैं कि यहां कि कौन सी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया जा सकता है।

स्वीडन

स्टडी इंटरनेशनल के मुताबिक, इस लिस्ट में पांचवें पायदान पर स्वीडन का नाम आता है। यहां पर औसत पीएचडी स्टाइपेंड 42,618 डॉलर (लगभग 40.80 लाख) है, जबकि स्वीडन में रहने का खर्च 2,264 डॉलर (लगभग 2.16 लाख प्रति माह) है। स्वीडन को इसके इनोवेशन के लिए जाना जाता है। ब्लीकिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चाल्मर्स यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, डलारना यूनिवर्सिटी, हाल्मस्टैड यूनिवर्सिटी और जोंकोपिंग यूनिवर्सिटी यहां पढ़ने के लिए बेस्ट हैं।

डेनमार्क

यूरोपीय देश डेनमार्क भी पीएचडी के लिए अच्छा माना जाता है। यहां पर औसत पीएचडी स्टाइपेंड 53,436 डॉलर (लगभग 51.14 लाख) है। देश का सोशल वेलफेयर सिस्टम ऐसा है, जिससे स्टाइपेंड के जरिए आराम से सभी खर्चे कवर हो जाते हैं। कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क, आरहूस यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न डेनमार्क और आलबर्ग यूनिवर्सिटी में पीएचडी की जा सकती है।

फिनलैंड

फिनलैंड अपने हाई-क्वालिटी एजुकेशन सिस्टम के लिए जाना जाता है, जो शुरुआती वर्षों से लेकर डॉक्टोरल लेवल तक फैली हुई है। यह दुनिया का सबसे खुशहाल देश भी है। यहां मिलने वाली औसत पीएचडी स्टाइपेंड की बात करें तो वह 46,537 डॉलर (लगभग 44.54 लाख) है। हेलसिंकी यूनिवर्सिटी, आल्टो यूनिवर्सिटी, ओउलू यूनिवर्सिटी, टेम्पेरे यूनिवर्सिटी और टुर्कू यूनिवर्सिटी पीएचडी के लिए बेस्ट है।

नीदरलैंड

अगर आप नीदरलैंड में पीएचडी करना चाहते हैं, तो आपको 74,163 डॉलर (लगभग 70.99 लाख) तक की स्टाइपेंड मिल सकती है। यहां पर रहने का खर्च भी कम है, जिससे स्टाइपेंड से ही पैसे भी बचाए जा सकते हैं। नीदरलैंड को रिसर्च पब्लिशिंग वाले देशों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर रखा गया है। एम्स्टर्डम यूनिवर्सिटी, लीडेन यूनिवर्सिटी, ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी, डेल्फ्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और इरास्मस यूनिवर्सिटी रॉटरडैम यहां पीएचडी के लिए अच्छे संस्थान हैं।

ऑस्ट्रिया

ऑस्ट्रिया में पीएचडी के लिए सबसे ज्यादा स्टाइपेंड दिया जाता है। अगर यहां मिलने वाली स्टाइपेंड की बात करें तो वह 1,04,328 डॉलर (लगभग 1 करोड़) है, जबकि यहां रहने का औसत खर्च 1,955.43 डॉलर (लगभग 1.87 लाख प्रति माह) तक है। वियना यूनिवर्सिटी, वियना यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, इंसब्रुक यूनिवर्सिटी, मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ ग्राज और साल्जबर्ग यूनिवर्सिटी में पीएचडी एडमिशन लिया जा सकता है।

अमेरिका का वीजा बुलेटिन जारी भारतीय वर्कर्स को कब तक मिलेगा ग्रीन कार्ड?

अगर आप अमेरिका में H-1B वीजा पर काम करने वाले भारतीय प्रोफेशनल हैं और ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं, तो फिर वीजा बुलेटिन एक ऐसा डॉक्यूमेंट है, जिसे आपको हर महीने चेक करना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सितंबर 2026 के लिए वीजा बुलेटिन जारी कर दिया है। इसमें ये बताया गया है कि किस एंप्लॉयमेंट कैटेगरी में आने वाले भारतीय वर्कर्स के लिए ग्रीन कार्ड का वेटिंग टाइम कितना है।

वैसे तो सितंबर वीजा बुलेटिन में कुछ परिवारों के लिए राहत भरी खबर है, जिनके परिजनों को जल्दी ग्रीन कार्ड मिल सकता है। मगर एंप्लॉयमेंट वाली कैटेगरी के भारतीय वर्कर्स के लिए ग्रीन कार्ड का इंतजार कम नहीं हुआ है। है।

वीजा बुलेटिन क्या है?

अमेरिकी विदेश मंत्रालय हर महीने वीजा बुलेटिन जारी करता है। आप इसे ग्रीन कार्ड के लिए एक कतार मान सकते हैं।

सरकार की तरफ से हर साल एक सीमित संख्या में ही ग्रीन कार्ड जारी किए जाते हैं। जैसे एंप्लॉयमेंट कैटेगरी के लिए 1,40,000 और फैमिली कैटेगरी के लिए 2,26,000 ग्रीन कार्ड। किसी भी एक देश को एक साल में जारी किए गए कुल ग्रीन कार्ड का 7% से ज्यादा हिस्सा नहीं मिल सकता। भारत के लिए यह 7% वाला नियम ही असली समस्या है, जिसकी वजह से वेटिंग टाइम बढ़ जाता है।

भारतीय नागरिक रोजगार-आधारित यानी एंप्लॉयमेंट बेस्ड ग्रीन कार्ड के लिए बहुत बड़ी संख्या में अप्लाई करते हैं। खासकर EB-2 (एडवांस्ड डिग्री वाले प्रोफेशनल) और EB-3 (स्किल वर्कर) कैटेगरी में, लेकिन उन पर भी वही 7% की लिमिट लागू होती है। इसका नतीजा ये होता है कि इन कैटेगरी में आवेदनों का बैकलॉग एक दशक से भी ज्यादा पुराना हो जाता है।

वीजा बुलेटिन को कैसे समझें?

वीजा बुलेटिन ग्रीन कार्ड के लिए लगी लाइन को 'प्राइऑरिटी डेट' के जरिए ट्रैक करता है। असल में 'प्राइऑरिटी डेट' लाइन में आपकी जगह होती है, जो उस तारीख पर आधारित होती है, जब आपके एंप्लॉयर या कहें कंपनी ने पहली बार आपकी तरफ से लेबर सर्टिफिकेशन या पिटीशन फाइल की थी।

हर महीने वीजा बुलेटिन हर कैटेगरी और देश के लिए एक 'कट-ऑफ डेट' बताता है। अगर आपकी प्रायोरिटी डेट कट-ऑफ डेट से पहले की है, तो आप अपने ग्रीन कार्ड एप्लिकेशन के साथ आगे बढ़ सकते हैं। अगर ऐसा नहीं है, तो आपको इंतजार करना होगा। वीजा बुलेटिन में असल में दो चार्ट पब्लिश किए जाते हैं:

फाइनल एक्शन डेट्सः वह तारीख जो ये तय करती है कि आपका ग्रीन कार्ड असल में कब मंजूर हो सकता है।

डेट्स फॉर फाइलिंगः एक पहले की, ज्यादा सहूलियत वाली तारीख जो कभी-कभी आपको वीजा नंबर मिलने से पहले ही अपने पेपरवर्क (फॉर्म I-485) जमा करने की इजाजत देती है, ताकि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार के दौरान आपको वर्क परमिट (EAD) और ट्रैवल डॉक्यूमेंट (एडवांस पैरोल) मिल सके।

USCIS हर महीने ये तय करता है कि आवेदक फाइल करने के लिए इन दोनों चार्ट में से किसका इस्तेमाल कर सकते हैं, इसलिए विदेश मंत्रालय के बुलेटिन और USCIS की वेबसाइट, दोनों को एक साथ देखना फायदेमंद रहता है।

सितंबर वीजा बुलेटिन में भारतीयों के लिए क्या अपडेट है?

सितंबर, अमेरिकी सरकार के वित्त वर्ष 2026 (फेडरल वित्त वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है) का आखिरी महीना है और यह समय बहुत मायने रखता है। वित्त वर्ष के आखिर में विदेश मंत्रालय बचे हुए ग्रीन कार्ड नंबर जारी करने को लेकर बहुत सावधानी बरतता है, क्योंकि वह कानूनी तौर पर सालाना लिमिट से ज्यादा ग्रीन कार्ड नहीं दे सकता। पिछले कुछ महीनों से ठीक यही स्थिति बनी हुई है। आइए अब भारतीय वर्कर्स के लिए मुख्य अपडेट जान लेते हैं।

EB-2 कैटेगरीः इस कैटेगरी में एडवांस्ड डिग्री वाले प्रोफेशनल, जिनमें ज्यादातर मास्टर डिग्री वाले H-1B होल्डर शामिल हैं। ये कैटेगरी 2026 के बीच से ही 'अनअवेलेबल' (उपलब्ध नहीं) बताया गया है। इसका मतलब है कि उस साल के लिए भारत का EB-2 वीजा का पूरा कोटा पहले ही खत्म हो गया था और वित्त वर्ष 2026 के बाकी समय के लिए भारत के और EB-2 ग्रीन कार्ड मंजूर नहीं किए जा सके। ये रोक सितंबर तक जारी रहेगी।

EB-1 कैटेगरीः इस कैटेगरी को असाधारण काबिलियत वाले लोग, बेहतरीन रिसर्चर, मल्टीनेशनल कंपनियों के एग्जीक्यूटिव के लिए बनाया गया है। EB-1 आमतौर पर सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली कैटेगरी है। उसमें भी पीछे की ओर बदलाव (रेट्रोग्रेशन) देखा जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने साफ चेतावनी दी है कि अगर मांग बढ़ती रही, तो यह कैटेगरी भी 'अनअवेलेबल हो सकती है।

EB-3 कैटेगरीः इस कैटेगरी में स्किल्ड वर्कर और प्रोफेशनल आते हैं। इसमें हाल के बुलेटिन में बहुत मामूली, एक बार में सिर्फ एक महीने की ही आगे की प्रगति देखी गई है, जो वेटिंग लिस्ट को काफी हद तक कम करने के लिए बिल्कुल भी काफी नहीं है।

कुल मिलाकर रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले ज्यादातर भारतीयों के लिए, सितंबर 2026 में तारीखें आगे बढ़ने के बजाय असल में रुक गई हैं। बुलेटिन में बार-बार चेतावनी दी गई है कि फाइनेंशियल ईयर खत्म होने से पहले और भी पीछे की ओर बदलाव (कट-ऑफ तारीखों का पीछे जाना) हो सकता है। इसका सीधा सा मतलब ये है कि भारतीयों के लिए ग्रीन कार्ड का वेटिंग टाइम अभी बरकरार ही रहने वाला है।

रेलवे में अप्रेंटिस भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी कब से और कौन कर सकता है आवेदन?

पूर्वी तट रेलवे ने अप्रेंटिस के 1,599 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। यह भर्ती अप्रेंटिसशिप अधिनियम, 1961 के तहत होगी। भर्ती प्रक्रिया की जिम्मेदारी रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, भुवनेश्वर को दी गई है।

इच्छुक उम्मीदवार 26 अगस्त से 15 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन पदों पर चयन रेलवे के अलग-अलग डिवीजन, वर्कशॉप और मुख्यालय में विभिन्न ट्रेडों के लिए किया जाएगा।

पदों की संख्या कुल पद 1,599

आवेदन के लिए क्या होनी चाहिए योग्यता?

शैक्षिक योग्यताः उम्मीदवार ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं कक्षा कम से कम 50% अंकों के साथ पास की हो।

तकनीकी योग्यताः संबंधित ट्रेड में आईटीआई प्रमाणपत्र होना जरूरी है। आईटीआई प्रमाणपत्र NCVT से मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आयु सीमाः आयु सीमा में छूट की बात करें तो एससी/एसटी वर्ग के उम्मीदवारों को 5 साल, ओबीसी को 3 साल और पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों को 10 साल की छूट मिलेगी। वहीं, पूर्व सैनिकों को रक्षा बलों में की गई सेवा के आधार पर 10 साल से अधिक सेवा अवधि के साथ 3 साल की अतिरिक्त छूट दी जाएगी।

उपलब्ध ट्रेडः फिटर, वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, बढ़ई, पेंटर, डीजल मैकेनिक, स्टेनोग्राफर, ब्लैकस्मिथ, ड्रिलर, ब्रिज इरेक्टर, शीट मेटल वर्कर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, वायरमैन, रेफ्रिजरेशन और एसी मैकेनिक, प्लंबर, सिविल ड्राफ्ट्समैन, मोटर वाहन मैकेनिक, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, लैब टेक्नीशियन, सारंग, ग्राइंडर, मेसन और मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन आदि।

कितना लगेगा आवेदन शुल्क?

आवेदन शुल्क की बात करें तो एससी, एसटी, दिव्यांग और महिला उम्मीदवारों के लिए कोई शुल्क नहीं है। वहीं, अन्य सभी उम्मीदवारों को 100 आवेदन शुल्क देना होगा। शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए किया जा सकता है।

जरूरी दस्तावेज

उम्मीदवारों को आवेदन करते समय इन दस्तावेजों की स्कैन की हुई कॉपी अपलोड करनी होगीः

10वीं की मार्कशीट और पास सर्टिफिकेट

जन्मतिथि का प्रमाण, अगर 10वीं के प्रमाणपत्र में जन्मतिथि नहीं है। संबंधित ट्रेड की ITI की सभी सेमेस्टर की मार्कशीट। एनसीवीटी/एससीवीटी का ट्रेड सर्टिफिकेट या प्रोविजनल सर्टिफिकेट।एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग का जाति प्रमाणपत्र। ईडब्ल्यूएस वर्ग का आय और संपत्ति प्रमाणपत्र। PwBD उम्मीदवारों का दिव्यांगता प्रमाणपत्र। पूर्व सैनिकों का डिस्चार्ज या सर्विस सर्टिफिकेट

जहां लागू हो, फीस में छूट से संबंधित प्रमाणपत्र

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले RRC भुवनेश्वर की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर ECoR Apprentice Recruitment 2026-27 से संबंधित लिंक पर क्लिक करें। भर्ती का नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें और अपनी पात्रता जांचें। अब ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें। मांगी गई सभी जानकारी जैसे नाम, जन्मतिथि, शैक्षिक योग्यता और ट्रेड दर्ज करें। जरूरी दस्तावेज और फोटो-हस्ताक्षर अपलोड करें। अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क जमा करें। आवेदन फॉर्म को एक बार अच्छी तरह जांचकर सबमिट करें।

यूएस-यूके नहीं, डिग्री लेने के लिए भारतीयों को पसंद आ रहा दुबई, यहां किस तरह होता है एडमिशन

संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर का जब आप नाम सुनते हैं, तो तुरंत मन में ऊंची-ऊंची इमारतों का ख्याल आने लगता है। लेकिन दुबई ऊंची-ऊंची इमारतों और जॉब के लिए एक बढ़िया डेस्टिनेशन होने के अलावा भी बहुत कुछ है। दुबई आज हायर एजुकेशन के लिए एक पॉपुलर डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। यहां पर ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों की टॉप यूनिवर्सिटीज किफायती दाम में डिग्री दे रही हैं।

भारतीय स्टूडेंट्स भी ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा जैसे देशों में पढ़ने जाने की जगह अब दुबई में डिग्री लेना पसंद कर रहे हैं। इसके पीछे की एक प्रमुख वजह दुबई की भारत से नजदीकी है, जिससे यहां आना-जाना आसान हो जाता है। अब यहां सबसे बड़ा सवाल ये उठता है कि अगर किसी को दुबई में एडमिशन लेना है, तो वह ऐसा कैसे कर सकता है। नवभारतटाइम्स डॉट कॉम से बातचीत में दुबई में पढ़ाई कर रहे 2 भारतीय स्टूडेंट्स ने इस बारे में बताया है।

दुबई में किस तरह एडमिशन होता है?

जनक नंदवानी यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, दुबई में पढ़ाई कर रहे हैं। उनसे सवाल किया गया कि दुबई की यूनिवर्सिटी में अप्लाई करने वाले भारतीय स्टूडेंट के लिए एडमिशन और स्टूडेंट वीजा का असल प्रोसेस कैसा होता है? किन डॉक्यूमेंट्स की जरूरत पड़ती है और क्या कोई ऐसी अप्रत्याशित बात का सामना करना पड़ा जिसके लिए दूसरे स्टूडेंट्स को तैयार रहना चाहिए?

भारतीय स्टूडेंट ने कहा, 'मेरा एडमिशन प्रोसेस काफी आसान था। मैंने 12वीं क्लास के रिजल्ट आने से ठीक पहले अप्लाई किया था और शुरू में मुझे एक कंडीशनल ऑफर मिला, जिसमें शर्त थी कि मुझे मैथ्स में 85% मार्क्स लाने होंगे। जब मेरे फाइनल रिजल्ट आए और मैंने जरूरी शर्तें पूरी कर लीं, तो कुछ दिनों बाद मुझे अनकंडीशनल ऑफर मिल गया। 12वीं क्लास के ग्रेड्स के आधार पर मुझे 30% स्कॉलरशिप भी मिली, जिससे टोटल खर्च को संभालना आसान हो गया।'

कुछ ऐसा ही एक्सपीरियंस यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम में बीएससी साइकोलॉजी की पढ़ाई कर रही अर्चीशा मंडल का भी रहा। उन्होंने कहा, 'चीजों को आसान बनाने के लिए आप किसी ऐसी एजेंसी के जरिए अप्लाई कर सकते हैं जो सीधे यूनिवर्सिटी के साथ काम करती है, लेकिन खुद से अप्लाई करना भी पूरी तरह ठीक है। यूनिवर्सिटी वीजा के मामले में भी आपकी मदद करती है।'

यहां पर वीजा मिलने में समय काफी लग जाता है। उन्होंने कहा, 'एक बात जिसने मुझे हैरान कर दिया, वह थी स्टूडेंट वीजा की प्रोसेसिंग में लगने वाला समय। मैंने इसके लिए काफी समय नहीं रखा था, इसलिए मेरा वीजा देर से आया और मेरी यात्रा की टाइमलाइन थोड़ी गड़बड़ा गई। अगर मैं भारत से अप्लाई करने वाले किसी शख्स को कोई सलाह दे सकूं, तो वह यही होगी कि अपने वीजा के कागजात जितनी जल्दी हो सके जमा कर दें। आप निश्चित रूप से नहीं चाहेंगे कि उड़ान भरने से ठीक पहले आपको इस बात की चिंता हो।'

दुबई में पढ़ने के फायदे क्या हैं?

भारतीय छात्र ने दुबई में पढ़ने के फायदे भी बताए हैं। उनके मुताबिक यहां डिग्री लेने का एक बड़ा फायदा ये है कि भारत आना काफी आसान रहता है। स्टूडेंट्स छुट्टियों में भी आराम से दुबई से भारत आ सकते हैं, जो अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों से मुमकिन नहीं होता है। जनक ने बताया कि यहां रहने का खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी लाइफस्टाइल कैसी है।

'मुझे अमेरिका और ब्रिटेन की कुछ यूनिवर्सिटीज में एडमिशन मिल गया था। ब्रिटेन और अमेरिका की तुलना में दुबई में ट्यूशन फीस लगभग वैसी ही थी, लेकिन हमारे लिए फैसला लेने में सबसे अहम भूमिका यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, दुबई में 40% स्कॉलरशिप मिलने ने निभाई। इससे हमारे काफी ज्यादा पैसे बच गए।'

उन्होंने आगे कहा, 'इसके अलावा, रहने के खर्च में भी बड़ा अंतर रहा। अमेरिका में रहने की जगह ढूंढना काफी महंगा और मुश्किल है, जबकि दुबई में (जैसे एकेडमिक सिटी में केएसके होम्स या मायेरियाड जैसे छात्र आवासों में) रहना बहुत आसान और कम तनावपूर्ण है, जहां बजट के हिसाब से कई विकल्प मिल जाते हैं। रोजमर्रा के खर्चों की बात करें तो, अगर आप थोड़ा संभाल कर खर्च करें तो दुबई काफी किफायती पड़ सकता है।'

कनाडा में भारतीयों की जॉब के लिए खुले नए रास्ते, नए वर्कर्स के लिए सरकार ने बदला नियम

कनाडा में भारतीय वर्कर्स के लिए जॉब के नए रास्ते खुलने वाले हैं, क्योंकि यहां की सरकार ने एक नियम में बदलाव कर दिया है। कनाडा की सरकार ने फेडरल नियमों में बदलाव किया है, जिसके बाद अब छोटे ऑफिस वाली कंपनियां भी कम सैलरी वाले टेंपरेरी वर्कर्स (लो वेज टेंपरेरी फॉरेन वर्कर्स) की ज्यादा संख्या में हायरिंग कर पाएंगी। इसका सीधा मतलब है कि अब कनाडा में जॉब के लिए ज्यादा रास्ते खुल चुके हैं।

एम्प्लॉयमेंट एंड सोशल डेवलपमेंट कनाडा (ESDC) ने 18 अगस्त को अपने प्रोग्राम के नियमों में बदलाव किया है। इससे किसी वर्कप्लेस में 10 से कम कर्मचारियों वाली कंपनियों को क्षेत्र के आधार पर एक या दो कम सैलरी वाले विदेशी वर्कर्स को काम पर रखने की इजाजत मिल गई है। इस तरह कुछ कंपनियों को कम सैलरी वाले विदेशी वर्कर्स पर लगने वाली सामान्य 10% या 20% से ज्यादा की छूट मिल जाती है।

नया नियम किस तरह काम करेगा?

नए नियम के तहत, अब 10 से कम वर्कर्स वाली कंपनी कम सैलरी वाले अधिकतम एक विदेशी वर्कर को जॉब दे सकती है।

हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन जैसे डिमांड वाले सेक्टर्स में कंपनियों को अधिकतम 2 विदेशी वर्कर हायर करने की इजाजत दी गई है।

पहले कंपनी अपनी टोटल वर्कफोर्स का 10% ही कम सैलरी वाले वर्कर्स की हायरिंग कर सकती थी।

हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन और फूड प्रोडक्शन जैसे सेक्टर्स की कंपनियों को टोटल वर्कफोर्स का सिर्फ 20% ही कम सैलरी पर हायर करने की इजाजत थी।

कम सैलरी वालों के लिए नियम

नियमों के मुताबिक, विदेशी वर्कर के लिए कम सैलरी वाली जॉब उसे माना जाता है, जब उसे फेडरल सरकार के जॉब बैंक में लिस्ट क्षेत्रीय औसत सैलरी के 120% से कम मिल रहा होगा। जो जॉब्स इस सैलरी लिमिट को पूरा करती हैं या इससे अधिक हैं, उन्हें उच्च वेतन वाले वर्ग यानी हाई-वेज स्ट्रीम के जरिए भरा जा सकता है। उनके लिए वर्कफोर्स का कोई कैलकुलेशन नहीं होता है। कम सैलरी वाली कैटेगरी के तहत काम पर रखने वाली कंपनियों को कुछ अन्य शर्तों को भी पूरा करना होगा, जैसेः वर्कर के कनाडा आने-जाने का खर्च उठाना, रहने की व्यवस्था करना, जिसकी लागत वर्कर की टैक्स वाली इनकम के 30% से कम हो और जहां प्रांतीय या क्षेत्रीय हेल्थकेयर इंश्योरेंस उपलब्ध न हो वहां प्राइवेट इंश्योरेंस खरीदना।

'जॉब मिलने का चांस देखकर ही पढ़ने जाएं', विदेश डिग्री लेने जा रहे भारतीयों को सलाह

विदेश में पढ़ने का फैसला जितना अकेडमिक रूप से अहम होता है, उतना ही फाइनेंशियल तरीके से भी महत्वपूर्ण होता है। विदेश में डिग्री लेने पर वर्ल्ड-क्लास एजुकेशन, ग्लोबल एक्सपोजर और करियर के बेहतरीन मौके मिलते हैं, लेकिन पढ़ाई पर किए जा रहे निवेश का पूरा लाभ या कहें 'रिटर्न ऑन इंवेस्टमेंट' पाने के लिए सही प्लानिंग बनाना बेहद जरूरी है। अगर ROI गड़बड़ा जाता है, तो फिर विदेश में पढ़ने का पूरा फायदा नहीं मिलता। सिर्फ कॉलेज के नाम या प्रतिष्ठा को देखकर विदेश पढ़ने का फैसला करने के बजाय छात्रों को कई अन्य फैक्टर्स पर भी ध्यान देना चाहिए। करियर के अवसर, टोटल खर्च, पढ़ाई की क्वालिटी, रहने-सहने का माहौल और आगे की पढ़ाई के रास्ते, ये सभी चीजें यह तय करती हैं कि विदेश में डिग्री लेने का आपको कितना फायदा मिलेगा। IDP एजुकेशन ने विदेश में पढ़ाई का फैसला करने से पहले 5 अहम बातों पर ध्यान देने की सलाह दी है। आइए इस बारे में जान लेते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद करियर के मौके

विदेश में पढ़ने के लिए किसी भी देश को चुनने से पहले सबसे पहले ये देखें कि वहां पढ़ाई के बाद जॉब के कितने मौके मौजूद हैं। स्टूडेंट्स को चेक करना चाहिए कि क्या किसी देश से पढ़ने पर वहां जॉब मिलेगी भी या नहीं।

पढ़ाई पर होने वाला टोटल खर्च

विदेश में पढ़ने का खर्च ट्यूशन फीस से कहीं ज्यादा है। स्टूडेंट्स को ये भी देखना चाहिए कि उनके रहने-खाने, हेल्थ इंश्योरेंस और अन्य खर्चों जैसे किताब, निजी खर्च आदि के लिए कितना पैसा चाहिए। रहने-खाने का खर्च हर शहर और लोकेशन के हिसाब से अलग-अलग हो सकता है।

पढ़ाई की क्वालिटी और भविष्य के लिए तैयारी

विदेश में डिग्री लेने की असली वैल्यू इस बात पर निर्भर करती है कि वहां पढ़ाई किस तरह करवाई जा रही है और कोर्स के बाद स्टूडेंट जॉब या आने वाले भविष्य के लिए कितना तैयार होगा। ऐसे कोर्स चुनें जिनमें, किताबी ज्ञान के साथ-साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, रिसर्च और इंडस्ट्री की डिमांड के हिसाब से स्किल्स सिखाई जाती हों।

जीवन की क्वालिटी और कम्युनिटी का सपोर्ट

विदेश में पढ़ाई सिर्फ क्लास तक सीमित नहीं होती है। वहां मिलने वाली सुरक्षा, माहौल और स्टूडेंट को मिलने वाली सहायता या सपोर्ट और भारतीय स्टूडेंट्स के लिए कम्युनिटी या कहें समुदाय कैसा है, इन चीजों को देखना भी बहुत जरूरी होता है। अगर माहौल अच्छा और मददगार होगा तो फिर नई जगह में ढलने और पढ़ाई पर ध्यान देने में काफी ज्यादा मदद मिलती है।

आगे की पढ़ाई और तरक्की के मौके

IDP का कहना है कि कई सारे भारतीय स्टूडेंट्स ऐसे होते हैं, जिन्हे ग्रेजुएशन या पोस्ट-ग्रेजुएशन की पढ़ाई के बाद आगे भी पढ़ाई जारी रखने का सपना होता है। इस तरह के स्टूडेंट्स को ऐसे देश और कॉलेज चुनने चाहिए, जो आगे स्पेशलाइजेशन, रिसर्च या पीएचडी के अच्छे मौके देते हों, ताकि लंबे समय तक इसका फायदा मिल सके। अगर इन बातों को ध्यान में रखते हुए पढ़ाई की जाए, तो फिर अच्छा ROI मिल सकता है।

भारत में बरसे डॉलर, आरबीआई की रणनीति सुपरहिट

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने रुपये पर दबाव और विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने के लिए शुरू की गई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की विशेष योजनाओं के जरिए अब तक 72.8 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है। आरबीआई ने शनिवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इसमें सबसे बड़ा योगदान विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए शुरू की गई जमा योजना का रहा है।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 72.8 अरब डॉलर के कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह में एफसीएनआर बी जमा के जरिए 65.39 अरब डॉलर आए हैं। वहीं, अन्य दो योजनाओं के तहत भी विदेशी मुद्रा जुटाई गई है। इनमें एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग के जरिए 2.59 अरब डॉलर और ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग के जरिए 4.86 अरब डॉलर आए हैं।खास बात यह है कि पिछले एक सप्ताह में ही बैंकों ने योजना के तहत करीब 13 अरब डॉलर जुटाए हैं।

विदेशी मुद्रा के मजबूत प्रवाह को देखते हुए आरबीआई ने पिछले सप्ताह एफसीएनआर बी योजना के तहत विशेष प्रोत्साहन वाले डिपॉजिट स्वीकार करने की समयसीमा को एक महीने पहले ही खत्म करने का फैसला किया। अब बैंक 31 अगस्त 2026 तक इन जमाओं को स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि, ECB और OFCB से जुड़ी स्वैप योजना पहले तय कार्यक्रम के मुताबिक 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी। आरबीआई ने इस सुविधा को 8 जून 2026 से लागू किया था। इसका उद्देश्य देश में डॉलर का प्रवाह बढ़ाना और विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करना था। इस व्यवस्था के तहत बैंक पात्र विदेशी मुद्रा उधारी को आरबीआई के साथ रियायती दरों पर स्वैप कर सकते हैं। इससे बैंकों की फंडिंग लागत कम होती है।

इसके अलावा, नई व्यवस्था के तहत बैंक FCNR(B) से मिलने वाले डॉलर को आरबीआई के साथ जीरो-कॉस्ट हेजिंग सुविधा के तहत स्वैप कर सकते हैं। यह सुविधा 11 सितंबर 2026 तक उपलब्ध है। जून में नई विंडो खुलने के तीन महीने से भी कम समय में यह आंकड़ा कई गुना बढ़ गया है। इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को भी काफी मजबूती मिली है। जुलाई से अब तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 50 अरब डॉलर बढ़ चुका है। आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 14 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.905 अरब डॉलर बढ़कर 716.90 अरब डॉलर हो गया। इसके साथ ही देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार सातवें सप्ताह बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, विदेशी मुद्रा भंडार में इतनी बड़ी बढ़ोतरी के बावजूद रुपये को इसका उतना फायदा नहीं मिला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण रुपये पर अब भी दबाव बना हुआ है।

नेस्ले-पेप्सिको समेत कई कंपनियों को 150 नोटिस

भ्रामक विज्ञापन, झूठे दावों के आरोप में कार्रवाई; डोमिनोज के पांच लाइसेंस सस्पेंड

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने नियमों का पालन न करने पर कई प्रमुख फूड ब्रांड्स और रिटेल चेन के खिलाफ हाल के महीनों में करीब 150 नोटिस जारी किए हैं।

भारत की खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था एफएसएसएआई ने ये नोटिस भ्रामक विज्ञापनों, झूठे दावों और लेबल से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने पर दिए हैं। जिन कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनमें नेस्ले इंडिया, पेप्सिको, कोका-कोला इंडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

इसके अलावा अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस ब्रांड्स को भी नोटिस मिले हैं। ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट को 12 नोटिस भेजे हैं। अमेजन के एक वेयरहाउस का लाइसेंस भी रद्द किया गया है। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस संस्थानों को 30 से ज्यादा नोटिस जारी किए हैं। डोमिनोज के पांच लाइसेंस निलंबित किए गए हैं।

नोटिस मिलने के बाद कई कंपनियों ने अपनी गलतियां सुधारने के कदम उठाए हैं। खाद्य सुरक्षा, विज्ञापन और लेबलिंग के नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जांच लगातार जारी है। आने वाले समय में नियम तोड़ने वाली कंपनियों पर कार्रवाई और बढ़ सकती है।

अगर कोई दावा ग्राहक को गुमराह करता है, दूसरे उत्पाद को गलत तरीके से खराब बताता है या जरूरी जानकारी छिपाता है, तो वह भी भ्रामक हो सकता है। ऐसे दावों के पीछे वैज्ञानिक प्रमाण होना जरूरी है। पैकेट पर 'हेल्दी', 'नेचुरल' या '100% शुद्ध' जैसे शब्द देखकर तुरंत भरोसा न करें। पीछे लिखी सामग्री और पोषण की जानकारी भी देखें। अगर कोई कंपनी बीमारी ठीक करने या बहुत बड़े स्वास्थ्य लाभ का दावा करती है, तो उसकी जानकारी जरूर जांचें। उत्पाद खराब या गलत लगे तो उसका बिल, पैकेट की फोटो और दूसरी जानकारी संभालकर रखें।

'क्रिप्टोकरेंसी न खरीदें, इसमें बड़ा खतरा

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी में निवेश को लेकर निवेशकों के बीच लगातार उत्सुकता बनी हुई है। सीईओ राधिका गुप्ता ने भारतीय निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी से दूर रहने की साफ सलाह दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या निवेशकों को धन जुटाने के लिए क्रिप्टो में निवेश करना चाहिए, तो उन्होंने सिर्फ तीन शब्दों में जवाब दिया, 'क्रिप्टो न खरीदें।'

राधिका गुप्ता ने स्पष्ट किया कि उन्हें वैश्विक स्तर पर एक एसेट क्लास के रूप में क्रिप्टो से कोई ऐतराज नहीं है। उनकी मुख्य चिंता भारत में इसके लिए मजबूत नियामक, टैक्स और निवेशकों की सुरक्षा से जुड़े ढांचे का न होना है।

राधिका गुप्ता ने कहा कि भारत में अगर आपके साथ कुछ गलत होता है, तो आपके पास शिकायत या राहत पाने के लिए कोई कानूनी रास्ता ही नहीं है, तो फिर आप निवेश क्यों करेंगे? उन्होंने कहा कि अगर वे अमेरिका के किसी मंच पर यह बात कर रही होतीं, तो उनका जवाब अलग हो सकता था, क्योंकि वहां का रेगुलेटरी माहौल भारत से काफी अलग है।

गुप्ता ने सलाह दी कि निवेशकों को केवल दूसरों की देखा-देखी या मुनाफा कमाते देखकर किसी उत्पाद में पैसा नहीं लगाना चाहिए।

उनके मुताबिक जब तक आप किसी एसेट के जोखिम और बाजार में गिरावट के वक्त होने वाले नुकसान को नहीं समझते, तब तक उसमें निवेश न करें। उन्होंने कहा कि निवेश को बहुत जटिल बनाने की जरूरत नहीं है।

एक संतुलित पोर्टफोलियो 'भारतीय थाली' की तरह होना चाहिए, जिसमें इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसी अलग-अलग चीजें सही अनुपात में शामिल हों।

राधिका गुप्ता ने म्यूचुअल फंड्स को समझाने के लिए फाइनेंशियल फूड कोर्ट का उदाहरण दिया, जहां निवेशक अपनी जोखिम क्षमता और जरूरत के अनुसार अलग-अलग विकल्प चुन सकता है।

इस तरह उनकी निवेश रणनीति का जोर किसी एक तेजी से लोकप्रिय हो रहे एसेट के पीछे भागने के बजाय जोखिम को समझने और पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखने पर है।

राधिका गुप्ता ने यह नहीं कहा कि क्रिप्टो में किया गया हर निवेश नुकसान ही देगा। उनकी चिंता मुख्य रूप से इस बात को लेकर है कि भारत में निवेशकों को क्रिप्टो से जुड़े जोखिमों के साथ-साथ रेगुलेटरी, टैक्स और निवेशक सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को भी समझना चाहिए।

उनकी सीधी सलाह है कि जिस निवेश को आप समझते नहीं हैं, उसमें सिर्फ दूसरों को कमाते देखकर पैसा न लगाएं। खासकर क्रिप्टो जैसे जोखिम वाले एसेट में निवेश करने से पहले उसके नियम, टैक्स, जोखिम और समस्या आने की स्थिति में उपलब्ध विकल्पों को समझना जरूरी है।

अब ईंटें बनेंगी बैटरी, 2,400 डिग्री तापमान पर देंगी बिजली

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। एमआईटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक खोज निकाली है, जिसकी मदद से ईंटें बैटरी की तरह काम करेंगी। यह ईंटे ग्रेफाइट की होंगी जिन्हें 2400 डिग्री सेल्सियस तक तपाया जाएगा और इसके बाद इनसे निकलने वाली रौशनी को टीपीवी सेल्स की मदद से बिजली में बदला जाएगा। ईंट को घर या इमारत बनाने में इस्तेमाल किया जाता है लेकिन शायद ही किसी ने सोचा हो कि ईंट का इस्तेमाल बैटरी की तरह भी हो सकता है, जिससे बिजली मिले। सुनने में भले यह किसी साइंस फिक्शन जैसा लगे लेकिन एमआईटी के इंजीनियरों ने इस अनोखी सोच को हकीकत में बदल दिया है। दरअसल डीप-टेक स्टार्टअप फोर्थ पावर ने ग्रेफाइट की ईंटों को एक शक्तिशाली थर्मल बैटरी में बदल दिया है।

ईंटो को बैटरी बनाने वाली इस तकनीक में 2,400 डिग्री सेल्सियस पर तपाया जाता है, इससे वे सुर्ख-सफेद होकर सूरज की तरह तेज रोशनी छोड़ने लगती हैं। इसके बाद पिघली हुई धातु और और खास सोलर सेल्स के दम पर उस तेज चमक को बिजली में बदल लिया जाता है। अभी तक मौजूद तकनीक में मेटव के पाइपों से गर्म गैस या पिघला हुआ नमक को गुजारा जाता था लेकिन 2,400 डिग्री सेल्सियस जैसा तापमान ये पाइप नहीं सहन कर पाते थे। फोर्थ पावर इस समस्या को सुलझाने के लिए पूरा सिस्टम ही उलट दिया। फोर्थ पावर ने मेटल की जगह ग्रेफाइट के पाइप बनाए और उनमें लिक्विड टिन को दौड़ाया। अब क्योंकि टिन किसी भी तापमान पर कार्बन से कोई रिएक्शन नहीं करता इसलिए पाइपों के पिघलने या खराब होने का खतरा ही खत्म हो गया।

बिकवाली का असरः शीर्ष चार कंपनियों का घटा मार्केट कैप, भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार में गिरावट के बीच पिछले सप्ताह देश की सबसे मूल्यवान 10 कंपनियों में से चार का कुल मार्केट वैल्यूएशन 87,960.29 करोड़ रुपये घट गया। इनमें भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 468.42 अंक यानी 0.60 प्रतिशत गिरा, जबकि एनएसई का निफ्टी 114 अंक यानी 0.46 प्रतिशत नीचे रहा। रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा, "भारतीय शेयर बाजार ने सप्ताह का अंत सतर्क रुख के साथ किया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इससे बाजार में हालिया गिरावट का दौर जारी रहा।" शीर्ष 10 कंपनियों में भारती एयरटेल के मार्केट वैल्यू में सबसे ज्यादा गिरावट आई। उसका मार्केट कैप 28,052.96 करोड़ रुपये घटकर 12,14,963.15 करोड़ रुपये रह गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मार्केट कैप में 22,070.34 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 8,31,436.51 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 20,861.20 करोड़ रुपये घटकर 9,64,968.76 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 16,975.79 करोड़ रुपये घटकर 4,73,912.56 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 12,650 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 5,35,980.31 करोड़ रुपये पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 8,119.53 करोड़ रुपये बढ़कर 17,78,175.59 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, लार्सन एंड टुब्रो का मार्केट कैप 3,487.83 करोड़ रुपये बढ़कर 5,62,460.94 करोड़ रुपये पहुंच गया।

बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 3,424.28 करोड़ रुपये बढ़कर 6,80,621.62 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 752.47 करोड़ रुपये बढ़कर 10,18,330.45 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 356.95 करोड़ रुपये बढ़कर 11,21,159.05 करोड़ रुपये पहुंच गया।

क्या ट्रम्प अपने फैसलों से शेयर-बाजार में करोड़ों कमा रहे?

वाशिंगटन डीसी, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति के एक बयान या फैसले से शेयर बाजार तुरंत ऊपर-नीचे हो जाता है, ऐसे में उनके खातों से करोड़ों की ट्रेडिंग सामने आने के बाद यह सवाल गहरा गया है कि क्या ट्रम्प अपने राष्ट्रपति पद और फैसलों का फायदा शेयर बाजार से पैसा कमाने के लिए उठा रहे हैं?

शनिवार 22 अगस्त को जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प ने जून 2026 में 1,000 से ज्यादा सिक्योरिटीज ट्रेड्स किए हैं। इन सभी ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 78.1 मिलियन डॉलर से 263.1 मिलियन डॉलर यानी करीब 7000 करोड़ से 2,500 करोड़ के बीच रही है। अमेरिकी नियमों के तहत राष्ट्रपति और शीर्ष अधिकारियों को अपने वित्तीय सौदों की सटीक रकम बताने की जरूरत नहीं होती। नियम के मुताबिक ट्रांजैक्शन के लिए एक दायरा तय किया जाता है। इसलिए रिपोर्ट में न्यूनतम और अधिकतम रेंज दी गई है। जून में सबसे बड़ी डील 22 जून को हुई। इस दिन ट्रम्प ने वैनगार्ड ग्रुप के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के 5 मिलियन डॉलर से 25 मिलियन डॉलर यानी करीब 48 करोड़ से 240 करोड़ के शेयर्स बेचे। ट्रम्प के पोर्टफोलियो में ये प्रमुख कंपनियां शामिल रहीं:

बर्कशायर हैथवेः 18 जून को \$1 मिलियन से 5 मिलियन यानी 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 24 जून को कुछ हिस्सा बेचा। मेटाः 18 जून को \$1 मिलियन से 5 मिलियन यानी करीब 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, फिर महीने के अंत में छोटे अमाउंट में शेयर्स खरीदे। प्लांटिरः 3 जून को 1,001 से 15,000 के शेयर खरीदे। 16 और 18 जून को शेयर बेचे, फिर 23 और 24 जून को दोबारा खरीदारी की। अन्य कंपनियांः वीजा, मास्टरकार्ड, सिंटास, कॉइनबेस और होम डिपो।

विदेश जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी

1 सितंबर से एयरपोर्ट पर मुहर का झंझट हो जाएगा खत्म

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। देश के बाहर जाने वाले हवाई यात्रियों को सरकार ने एक बहुत बड़ी राहत दी है। अब विदेशों की यात्रा करने वाले यात्रियों को बोर्डिंग पास पर स्टैम्प (मुहर) लगवाने के झंझट से पूरी तरह मुक्ति मिलने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आव्रजन ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन-बीओआई) ने फैसला किया है कि आगामी 1 सितंबर से देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर बोर्डिंग पास पर मुहर लगाने (फिजिकल स्टैम्पिंग) की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया जाएगा। इस ऐतिहासिक कदम से न केवल एयरपोर्ट पर यात्रियों का कीमती समय बचेगा, बल्कि आव्रजन (इमिग्रेशन) प्रक्रिया भी पहले से कहीं अधिक तेज और सुगम हो जाएगी।

आव्रजन ब्यूरो (बीओआई) ने हवाई अड्डा प्राधिकरणों को भेजे अपने आधिकारिक निर्देश में स्पष्ट किया है कि इमिग्रेशन काउंटर पर बोर्डिंग पास पर मुहर लगाने की यह प्रक्रिया यात्रियों के लिए बड़ी असुविधा का कारण बन रही थी। इसके अलावा, कई बार मुहर ठीक से न लगने (गलत या अधूरी स्टैम्पिंग) की वजह से बोर्डिंग पास को सिस्टम द्वारा री-स्कैन करने में तकनीकी त्रुटियां और गलतियां भी सामने आ रही थीं। इन व्यावहारिक समस्याओं और समय की बर्बादी को देखते हुए गृह मंत्रालय ने इस पारंपरिक और असुविधाजनक प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त करने का निर्णय लिया है।

1 सितंबर से लागू होने वाले नए नियम के अनुसार, विदेश यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को अब अपने स्मार्टफोन पर केवल ई-बोर्डिंग पास दिखाना होगा। इमिग्रेशन क्लियरेंस काउंटर पर तैनात अधिकारी आपके डिजिटल बोर्डिंग पास को सीधे स्कैन कर इमिग्रेशन मंजूरी दे देंगे।

इसके साथ ही, जिन यात्रियों के पास प्रिंटेड या कागज वाले बोर्डिंग पास मौजूद होंगे, वे भी स्वीकार किए जाएंगे। हालांकि, अधिकारियों द्वारा उन फिजिकल बोर्डिंग पासों पर भी कोई स्टैम्प नहीं लगाया जाएगा।

कई यात्रियों को यह उलझन हो सकती है कि क्या सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ द्वारा बोर्डिंग पास पर मुहर लगाई जाएगी। सुरक्षा अधिकारियों ने साफ किया है कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों श्रेणियों के यात्रियों के बोर्डिंग पास पर स्टैम्प लगाने की प्रक्रिया कई साल पहले ही बंद की जा चुकी है। सीआईएसएफ के जवान केवल सुरक्षा जांच के दौरान पहचान सुनिश्चित करने के लिए बोर्डिंग पास देखते हैं, इसलिए यात्रियों को सुरक्षा गेट पर किसी स्टैम्पिंग की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

बोर्डिंग पास पर स्टैम्पिंग बंद करने के बाद सरकार हवाई यात्रा को पूरी तरह डिजिटल और संपर्क-रहित बनाने के लिए एक और बड़ा पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना बना रही है। इसके तहत भारतीय पासपोर्ट धारकों के पासपोर्ट पर लगने वाले आव्रजन प्रवेश और निकासके भौतिक थप्पों (स्टैम्प्स) को भी खत्म किया जाएगा।

गोल्ड लोन बिजनेस में बड़े कारोबारी ग्रुप की एंट्री

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के गोल्ड लोन बाजार में बड़ी कंपनियों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है। टाटा कैपिटल, गोदरेज कैपिटल और आदित्य बिरला कैपिटल जैसे बड़े वित्तीय समूह अब गोल्ड लोन कारोबार को केवल एक छोटे या क्षेत्रीय कारोबार के तौर पर नहीं देख रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में इन कंपनियों के उठाए कदम बताते हैं कि गोल्ड लोन सेक्टर में एक बड़ा रणनीतिक बदलाव हो रहा है।

पिछले कुछ ही हफ्तों में टाटा कैपिटल ने केरल की योगलोन्स कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। वहीं गोदरेज कैपिटल ने कनकादुर्गा फाइनेंस के गोल्ड लोन बिजनेस का अधिग्रहण किया है। इनके अलावा आदित्य बिरला कैपिटल ने 1000 ब्रांचों के साथ नया गोल्ड लोन वर्टिकल बनाने की घोषणा की है।

गोदरेज कैपिटल ने कनकदुर्गा फाइनेंस के गोल्ड लोन कारोबार का अधिग्रहण किया है। इसके तहत कंपनी को करीब 280 करोड़ रुपये का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो, लगभग 12,000 ग्राहक और 54 शाखाएं मिली हैं। गोदरेज कैपिटल ने 2031 तक अपना गोल्ड लोन पोर्टफोलियो 5,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। आदित्य बिरला कैपिटल ने अलग रणनीति अपनाई है। कंपनी किसी मौजूदा कंपनी को खरीदने के बजाय देशभर में करीब 1,000 शाखाओं का नेटवर्क बनाकर अपना गोल्ड लोन कारोबार खड़ा करने की योजना बना रही है।

बड़ी कंपनियों की 5 मुख्य वजहें

पिछले कुछ सालों में पर्सनल लोन और कंज्यूमर क्रेडिट जैसे बिना गारंटी वाले लोन्स में रेगुलेटरी सख्ती और जोखिम बढ़ा है। ऐसे में कंपनियां सुरक्षित यानी सिक्योर्ड लोन सेगमेंट की तरफ रुख कर रही हैं, जहां गोल्ड लोन सबसे आसान और सुरक्षित विकल्प है।

भारत के घरों में पड़े निष्क्रिय सोने का केवल एक छोटा हिस्सा ही फॉर्मल लोन चैनलों में आया है। मई 2026 तक गोल्ड ज्वैलरी के बदले दिया गया लोन करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसने FY26 में करीब 50% की ग्रोथ दर्ज की।

लंबे समय तक दक्षिण भारत और कुछ चुनिंदा एनबीएफसी जैसे मुथूट और मन्नापुरम तक सीमित माने जाने वाले इस बिजनेस में अब बैंकों और विविधीकृत वित्तीय समूहों की 50-50 हिस्सेदारी के करीब बाजार पहुंच गया है।

सोने के ऊंचे दामों से ग्राहकों को ज्यादा लोन एलिजिबिलिटी मिलती है। हालांकि, ये कंपनियां सिर्फ मौजूदा कीमतों के चक्र पर दांव नहीं लगा रही हैं, बल्कि लंबी अवधि के लिए डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा कर रही हैं।

पहले जहां केवल आपातकालीन जरूरतों या ग्रामीण क्षेत्रों तक गोल्ड लोन सीमित था, अब बड़े टिकट साइज यानी 5 लाख रुपये से ऊपर और संपन्न वर्ग के लोग भी शॉर्ट-टर्म क्रेडिट के लिए गोल्ड लोन ले रहे हैं।

ऑपरेशन्स और रेगुलेशन का गणित

गोल्ड लोन बिजनेस में ज्वेलरी के सही मूल्यांकन, स्टोरेज, सुरक्षा और नीलामी की खास प्रक्रिया होती है। यही वजह है कि टाटा और गोदरेज ने खुद नया ढांचा खड़ा करने के बजाय बने-बनाये प्लेटफॉर्म्स को चुना। वहीं, रिजर्व बैंक द्वारा वैल्यूएशन स्टैंडर्ड्स और 2.5 लाख रुपये तक के छोटे लोन्स के लिए नियमों को व्यावहारिक बनाने से बड़े और संगठित प्लेयर्स के लिए बाजार अधिक पारदर्शी और फायदेमंद बन रहा है।

एआई भारत में नौकरियां छीनने से ज्यादा दे रहा

नोमुरा रिपोर्ट में दावा- सीनियर कर्मचारियों की डिमांड बढ़ी, जूनियर कोडिंग और टेस्टिंग जॉब्स खतरे में

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में एआई नौकरियां खत्म करने की तुलना में नए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, तकनीकी बदलाव की वजह से नौकरी की शुरुआत करने वाले फ्रेशर्स और युवाओं को एंट्री-लेवल पर कड़े मुकाबले और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह दावा नोमुरा ने हाल ही में पब्लिश एक रिपोर्ट में किया है।

नोमुरा ने बियॉन्ड द हेडलाइंसः एआई हैज एडेड जॉब्स इन एशिया- सो फार नाम से एक रिपोर्ट पब्लिश की। इस रिपोर्ट के मुताबिक...

नौकरियां बढ़ीं, कम घटींः साल 2022 से अगस्त 2026 के बीच एशिया में एआई की वजह से 1,31,000 नई नौकरियां आईं, जबकि इसके मुकाबले सिर्फ 61,000 नौकरियां गईं। एआई से रोजगार के मामले में नुकसान के बजाय फायदा हुआ। भारत, चीन और फिलीपींस उन देशों में शामिल हैं, जहां एआई से नौकरियों का ग्राफ ऊपर गया है। एआई के कारण सबसे ज्यादा नुकसान फ्रेशर्स को हो रहा है, क्योंकि एंट्री-लेवल की नौकरियां तेजी से कम हो रही हैं। भारत की 651 आईटी कंपनियों के सर्वे में सामने आया है कि 55% कंपनियों ने फ्रेशर्स की भर्तियां घटा दी हैं। इसके मुकाबले सीनियर पदों पर सिर्फ 14% कंपनियों ने ही हायरिंग कम की है। नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को के-शेप्ड स्प्लिट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ फ्रेशर्स की मांग लगातार गिर रही है, तो दूसरी तरफ अनुभवी सीनियर लोगों की पूछ बढ़ गई है। कंपनियों को अब मैनेजमेंट और बिजनेस की गहरी समझ रखने वाले लोग चाहिए। दक्षिण कोरिया में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल हुआ वहां ऐसा ही ट्रेंड दिखने को मिला है।

कंपनियां अब पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बजाय नए लोगों को नौकरी पर रखना ही बंद कर रही हैं। इसे साइलेंट फायरिंग कहा जा रहा है, जो चुपचाप युवाओं का मौका छीन रही है। इसके अलावा, कंपनियों ने कॉलेज कैंपस में जाकर होने वाले प्लेसमेंट को लगभग थाम दिया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

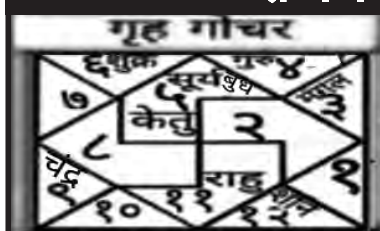

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह----	05-36 बजे
चंद्र	धनु	मे	कन्या--	07-42 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला----	08-46 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक--	11-57 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु----	14-12 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर--	16-16 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ--	18-08 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन--	19-45 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष--	21-21 बजे
			वृष----	23-04 बजे
			मिथुन--	01-08 बजे
			कर्क----	03-24 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर, ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551, राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-01

भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18-42

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

मास - श्रावण शुक्ल पक्ष सोमवार 24 August 2026

तिथि - द्वादशी अहोरात्र तक

नक्षत्र - पूर्वाषाढा 20-28 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा

योग - प्रीति 06-13 तक आयुष्मान

करण - बव 07-04 तक उप बालव

पवित्रा एकादशी व्रत निम्बार्क वैष्णव

विशेषः अगस्त्य उदय रात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहो के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 07-36 से 09-10 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-01 - 07-36	शुभ	चंचल	18-42 - 20-01	शुभ
काल	07-36 - 09-10	अशुभ	रोग	20-01 - 21-27	अशुभ
शुभ	09-10 - 10-44	शुभ	काल	21-27 - 22-53	अशुभ
रोग	10-44 - 12-18	अशुभ	लाभ	22-53 - 00-18	शुभ
उत्पात	12-18 - 13-53	अशुभ	उत्पात	00-19 - 01-44	अशुभ
चंचल	13-53 - 15-27	शुभ	शुभ	01-44 - 03-10	शुभ
लाभ	15-27 - 17-01	शुभ	अमृत	03-10 - 04-36	शुभ
अमृत	17-01 - 18-42	शुभ	चंचल	04-36 - 06-01	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है । आपने आजकल के खाने पर बहुत ध्यान दें और उसमें स्वास्थ्यकर चीजों को शामिल करें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं ।आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है । आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है ।आप किसी जटिल समस्या में फंस गए लगते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

'आचार संहिता' के बीच भी नहीं अटकेंगे काम

भजनलाल सरकार ने दी कई कामों को 'छूट'

जयपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में 309 नगरीय निकायों के आगामी आम चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। आचार संहिता लागू होने के बाद अक्सर विकास कार्यों और आम जनता से जुड़े दैनिक प्रशासनिक कामों के ठप होने की आशंका बनी रहती है। लेकिन इस बार आम जनता को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए स्वायत्त शासन विभाग ने एक राहत भरा स्पष्टीकरण आदेश जारी किया है। विभाग के निदेशक जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर द्वारा जारी इस आधिकारिक आदेश में उन सभी कार्यों की सूची स्पष्ट की गई है जो आचार संहिता के दौरान भी बिना किसी रुकावट के जारी रह सकेंगे।

स्वायत्त शासन विभाग ने प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के आयुक्तों व अधिशासी अधिकारियों को पत्र भेजकर इन दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं ताकि विकास की रफ्तार भी न रुके और चुनाव नियमों का उल्लंघन भी न हो। स्वायत्त शासन विभाग के आदेश के अनुसार, पूर्व से जारी या सामान्य दैनिक प्रकृति के निम्नलिखित कार्यों पर आचार संहिता का प्रभाव नहीं पड़ेगा- भवन मानचित्र स्वीकृतिः राजस्थान नगरपालिका अधिनियम की धारा 194 के तहत नए भवन निर्माण, पुनर्निर्माण या संशोधन के आवेदनों को निर्धारित 2 माह की समयसीमा में निस्तारित किया जाएगा।

भूखंडों के पट्टे जारी करनाः पूर्व में स्वीकृत आवासीय या व्यावसायिक योजनाओं में नीलाम किए गए भूखंडों की पूरी राशि जमा होने पर पट्टे जारी किए जा सकेंगे।

कृषि भूमि नियमन व नामांतरणः सक्षम स्वीकृति और पूरी राशि जमा होने के बाद नियमन, निर्माण स्वीकृति और नामांतरण के पट्टे दिए जाएंगे।

चल रहे विकास कार्यः जिन विकास कार्यों के वर्क ऑर्डर आचार संहिता लागू होने से पहले जारी हो चुके हैं या जिन पर काम शुरू हो चुका है, वे जारी रहेंगे।

डीपीआर और एस्टीमेट तैयार करनाः प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स की डीपीआर तैयार करना, अप्रूवल लेना, ड्राइंग-डिजाइन और टेंडर डॉक्यूमेंट्स तैयार करने की प्रशासनिक प्रक्रिया जारी रहेगी।

अति-आवश्यक नागरिक सेवाएंः जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट मरम्मत के आपातकालीन काम कराए जा सकेंगे।

पट्टों का नवीनीकरण व पुनर्वैधः पूर्व में जारी पट्टों के पंजीयन न होने पर उनके री-वैलिडेशन और नवीनीकरण का काम होगा।

नामांतरण : पट्टों के नामांतरण का नियमित कार्य जारी रहेगा।

दैनिक प्रकृति के कार्यः आम जनता को असुविधा से बचाने के लिए नगर निकायों के नियमित प्रशासनिक काम चालू रहेंगे।

विभिन्न विभागों के पुराने प्रोजेक्ट्सः अन्य विभागों के वे निर्माण कार्य जो पहले से चल रहे हैं, वे प्रभावित नहीं होंगे।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता के प्रभाव में रहने के दौरान किसी भी तरह की नई स्कीम, नए विकास कार्य, नए टेंडर जारी करने और नए वर्क ऑर्डर देने पर पूरी तरह से रोक रहेगी। इसके अलावा, चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक भूमि आवंटन और ऋण वितरण से जुड़े नए नीतिगत निर्णय भी नहीं लिए जा सकेंगे। इस दौरान नगर पालिकाओं की साधारण सभा की बोर्ड बैठकें आयोजित करने पर भी प्रतिबंध रहेगा। स्वायत्त शासन विभाग ने चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगमों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों जैसे मेयर, डिप्टी मेयर, अध्यक्ष, सभापति, उपाध्यक्ष या उपसभापति द्वारा चुनाव प्रचार के लिए किसी भी सरकारी या निकाय के वाहन का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रचार के दौरान किसी भी तरह की राजकीय सुविधाओं का इस्तेमाल करना आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।

बगरू स्कूल विवाद पर शिक्षा महासंघ सख्त

कहा- स्कूल राजनीति का अखाड़ा नहीं

बांसवाड़ा, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बगरू के सरकारी स्कूल में निरीक्षण के प्रयास के दौरान हुए विवाद को लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सरकारी विद्यालयों को राजनीतिक गतिविधियों से दूर रखने की मांग की है। महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ऋषिन चौबीसा ने कहा कि हिंसा या मारपीट का किसी भी स्थिति में समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन स्कूलों को राजनीतिक विवाद का केंद्र बनाना भी उचित नहीं है।

बगरू के एक सरकारी स्कूल के निरीक्षण को लेकर हुए विवाद के बीच अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने साफ कहा है कि सरकारी स्कूलों को किसी भी कीमत पर राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने दिया जाएगा। महासंघ ने राजकीय विद्यालयों को राजनीतिक गतिविधियों और बाहरी हस्तक्षेप से दूर रखने की जरूरत बताई। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ऋषिन चौबीसा ने शनिवार को बांसवाड़ा में मीडिया से बातचीत के दौरान बगरू प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि हिंसा या मारपीट का किसी भी स्थिति में समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन यह भी गंभीर सवाल है कि राजनीतिक विवादों को सरकारी स्कूलों तक ले जाने की जरूरत क्यों पड़ रही है।

डॉ. चौबीसा ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति या संगठन को किसी सरकारी स्कूल की व्यवस्था, सुविधाओं या पढ़ाई से जुड़ी कोई शिकायत है तो इसके लिए शिक्षा विभाग और प्रशासन के तय माध्यम मौजूद हैं। शिकायतों का समाधान इन्हीं माध्यमों से किया जाना चाहिए। स्कूल परिसर में राजनीतिक विवाद खड़ा करना किसी भी तरह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा का केंद्र हैं और वहां बच्चों की पढ़ाई सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। राजनीतिक गतिविधियों और बाहरी हस्तक्षेप से स्कूलों का माहौल प्रभावित होता है, जिसका सीधा असर विद्यार्थियों और शिक्षकों पर पड़ सकता है।

महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि राजनीति करना लोकतांत्रिक अधिकार हो सकता है, लेकिन सरकारी स्कूलों को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। शिक्षकों को राजनीतिक दबाव में लाने या उन्हें राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनाने की कोशिश शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "विद्यालय में शिक्षा होगी, राजनीति नहीं होगी।" उनका कहना था कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हैं, किसी राजनीतिक दल के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नहीं। महासंघ पदाधिकारियों ने सरकार के निर्देशों का समर्थन करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल या संगठन को अपनी गतिविधियों के लिए लोकतांत्रिक मंचों का इस्तेमाल करना चाहिए। सरकारी स्कूलों में जाकर राजनीतिक टकराव पैदा करना न विद्यार्थियों के हित में है, न शिक्षकों के और न ही राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था के।

शिक्षा विभाग ने प्रिंसिपल पर लिया बड़ा एक्शन

छात्राओं संग बांध में बिना कपड़ों के नहाते वीडियो हुआ था वायरल

अलवर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर जिले के प्रतापगढ़ क्षेत्र के एक गांव में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल का छात्राओं के साथ बांध में आपत्तिजनक हालत में नहाने का वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने बड़ा एक्शन लिया है। थानागाजी क्षेत्र के राउमावि पड़ाक छापली के प्रधानाचार्य लाल चंद मीना को विभाग ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही विभागीय जांच भी शुरू कर दी है।

शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार सोशल मीडिया और समाचार ऐप पर प्रधानाचार्य का आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें प्रधानाचार्य लाल चन्द मीना स्कूली की छात्राओं के साथ बांध में आपत्तिजनक स्थिति में नहाते हुए दिखाई दे रहे है। वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने इसे नैतिक आचरण मानते हुए प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया है। निलम्बन काल में इनका मुख्यालय निदेशालय माध्यमिक शिक्षा विभाग बीकानेर रहेगा।

बता दें कि अलवर जिले के प्रतापगढ़ क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में प्रिंसिपल कक्षा 9 से 12 तक की कुछ छात्राओं के साथ बांध के पानी में नहाते हुए नजर आ रहा है। इसे लेकर ग्रामीण स्कूल के बाहर पहुंचे और हंगामा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे।

इसके बाद क्षेत्र की महिला सीबीईओ और पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों से समझाइश कर उनका गुस्सा शांत कराया। ग्रामीणों की मानें तो यह कथित वीडियो 15 अगस्त का है। इसमें पुरुष प्रिंसिपल स्कूली छात्राओं के साथ बांध में नहाते हुए दिख रहा है। ग्रामीणों ने इस वीडियो को आपत्तिजनक बताते हुए प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सीबीईओ का कहना है कि छात्र-छात्राओं के बयान लेकर मामले की जांच की जा रही है। तथ्यात्मक रिपोर्ट ओर वारयल वीडियो जिला शिक्षा अधिकारी को भेज दिया है। मामला सामने आने के बाद अब शिक्षा विभाग ने प्रधानाचार्य पर बड़ा एक्शन लिया है।

प्रिंसिपल तैराकी सिखाने के बहाने छात्राओं को बांध पर ले गया। इस बांध में पूर्व में भी कई लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। हादसों की आशंका के चलते बीते चार साल से इस बांध पर जाने की पाबंदी है। इसके बावजूद प्रिंसिपल ने 20 बालिकाओं सहित 200 बच्चों को बिना लाइफ जैकेट दिए बांध के पानी में उतार दिया। इनमें ज्यादातर बच्चों को तैरना भी नहीं आता। इस दौरान कोई भी महिला शिक्षक इनके साथ नहीं थी। यह बांध स्कूल से करीब दो किलोमीटर दूर है। रास्ते में वन्यजीवों का भी खतरा रहता है।

वहीं, आरोपी प्रिंसिपल का कहना है कि मैं भी स्थानीय निवासी हूं। बच्चियां मेरे ही गांव के बड़े-छोटे भाइयों की बेटियां हैं। स्वतंत्रता दिवस मनाने के बाद छात्रों ने बांध पर घूमने की इच्छा जताई थी। मैं खुद उनके साथ गया। दो सौ बच्चों के बीच मेरी मंशा गलत नहीं थी। बच्चे मेरे सामने वीडियो बना रहे थे। कुछ असामाजिक तत्व इस वीडियो को वायरल करके मामले को गलत तरीके से पेश कर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

खाचरियावास बोले, 'कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में गए नेताओं को टिकट दिया, तो बम फोड़ूंगा'

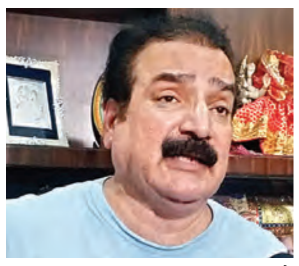

जयपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में निकाय चुनाव को लेकर चल रही सियासी गर्मी के बीच पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा को निशाने पर लिया है. प्रताप सिंह ने कहा कि अगर निकाय चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के 'गद्दारों' को टिकट दिया, तो ऐसा बम फोड़ूंगा की पूरी बीजेपी रोएगी. 'टिकट मिलने की उम्मीद नहीं रखें': प्रताप सिंह ने रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए नेताओं की वापसी और टिकट को लेकर आक्रामक रुक अपनाते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति कांग्रेस छोड़कर चला गया और बाद में पार्टी में वापसी करता है, तो उसका स्वागत है. लेकिन उसे टिकट मिलने की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए. उन्होंने कहा कि जो लोग मुश्किल समय में कांग्रेस छोड़कर गए और पार्टी के साथ विश्वासघात किया. ऐसे लोगों को चुनाव में प्राथमिकता देना उन कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय होगा जो लगातार पार्टी के लिए संघर्ष करते रहे हैं.

'जनता ही ऐसे लोगों का इलाज कर देगी': खाचरियावास ने भाजपा को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए नेताओं और पार्षदों को टिकट दिया, तो ऐसा बम फोड़ दूंगा कि भाजपा रो ए गी . उन्होंने कहा कि उनके पास कई ऐसे बम हैं, जिन्हें समय आने पर सामने लाया जाएगा. यह बम तभी सामने आएंगे, जब भाजपा गलती करेगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मकसद केवल भाजपा को हराना नहीं है, बल्कि राजनीति में शूचिता और सिद्धांत भी कायम रखना है. पूर्व मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया, जनता भी उन्हें पहचानती है. यदि भाजपा ने उन्हें टिकट दिया, तो जनता ही ऐसे लोगों का इलाज कर देगी. 'इथेनॉल में भ्रष्टाचार कर रही बीजेपी': पूर्व मंत्री ने कहा कि एक महीने में ही चीनी के दामों में 25 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई है. महंगाई का सीधा असर आम आदमी की रसोइ पड़ रहा है. सरकार को बताना चाहिए कि चीनी के दाम आखिर क्यों बढ़ रहे हैं और इसका फायदा किसे हो रहा है. उन्होंने कहा कि इथेनॉल मामले में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है. उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जमकर पैसा कमाया है, लेकिन अब कह रहे हैं कि उनका इथेनॉल से कोई लेना–देना नहीं है. प्रताप सिंह ने कहा कि महंगाई हमेशा चुनावी मुद्दा रही है और जब-जब चीनी के दाम बढ़े हैं, तब–तब सरकार गई है. मोदी सरकार को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा.

विपक्ष की आवाज दबा रही सरकारः उन्होंने कहा कि भाजपा का राजनीतिक स्तर गिर गया है, सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है. नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा स्कूल का निरीक्षण करने गए, तो उन्हें अंदर नहीं जाने दिया. विपक्ष के 70 विधायक गए, उन्हें भी नहीं जाने दिया. दूसरे दलों के लोग जा रहे हैं, तो उन पर हमला किया जा रहा है. खाचरियावास ने कहा कि भजनलाल सरकार लाठी गोली की भाषा अपना रही है यह भाषा भाजपा को उल्टी पड़ेगी. उन्होंने कहा कि देश में हिंसा का कोई स्थान नहीं है. भाजपा पुलिस के दम पर राजनीति करेगी, तो उसे महंगा पड़ेगा.

वन विभाग की कैद में आया आदमखोर लेपर्ड

3 साल के बालक को बनाया था शिकार

रणथंभौर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। रणथंभौर टाईगर रिजर्व की फलौदी रेंज के गांवों में लोगों के लिए दहशत का कारण बन चुका लेपर्ड वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया. इसी लेपर्ड ने तीन साल के बच्चे की हत्या की थी. हमलावर लेपर्ड के पकड़ने जाने के बाद ग्रामीणों एवं वन विभाग के अधिकारियों व कार्मिकों ने राहत की सांस ली. रणथंभौर के डीएफओ मानस सिंह ने बताया कि रणथंभौर की फलौदी रेंज के दुमोदा एवं कैलाशपुरी गांव में लगातार बढ़ रही लेपर्ड की गतिविधि को देखते हुए वन विभाग की ओर से लगातार निगरानी एवं रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा था. वन विभाग की सतर्कता और अथक प्रयासों के फलस्वरूप लेपर्ड को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया गया है. लेपर्ड की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी एवं उसे सुरक्षित रूप से रेस्क्यू करने के उद्देश्य से दुमोदा, कैलाशपुरी एवं आसपास के क्षेत्रों में 40 से अधिक कैमरा ट्रैप एवं केज ट्रैप लगाए गए थे.

इन उपकरणों के माध्यम से लेपर्ड की लगातार गतिविधियों एवं आवागमन पर निगरानी रखी जा रही थी. लेपर्ड के रेस्क्यू के लिए क्षेत्र में रेस्क्यू टीम को 24 घंटे तैनात रखा गया था. वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार गश्त, निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई में जुटे रहे. बच्चे की मौत की घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभाग की ओर से विशेष सतर्कता बरती गई. रणथंभौर के उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक मानस सिंह ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना भी दी और आवश्यक सहयोग एवं सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिलाया.

एमडी ड्रग्स फैक्ट्री के लिए चीन से मंगवाया केमिकल

नागौर पुलिस ने 2500 किमी पीछा कर नागपुर से पकड़े 2 सप्लायर

नागौर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। ऑपरेशन नशा मुक्त नागौर अभियान के तहत नागौर पुलिस ने पकड़ी एमडी बनाने की फैक्ट्री के मामले में कार्रवाई करते हुए एमडी बनाने के लिए काम आने वाले केमिकल की सप्लाई करने वाले दो आरोपियों को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का करीब 2500 किलोमीटर तक पीछा कर उन्हें दस्तयाब किया। इस प्रकरण में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मूण्डवा थानाधिकारी देवीलाल विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। नागौर पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी कंप्यूटर और तकनीकी जानकारी में दक्ष हैं। कृतज्ञ राजेन्द्र ठाकुर बीटेक आईटी फाइनल ईयर तथा साहिल अतुल चौधरी बीटेक कंप्यूटर साइंस थर्ड ईयर का छात्र है। पुलिस ने इन्हें नागपुर से गिरफ्तार किया। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर अनुसंधान जारी है। कार्रवाई में कोतवाली के उप निरीक्षक परबतसिंह, मूण्डवा थाने के हेड कांस्टेबल झुमरराम व कांस्टेबल मनफूल की विशेष भूमिका रही।

गौरतलब है कि गत 10 अगस्त को नागौर शहर के दीप कॉलोनी में एमडी बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर पुलिस ने मुख्य आरोपी महावीर को गिरफ्तार किया था। फैक्ट्री से 389.15 ग्राम एमडी, एक पिस्टल, कारतूस, 1.80 लाख रुपए, ट्रामाडोल कैप्सूल, करीब 25 लीटर केमिकल तथा एमडी बनाने में प्रयुक्त अन्य सामग्री बरामद की गई थी। अनुसंधान के दौरान पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लूणसरा निवासी महावीर जाट ने टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से नागपुर निवासी कृतज्ञ राजेन्द्र ठाकुर और साहिल अतुल चौधरी से संपर्क किया था। दोनों ने एमडी बनाने में प्रयुक्त होने वाला 2-ब्रोमो एवं 4-मिथाइलप्रोपियोफेनोन केमिकल चीन से ऑनलाइन मंगवाकर महावीर को करीब दोगुने मुनाफे में बेचा था।

कोतवाली थाना पुलिस व डीएसटी टीम ने 10 अगस्त को मूंडवा चौराहा के पास कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग को निरुद्ध किया। उसके कब्जे से 261 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद हुई। एमडी परिवहन में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल जब्त की गई। पूछताछ करने पर बालक को एमडी की सप्लाई और इसे तैयार करने वाले लोगों के बारे में जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दीप कॉलोनी में दबिश दी। यहां एक मकान में एमडी तैयार करने का काम चल रहा था। पुलिस ने मौके से लूणसरा, हाल दीप कॉलोनी निवासी महावीर पुत्र हनुमान जाट को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार महावीर कुछ समय पहले नौ सेना से सेवानिवृत्त हुआ था और वह तीन महीने से यहां खुद के घर में एमडी बनाकर सप्लाई करने का काम कर रहा था। इस प्रकरण में अब तक पुलिस 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मानसून ने बदला रुख, अलर्ट वाले जिलों में भी सूखा; बढ़ी गर्मी-उमस

जयपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून एक बार फिर कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। मौसम विभाग की बारिश की चेतावनी के बावजूद प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बादल तो दिखाई दिए, लेकिन बारिश नहीं हुई। अब रविवार को मौसम विभाग ने 14 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि मौजूदा मौसम को देखते हुए प्रदेश में फिलहाल व्यापक बारिश की उम्मीद कम है। बारिश के थमने से कई इलाकों में गर्मी और उमस बढ़ गई है, जिससे लोगों की परेशानी भी बढ़ी है। शनिवार को भी प्रदेश के 18 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया था, लेकिन बारिश कुछ सीमित इलाकों तक ही रही। ज्यादातर जिलों में मौसम साफ रहा और दिनभर बादल आने के बावजूद बारिश का इंतजार ही बना रहा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान में मानसून कमजोर रहने की सबसे बड़ी वजह मानसून ट्रफ का अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर बने रहना है। यह ट्रफ अमृतसर, नजीबाबाद और हरदोई से होते हुए पूर्वी मध्य प्रदेश में बने लो-प्रेशर एरिया तक सक्रिय है। इसके आगे इसका असर झारखंड और बंगाल की खाड़ी तक बना हुआ है। ऐसे में फिलहाल पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में बारिश के लिए परिस्थितियां राजस्थान के मुकाबले ज्यादा अनुकूल हैं। यही कारण है कि प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां कमजोर बनी हुई हैं। मानसून की यही स्थिति लगातार दूसरे दिन देखने को मिली। शुक्रवार को भी कई जिलों में बारिश का अलर्ट था, लेकिन व्यापक बारिश नहीं हुई। शनिवार को भी ज्यादातर इलाकों में मौसम साफ रहा। राजधानी जयपुर में शनिवार को दिनभर हल्की धूप रही। शाम के समय कुछ इलाकों में बादल जरूर छाए, लेकिन बारिश नहीं हुई। जयपुर में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ढाका से जयपुर पहुंची जाली नोटों की खेप

नगर निगम चुनाव में खपाने की थी तैयारी, 4 पकड़े गए

जयपुर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के ढाका से जाली नोटों की खेप हरियाणा के रास्ते जयपुर पहुंची। आरोपी आगामी नगर निगम चुनाव में इन्हें खपाने की तैयारी में थे। बजाज नगर थाना पुलिस और सीएसटी ने कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर 4 लाख 30 हजार 500 रुपए के जाली नोट बरामद किए हैं। आरोपियों के कब्जे से दो लग्जरी कारें भी जब्त की गई हैं। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी एक लाख रुपए के असली नोट देकर करीब पांच लाख रुपए के जाली नोट हासिल करते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी जाली नोटों की बड़ी खेप आगामी निगम चुनाव के दौरान बाजार में खपाने की तैयारी में थे।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल चौधरी (24 वर्ष) निवासी फतेहपुर सदर सीकर, अंशुल (24 वर्ष), प्रियांशु (21 वर्ष) और आकाश (26 वर्ष) निवासी रोहतक हरियाणा के रूप में हुई है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि जाली नोट का मुख्य सरगना रोहतक निवासी अमन राणा से लाना बताया है। पुलिस के अनुसार, अमन फिलहाल बांग्लादेश से गिरोह को संचालित कर रहा है। ऐसे में जांच का दायरा अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क तक पहुंच गया है। पुलिस आरोपियों के मोबाइल फोन, संपर्कों और लेन-देन से जुड़े साक्ष्य भी खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ पूरी होने के बाद गिरोह से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते है।

मौसी के घर छुपा था पैरोल से फरार 'गजनी'

9 मामलों में वांछित बदमाश को पुलिस ने रेतीले टीलों में खदेड़कर पकड़ा

बाड़मेर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बाड़मेर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। बायतु वृत्त पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के मामले में पैरोल से लंबे समय से फरार चल रहे एक शातिर हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी रेतीले धोरों में भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे पुलिस टीम ने करीब तीन किलोमीटर तक पैदल पीछा कर दबोच लिया।

पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय एवं महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज के निर्देशानुसार वांछित अपराधियों की दस्तयाबी के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाड़मेर नितेश आर्य के सुपरविजन तथा डॉ. दीपेंद्र सैनी (आरपीएस, वृताधिकारी वृत्त बायतु) के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था।

क्षेत्र में चलाए जा रहे 'एरिया डोमिनेशन' कार्रवाई के दौरान वृताधिकारी बायतु को मुखबिर से ठोस सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार समदड़ी थाना क्षेत्र के एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में पैरोल से फरार चल रहा बायतु थाने का हिस्ट्रीशीटर अपराधी गजेंद्र बेनीवाल उर्फ गजनी (पुत्र लूंभा राम, निवासी बेनीवालों की ढाणी, एनडीकेडी, बाड़मेर) सरहद भोजासर में अपनी मौसी के घर छुपा हुआ है।

दो महिलाओं के लापता होने से हड़कंप

घर से लाखों रुपए के जेवर भी गायब; पुलिस ने शुरू की जांच

सीकर, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सीकर जिले में दो महिलाओं के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों महिलाओं के घर से लाखों रुपए के जेवरात भी गायब मिले हैं। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर महिलाओं की तलाश शुरू कर दी है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सीकर जिले के अलग-अलग इलाकों से महिलाओं के लापता होने की शिकायतें सामने आई हैं। परिजनों का कहना है कि महिलाएं अचानक घर से गायब हो गईं। जब घर में जांच की गई तो पता चला कि लाखों रुपए कीमत के आभूषण भी नहीं मिले। इसके बाद परिवार वालों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से संपर्क किया।

पुलिस के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी गई है। लापता महिलाओं की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें काम कर रही हैं। आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ के साथ ही संभावित स्थानों पर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि महिलाओं के लापता होने के बाद घर में रखे कीमती जेवरात भी गायब मिले। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि महिलाएं अपनी मर्जी से कहीं गई हैं या फिर किसी अन्य कारण से यह घटना हुई है। इसके अलावा जेवरात गायब होने के मामले को भी जांच में शामिल किया गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। लापता महिलाओं के मोबाइल नंबर, कॉल डिटेल और अन्य जानकारियों के आधार पर सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है।

इस घटना के बाद दोनों परिवारों में चिंता का माहौल है। परिजन महिलाओं की सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए हुए है।

संत रविदास द्वारा प्रतिपादित सामाजिक सद्भाव भाजपा की नीति है: किशन रेड्डी

भाजपा राज्य कार्यालय से प्रदर्शनी मैदान तक 'कलश यात्रा' निकाली गई

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में भव्यता के साथ 'कलश वंदन अभियान' का आयोजन किया। भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में आज नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय से प्रदर्शनी मैदान तक एक विशाल 'कलश यात्रा' निकाली गई। इसके बाद एक जनसभा आयोजित की गई, जिसमें मुख्य वक्ता आदित्य पराशी, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और बड़ी संख्या में भाजपा नेता, जन प्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने संत रविदास को एक अनुकरणीय व्यक्तित्व बताया, जिन्होंने भक्ति आंदोलन के माध्यम से सामाजिक चेतना और समानता लाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि संत द्वारा 650 वर्ष पूर्व दिया गया समतावादी समाज का संदेश आज भी भगवद गीता की

तरह ही मार्गदर्शक बना हुआ है। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सच्ची महानता जन्म, जाति या आर्थिक स्थिति से नहीं मिलती, बल्कि विचारों, कार्यों और समाज सेवा से प्राप्त होती है। रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संत रविदास के आदर्शों और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की भावना से प्रेरित होकर अपना प्रशासन चला रही है। उन्होंने बताया कि पिछले ग्यारह वर्षों में देश भर में लागू की गई क्रांतिकारी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण का उल्लेख किया गया, जिससे गरीबों और दलितों की गरिमा को बनाए रखा गया है। पिछड़े वर्गों को लाभ पहुंचाने और 'हर घर जल' पहल के माध्यम से प्रत्येक घर को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के बारे में बताया गया। यह भी उल्लेख किया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है, जिनमें से एक महत्वपूर्ण हिस्सा दलित परिवारों के लिए आवंटित किया गया है; इसके अतिरिक्त, देश भर में 83 करोड़ गरीब लोगों को 5 किलो मुफ्त चावल उपलब्ध कराया जा रहा है और आयुष्मान भारत के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण कॉर्पोरेट-मानक स्वास्थ्य सेवा सुलभ कराई गई है।

किसानों को राहतः महाराष्ट्र लौटी बाघिन

कुमरम भीम आसिफाबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से कागजनगर डिवीज़न के जंगलों में घूम रही एक बाघिन के बारे में खबर है कि वह थुम्मीदिहट्टी में प्राणहिता नदी पार करके पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र चली गई है, जिससे किसानों और ग्रामीणों को राहत मिली है।

वन अधिकारियों ने पुष्टि की कि शनिवार को गांव के बाहरी इलाके में नदी के पास एक खेत में वयस्क बाघिन के पैरों के निशान देखे गए। हालांकि, उन्होंने किसानों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

हाल ही में पेन्चिकलपेट और सिरपुर (टी) रेंज के अलग-अलग हिस्सों में भी बाघिन के पैरों के निशान देखे गए थे, जिससे किसानों में दहशत फैल गई थी। कुछ दिन पहले अगरगुडा और पेन्चिकलपेट के बीच सड़क पर बाघिन को देखा गया था। कुछ हफ़्ते पहले नदी पार करके वह डिवीज़न के जंगलों में आ गई थी। जंगल के किनारे और अंदरूनी गांवों के किसान बाघिन की आवाजाही से डरे हुए थे। उन्हें खेती-बाड़ी का काम करने में डर लग रहा था। हालांकि, वन अधिकारियों ने जानवरों पर नज़र रखने वालों (ट्रैकर्स) को तैनात किया और सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए।

गच्चीबोवली घटनाः टाउन प्लानिंग बिल्डिंग ऑफिसर सस्पेंड

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबोवली के अंजैया नगर में अवैध रूप से बनी सात-मंजिला इमारत के गिरने और उसमें दो प्रवासी मजदूरों की मौत के एक दिन बाद, साइबराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की कमिश्नर जी. शीजना ने टाउन प्लानिंग बिल्डिंग ऑफिसर (सर्कल-50) मधापुर, यू. संतोष कुमार को सस्पेंड कर दिया। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में उन्होंने कहा कि यह सस्पेंशन तुरंत प्रभाव से लागू होगा। यह सस्पेंशन 22 अगस्त को अंजैया नगर, गाचीबोवली में एक अवैध इमारत के गिरने के मामले में किया गया है।

गिरी हुई इमारत, जिसमें ग्राउंड फ़्लोर के अलावा 6 ऊपरी मंज़िलें और एक पेंटहाउस था, अंजैया नगर, गच्चीबोवली गांव, सेरिलिंगमपल्ली मंडल, रंगा रेड्डी जिले में स्थित थी। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और बगल की इमारत को भी नुकसान पहुंचा।

टाउन प्लानिंग रिपोर्ट के अनुसार, यह इमारत फरीन सिद्दीक और मो. साजिद ने बिना ज़रूरी बिल्डिंग परमिशन और बिना तय सेटबैक (इमारत और बाउंड्री के बीच की जगह) के नियमों का पालन किए बनाई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टाउन प्लानिंग सेक्शन ने 17 जून 2026 को इस अवैध निर्माण के संबंध में नोटिस जारी किए थे।

सस्पेंशन ऑर्डर के अनुसार, संबंधित टीपीबीओ अवैध निर्माण को रोकने के लिए ज़रूरी कार्रवाई करने में नाकाम रहे, जिसके कारण जान-माल का नुकसान हुआ और लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया गया। इस घटना के बाद, टाउन प्लानिंग विंग ने रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में एक रिपोर्ट भी सौंपी, जिसमें कानून की संबंधित धाराओं के तहत फरहीन सिद्दीक, मो. साजिद और अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का अनुरोध किया गया। सीएमएसी कमिश्नर ने टाउन प्लानिंग विंग को निर्देश दिया कि वे साइबराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सीमा में सभी अनधिकृत निर्माणों की तुरंत व्यापक जांच करें। लागू नियमों के अनुसार ज़रूरी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जहां भी ज़रूरी हो, अनधिकृत निर्माणों को गिराना भी शामिल है।

कमिश्नर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे बिल्डिंग नियमों की सख्ती से निगरानी और उन्हें लागू करना सुनिश्चित करें, और जन सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दें। सीएमएसी अनधिकृत निर्माणों और नियमों को लागू करने में कोताही के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगा।

गच्चीबोवली में गिरी इमारत को गिराने का काम शुरू

आस-पास की इमारतों में रहने वालों को जगह खाली करने को कहा गया

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों ने उस सात मंज़िला इमारत को गिराना शुरू कर दिया है जो शनिवार दोपहर अंजायाह नगर, गचीबोवली में अचानक गिर गई थी। इस इमारत के गिरने से दो मज़दूर फंस गए और उनकी मौत हो गई, जबकि आस-पास की इमारतों में रहने वाले कुछ लोग घायल हो गए।

रविवार को, साइबराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, हाइड्रा और दूसरी एजेंसियों की टीमों ने पुलिस सुरक्षा में बिना मंज़ूरी के बनी इस इमारत को गिराना शुरू किया। अधिकारियों ने ढांचे को गिराने के लिए जेसीबी का इस्तेमाल किया। हल्की बारिश की वजह से इलाके में इमारत गिराने के काम में रुकावट आ रही है। आस-पास की जिन इमारतों को नुकसान पहुंचा था, उनमें रहने वालों को भी अपनी जगह खाली करने के लिए कहा गया क्योंकि वे इमारतें भी मौजूदा बिल्डिंग नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई थीं। छात्र, नौकरीपेशा लोग और दूसरे निवासी अपना सामान लेकर दूसरी जगहों पर जाते हुए दिखे। किसी भी तरह की परेशानी से बचने के लिए इलाके में पुलिस की तैनाती की गई थी।

पुलिस ने आरोपी मोहम्मद साजिद को हिरासत में लिया

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रविवार को मोहम्मद साजिद को हिरासत में लिया, जिसे गाचीबोवली के अंजैया नगर में बन रही एक अवैध इमारत के गिरने के मामले में आरोपी बनाया गया है।

साजिद के खिलाफ़ बिना मंज़ूरी के इमारत बनाने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने एक कॉन्ट्रैक्टर को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। यह इमारत एक नाले के ऊपर 50 वर्ग गज के प्लॉट पर बनाई जा रही थी, जिससे बिल्डिंग के नियमों और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

मृतकों की पहचान उमेश खरे और मोपथ के रूप में हुई है; दोनों मध्य प्रदेश के प्रवासी टाइल मज़दूर थे जो साइट पर निर्माण कार्य में लगे हुए थे। घायलों में पास के अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स 'जयदर्शनी रेजिडेंसी' का रहने वाला 25 वर्षीय युवक भी शामिल है, जो सो रहा था तभी गिरी हुई इमारत का मलबा उस पर आ गिरा। इस घटना में दो अन्य मज़दूर भी घायल हुए हैं।

पुलिस की योग्यता परीक्षा में लगभग 3,500 उम्मीदवार शामिल

आदिलाबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को मुफ़्त कोचिंग देने के मकसद से ज़िला पुलिस यूनिट द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा में लगभग 3,500 उम्मीदवार शामिल हुए।

रविवार को यहां एक बयान में, एसपी अखिल महाजन ने कहा कि 300 उम्मीदवारों को मुफ़्त कोचिंग देने की चयन प्रक्रिया के तहत आयोजित योग्यता परीक्षा में 3,446 उम्मीदवार शामिल हुए। शहर के श्री नालंदा कॉलेज और चावरा हाई स्कूल में आयोजित इस परीक्षा को ज़िले के कई हिस्सों से आए उम्मीदवारों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के आदिवासी युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। परीक्षा स्थलों का निरीक्षण करने वाले अखिल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उम्मीदवारों को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए 200 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। उन्होंने बताया कि इस पहल का मकसद नौकरी चाहने वालों को बेहतर अवसर प्रदान करना है। उन्होंने उम्मीदवारों को इस अवसर का लाभ उठाने की सलाह दी। उन्होंने परीक्षा को सफलतापूर्वक आयोजित करने में विभाग को सहयोग देने वालों का धन्यवाद किया।

लंदन में तेलुगु प्रवासियों से सीएम रेवंत रेड्डी की अपील

तेलंगाना राइजिंग के लक्ष्यों का दुनिया भर में प्रचार करें : मुख्यमंत्री

लंदन/ हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने लंदन में रह रहे तेलुगु प्रवासियों से तेलंगाना राइजिंग के लक्ष्यों और राज्य की विकास योजनाओं का दुनिया भर में प्रचार करने की अपील की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने रविवार सुबह लंदन में तेलुगु प्रवासी समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री और मंत्री ने प्रवासियों के साथ तेलंगाना के विकास, भविष्य की प्रगति और राज्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने तेलुगु

समाज के प्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि तेलंगाना के विकास में प्रवासियों की भी महत्वपूर्ण भागीदारी होनी चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रवासी तेलंगाना राइजिंग के लक्ष्यों को वैश्विक स्तर पर मजबूती से प्रचारित करें और राज्य के विकास के लिए अच्छे राजदूत की भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बसे तेलुगु लोगों के सहयोग और सहभागिता से तेलंगाना को विकास के नए आयामों तक पहुंचाया जा सकता है।

हंगामा करने पर नशे में धुत कॉन्स्टेबल की पिटाई

वारंगल, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में सामने आई एक घटना में, वारंगल के ममनूर लाइन्स स्थित टीएसएसपी की चौथी बटालियन के एक कॉन्स्टेबल की सिविल पुलिस कॉन्स्टेबल और दो आम लोगों ने बुरी तरह पिटाई कर दी।

सूत्रों के अनुसार, 19 अगस्त की देर रात मिल्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले उर्स गुट्टा स्थित कलिंगा बार और रेस्तरां में बिल चुकाते समय, शराब के नशे में धुत कॉन्स्टेबल मनोज ने हंगामा किया। बार और रेस्तरां के कर्मचारियों द्वारा पुलिस को बुलाने के बाद, बीट कॉन्स्टेबल संतोष रेड्डी मौके पर पहुंचे और मनोज से शर्ट पहनने को कहा क्योंकि वह आधे-अधूरे कपड़ों में घूम रहा था। बार-बार कहने के बावजूद उसने शर्ट नहीं पहनी; तब कॉन्स्टेबल ने मनोज के चेहरे पर थप्पड़ मारा और जवाब में मनोज ने भी कॉन्स्टेबल को मारा। इसके बाद संतोष रेड्डी ने अपनी लाठी से मनोज की पिटाई शुरू कर दी, जबकि दो अन्य लोग भी उनके साथ शामिल हो गए – उनमें से एक ने मनोज को डंडे से मारा और दूसरे ने उसे घूंसा मारा। यह कुछ मिनटों तक चलता रहा, जबकि मनोज वहां से निकलने की कोशिश कर रहा था और उसका एक साथी तीनों को उसे पीटने से रोकने की कोशिश कर रहा था।

शनिवार को सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो क्लिप वायरल हो गया। जब घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को मिली, तो मिल्स कॉलोनी पुलिस ने मनोज पर ड्यूटी पर तैनात कॉन्स्टेबल को काम करने से रोकने और हंगामा करने के आरोप में मामला दर्ज किया। बताया जा रहा है कि मनोज को नोटिस भी जारी किया गया है।

कापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला के आगामी कार्यकाल के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारी चुने जाने पर अध्यक्ष किशनलाल पंवार, उपाध्यक्ष नारायणलाल आगलेचा, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सहसचिव अर्जुनलाल बर्फा, कोषाध्यक्ष मोतीलाल काग, सलाहकार भंवरलाल मुलेवा, कालूराम काग, मंगलाराम पंवार, ओकारलाल हाम्बड़ का राजस्थानी परम्परा से सम्मान कर उपस्थित पूर्व अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, मोहनलाल हाम्बड़, शंकरलाल बर्फा, गणेशराम बर्फा, पारसमल शर्मा, कालुराम चिंतल, ढगलाराम सेपटा, वेनाराम चोयल, गोपाराम मुलेवा, कालुराम राठौड़, व गौभक्त।

अवैध शराब की दुकानों के खिलाफ अभियान शुरू

कोत्तागुडेम/महबूबाबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम ज़िले के चुनचुपल्ली मंडल की रुद्रमपुरम ग्राम पंचायत ने उन अवैध शराब की दुकानों (बेल्ट शॉप्स) के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है जो पंचायत के निवासियों के लिए मुसीबत बन गई हैं। ग्राम पंचायत ने आबकारी अधिकारियों से कहा है कि वे पंचायत की सीमा में आने वाले शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के पास चल रही अवैध शराब की दुकानों को हटाएं और शराब की कीमतों पर नियंत्रण रखें। रुद्रमपुरम की सरपंच बनोथ केसली ने बताया कि ग्राम पंचायत ने 4 अप्रैल को इन अवैध शराब की दुकानों को हटाने का प्रस्ताव पारित किया था। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव का समर्थन किया। इन अवैध शराब की दुकानों के कारण स्कूल जाने वाले छात्रों (खासकर लड़कियों) और धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं व महिलाओं को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शराब पीने के बाद कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे गाँव का माहौल खराब हो रहा है। सरपंच ने ज़िला आबकारी और निषेध अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें स्कूलों, मंदिरों, मस्जिदों और चर्चों के पास चल रही अवैध शराब की दुकानों को तुरंत हटाने के लिए कदम उठाने की मांग की गई। उन्होंने मांग की कि आबकारी नियमों को सख़्ती से लागू किया जाए ताकि गाँव में शराब की बिक्री पर लगातार नज़र रखी जा सके और कीमतों को नियंत्रित किया जा सके, क्योंकि ये दुकानें तय कीमतों से ज़्यादा दाम पर शराब बेचकर लोगों का शोषण कर रही हैं।

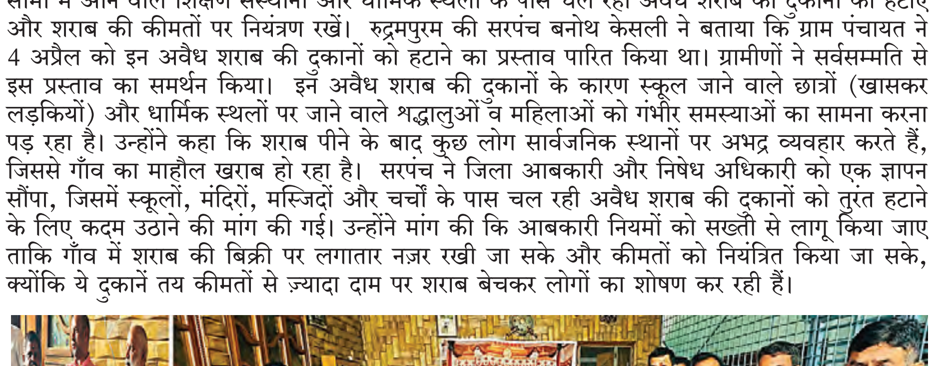

धम्माईगुडा स्थित काग परिवार द्वारा आयोजित हनुमान चालीसा एवं सुन्दरकान्ड पाठ कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक नेमाराम, ओमप्रकाश, महेन्द्र काग, राजस्थानी मित्र मंडल अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, ताराराम गेहलोत, मोटाराम बर्फा, नेमाराम पंवार, जगदीश काग, खेताराम, नरसिंह रेड्डी, मंगलाराम लेरचा, प्रवासी बन्धु व महिलाएँ।

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज के मुख्यालय से कांवड़ यात्रा निकाली गई जो पान बाजार महाकाली मंदिर होते हुए महिंद्रा हिल्स पहाडी महादेव मंदिर तक जा कर जल अर्पित किया। यात्रा में समाज के अध्यक्ष दीपक सिंह, संतोष यादव, संजय सिंह, विनय सिंह दिनेश यादव, मनीष गुप्ता आदि बडी संख्या में लोग शामिल हुए।

सोने-चांदी में निवेश की धोखाधड़ी का पर्दाफ़ाश किया

संगारेड्डी, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़हीराबाद पुलिस ने सोने और चांदी में निवेश की एक बड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफ़ाश किया है। हैदराबाद की एक निवेश कंपनी पर ज़हीराबाद शहर के लगभग 22 लोगों से 19 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। हालांकि, पीड़ितों का आरोप है कि अकेले ज़हीराबाद और उसके आस-पास के इलाकों में 100 से ज़्यादा लोग इससे प्रभावित हुए हैं।

पुलिस ने शशिवर्धन रेड्डी, रविंदर बाबू, जगदीश और सुष्मिता को गिरफ़्तार किया है। ज़हीराबाद की अदालत में पेश किए जाने के बाद आरोपियों को रिमांड पर भेज दिया गया है। पीड़ितों के अनुसार, आरोपियों ने जून और दिसंबर 2026 के बीच निवेश स्वीकार किए थे।

बताया जाता है कि आरोपियों ने 10 लाख रुपये के निवेश पर एक ही दिन में तीन लाख रुपये का अतिरिक्त रिटर्न देने का लालच दिया था। एक जानी-मानी ज्वेलरी कंपनी के साथ व्यापारिक संबंध होने का दावा करके निवेशकों को गुमराह करते हुए, आरोपियों ने भारी निवेश स्वीकार किए।

जब उन्होंने कॉल का जवाब देना बंद कर दिया, तो पीड़ितों को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। जब उन्होंने पुलिस के पास जाने की धमकी दी, तो आरोपियों ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। हालांकि, अंततः पीड़ितों ने पुलिस से संपर्क किया क्योंकि उन्हें बदले में कुछ भी नहीं मिला। मामले की जांच चल रही है।

पुलिस ने सुरक्षित भविष्य के लिए युवाओं को जागरूक किया

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) के सहयोग से 20 अगस्त को गौलीडोड्डी स्थित श्री राम अकादमी में क्लब गठन दिवस के दौरान छात्रों को व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया। एससीएससी की निदेशक रश्मी ने छात्रों से नागरिक चेतना, सामुदायिक सहभागिता और साइबर सुरक्षा के बारे में बात की, जबकि एसएचई टीम के एसआई वेंकटेश ने व्यक्तिगत सुरक्षा, साथियों की सतर्कता, ऑनलाइन सुरक्षा और असुरक्षित व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. वनिता दतला ने छात्रों को दूरदर्शी नेतृत्व, नैतिकता, लचीलापन और सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में युवा शिक्षार्थियों से डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरण संबंधी पहलों, सामुदायिक वकालत और साथियों के कल्याण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया गया।

सामाजिक एकजुटता की अनूठी पहल

ज़रूरतमंदों की मदद के लिए सभी संस्थाओं को एक साझा मंच पर लाने की पहल : विनय यादव

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। समाज में ज़रूरतमंद लोगों की सहायता और आपसी सहयोग को मज़बूत करने के उद्देश्य से तेलंगाना बिहार सहयोग समिति की ओर से एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। समिति के अध्यक्ष विनय यादव ने बिहारी समाज से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं को एक साझा मंच पर लाकर ज़रूरतमंद लोगों की तत्काल सहायता के लिए एक मज़बूत व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव रखा है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से एक बुज़ुर्ग महिला को उनके परिवार तक पहुँचाने में समाज के लोगों ने जिस तरह सक्रियता और जागरूकता दिखाई, उससे यह साबित हुआ कि सोशल मीडिया और समाज की सामूहिक शक्ति का सही उपयोग किया जाए तो बिना किसी बड़े खर्च के भी किसी परिवार की बड़ी परेशानी दूर की

जा सकती है।

प्रस्ताव के अनुसार, समाज की विभिन्न संस्थाओं से लगभग 10-10 सक्रिय पदाधिकारी एवं सदस्य इस पहल से जुड़कर एक मज़बूत टीम का गठन कर सकते हैं। यह टीम ज़रूरतमंद, बुज़ुर्ग, गुमशुदा व्यक्ति अथवा किसी अन्य आपात स्थिति में तत्काल सहयोग और सहायता के लिए आगे आएगी। श्री यादव ने कहा कि संस्थाएँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन समाज एक है। हमारी सेवा और सहयोग की भावना भी एक होनी चाहिए।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति का मानना है कि यदि समाज की छोटी-छोटी संस्थाएँ अपनी ताकत और संसाधनों को एक साथ जोड़ें, तो ज़रूरतमंद लोगों के लिए एक प्रभावी और मज़बूत सहायता तंत्र तैयार किया जा सकता है। समिति ने तेलंगाना में रहने वाले बिहार समाज की सभी संस्थाओं, वरिष्ठजनों एवं युवाओं से इस पहल पर अपने सुझाव देने और सकारात्मक रूप से जुड़ने की अपील की है। संस्था का उद्देश्य स्पष्ट है समाज की एकजुटता, ज़रूरतमंदों की सहायता और सेवा को एक नई दिशा देना।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ऊर्जा और महत्वाकांक्षा...

अगले साल में हम हर महीने एक रॉकेट लांच करने की योजना पर काम कर रहे हैं, इसके लिए तीन फैक्ट्री तैयार है। इन फैक्ट्रियों में एक महीने में एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। मेरा सपना है कि हर सप्ताह और फिर हर दिन एक रॉकेट लांच करना है।

दुनिया के आधुनिक इंजनों में से एक इंजन बनाया

एक सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया कि हमने एक ऐसा इंजन बनाया है, जो दुनिया के आधुनिक इंजनों में से एक है। इस इंजन की टेस्टिंग जारी है।" एक अन्य सीईओ ने कहा, "स्पेस इंडस्ट्रीज खुलने के बाद यूएस और यूरोप में रह रहे लोग यहां आकर काम करना चाहते हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, "हमें बहुत लोगों को जोड़ना है। इस (स्पेस) क्षेत्र में दुनिया भर के लोगों को हिंदुस्तान आने के लिए प्रेरित करना होगा। आपके कारण हम ऐसा कर सकते हैं।

एक अन्य सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया कि हम सैटेलाइट का इंजन बनाते हैं। वैश्विक स्तर पर बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। एक्सपोर्ट के लिए भारत सरकार का बहुत सहयोग मिला है। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि लागत में हम प्रतिस्पर्धी हैं और टैलेंट में तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। रिस्क टेकिंग कैपेसिटी हमारे देश के लोगों में ज्यादा होती है। इसके कारण हम अपनी जगह बहुत तेजी से बना सकते हैं। स्पेस फार्मा स्टार्टअप के अंतरिक्ष ने पीएम मोदी से कहा कि हम भारत के पहले फार्मा स्टार्टअप हैं। हम ऐसे सैटेलाइट बना रहे हैं, जो स्पेस में जाकर फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चर कर सके और उसे वापस ला सके।

घी में मिलावट...

इन कमियों के बाद कंपनी को खाद्य कारोबार की सभी गतिविधियां बंद करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, पाई गई खामियों को दूर करने के लिए कहा गया है। कंपनी का लाइसेंस 30 दिनों के लिए निलंबित रहेगा।

सडीपी इंडस्ट्रीज के कई घी उत्पादों की जांच की गई। इनमें शुद्धा, श्री सरस और गोकुल नाम से बेचे जाने वाले उत्पाद भी शामिल हैं। प्राधिकरण के अनुसार, ये उत्पाद खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत लागू आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं पाए गए।

प्रयोगशाला जांच में घी के नमूनों में ए-साइटोस्टेरॉल नाम का वनस्पति स्टेरॉल मिला। प्राधिकरण ने कहा कि यह तत्व घी में नहीं होना चाहिए। फैटी एसिड की संरचना में भी निर्धारित मानकों के अनुरूपता नहीं मिली। निष्कर्षों से घी में बाहरी या वनस्पति वसा की मौजूदगी की आशंका जताई गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

देश में अब 37 क्रिकेट खिलाड़ियों का टैलेंट पूल

एक देश-दो टीमें; एक ही समय में दो टूर्नामेंट खेल सकता है भारत

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट में तब ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है, जब दो अलग-अलग भारतीय टीमें एक ही समय पर दो अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगी। 19 सितंबर से जापान में होने वाले एशियन गेम्स (24 सितंबर - 3 अक्टूबर, क्रिकेट इवेंट) और 27 सितंबर से शुरू हो रही भारत-वेस्टइंडीज घरेलू सीरीज (वनडे+टी20) की तारीखें आपस में टकरा रही हैं।

इससे पहले 17 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ भी टी20 सीरीज है। वर्कलोड और रिकवरी को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई 37 खिलाड़ियों का एक टैलेंट पूल तैयार कर रहा है। इसका मकसद लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 की तैयारी भी है। खास बात यह है कि दोनों आयोजनों में खेलने वाली टीमों के मैचों को इंटरनेशनल टी-20 का दर्जा मिलेगा, यानी मैदान पर दोनों 'ए' टीमें होंगी, 'बी' नहीं।

चार वजहें हैं। पहली- 300 दिन के बिजी शेड्यूल में चोट या खराब फॉर्म से निपटने के लिए तुरंत बैकअप तैयार रखना। दूसरी- एशियन गेम्स में पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ दमदार टीम उतारना। तीसरी- शीर्ष खिलाड़ियों को आराम देकर चोटों का जोखिम कम करना। चौथी- आईपीएल के जरिए भारत के पास 25-30 ऐसे खिलाड़ी पहले से तैयार हैं जो तुरंत इंटरनेशनल मैच खेल सकते हैं।

दो चुनौतियां हैं। पहली- यह तय करना कि किस खिलाड़ी को वेस्ट इंडीज सीरीज में भेजा जाए और किसे एशियन गेम्स में। दूसरी- दोहरा लीडशिप ग्रुप यानी दो अलग टीमों के लिए दो अलग कप्तान और मुख्य कोच नियुक्त करने होंगे। इनके लिए ड्रेसिंग रूम का माहौल बनाए रखना होगा।

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट शामिल होने के बाद फुटबॉल की तर्ज पर सालाना शेड्यूल बनाना होगा। ब्रॉडकास्टर्स एक ही समय पर अलग-अलग चैनलों पर दोनों टीमों के मैच दिखाकर विज्ञापनों और व्यूअरशिप से ज्यादा कमाई कर सकेंगे।

हां, टैलेंट पूल बड़ा होने से अनुबंधित खिलाड़ियों की संख्या 40 से 45 के पार जा सकती है। अभी यह संख्या 30 है। इसके साथ ही, तेज गेंदबाजों के विशेष कॉन्ट्रैक्ट की तर्ज पर 'टी20 स्पेशलिस्ट कॉन्ट्रैक्ट' की नई कैटेगरी शुरू की जा सकती है।

सितंबर 1998 में भारत ने कुआलालंपुर कॉमनवेल्थ गेम्स और टोरंटो सहारा कप के लिए दो अलग टीमें उतारी थीं। एक टीम कॉमनवेल्थ गेम्स (मलेशिया) में अजय जडेजा की कप्तानी में उतरी थी, जिसमें सचिन तेंदुलकर, अनिल कुंबले और वीवीएस लक्ष्मण जैसे सितारे थे। ये टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। दूसरी टीम सहारा कप (कनाडा) में मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में खेली थी, जिसमें सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज थे। टीम को पाकिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज में 4-1 से हराया।

संभावित 37 यशस्वी, वैभव समेत ये खिलाड़ी होंगे पूल में

बीते 26 साल में भारतीय क्रिकेट के पास संसाधन और मैच-रेडी टैलेंट बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। फिलहाल बीसीसीआई के 37 खिलाड़ियों के नए टैलेंट पूल में ये खिलाड़ी हो सकते हैं यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, इशान किशन, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), प्रभसिमरन सिंह, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, हर्ष दुबे, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, ऋतुराज गायकवाड़, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, सूर्यांश शेड़गे, मोहम्मद सिराज, शिवम दुबे, विप्रज निगम, हर्षित राणा, यश ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर।

भारत ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन 300 रन बनाए

श्रीलंका के खिलाफ पडिक्कल का लगातार दूसरा शतक

गिल की फिफ्टी

कोलंबो, 23 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 5 विकेट पर 300 रन बना लिए हैं। ध्रुव जुरेल और सारांश जैन क्रीज पर हैं।

देवदत्त पडिक्कल 117 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया। पडिक्कल को केशरा नुवानथा ने बोल्ड किया। रवींद्र जडेजा (43 रन) को असिथा फर्नांडो ने बोल्ड किया।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल ने 50 रन बनाए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए थे।

पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे। भारत ने रविवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारत सीरीज में 1-0 से आगे है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, मानव सुथार, सारांश जैन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

श्रीलंकाः लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, काकामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (डब्ल्यू), केशरा नुवानथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

दलीप ट्रॉफी डेब्यू में वैभव सूर्यवंशी 8 रन पर आउट

बेंगलुरु, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत का 2026-27 डोमेस्टिक क्रिकेट सीजन 23 अगस्त से दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू हो गया है। ईस्ट जोन का पहला विकेट 12 रन पर गिरा गया है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी 8 रन बनाकर आउट हो गए। नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। वैभव दलीप ट्रॉफी के 63वें सीजन में ईस्ट जोन के उपकप्तान हैं।

दलीप ट्रॉफी में देश के अलग-अलग जोन की टीमें खेलती हैं। खिलाड़ी न्यूजीलैंड दौरे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होम टेस्ट सीरीज के लिए दावेदारी पेश करेंगे।

सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी डेब्यू में 6 गेंदों पर 8 रन बनाए। उन्होंने लगातार दो गेंदों पर दो चौके लगाए। पहला चौका मिडविकेट की दिशा में फ्लिक से आया, जबकि अगली गेंद पर उन्होंने तेज कट खेलकर बाउंड्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने एक डॉट बॉल खेली। अगली गेंद पर तेज गेंदबाज विश्वरजीत कोंथौजम के खिलाफ शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गली में खड़े फील्डर ने उनका कैच पकड़ लिया।

वैभव ने पिछले एक साल में टी-20 क्रिकेट में शानदार परफॉर्मेंस किया है। उन्होंने IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें भारत की टी-20 टीम में जगह मिली। अब दलीप ट्रॉफी में उनकी नजर रेड बॉल क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने पर होगी।

ईस्ट जोन ने वैभव को ईशान किशन का डिप्टी बनाया है। सिलेक्टर्स का कहना है कि इससे यह देखने में मदद मिलेगी कि वे अतिरिक्त जिम्मेदारी के प्रेश को कैसे संभालते हैं।

ईस्ट जोन अपने अभियान की शुरुआत नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ करेगा। अगर टीम आगे बढ़ती है तो वैभव को अगले दो हफ्तों में कम से कम दो रेड बॉल मैच खेलने का मौका मिल सकता है। फाइनल तक पहुंचने पर यह संख्या तीन हो सकती है।

वैभव हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। वे यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट प्लेयर बने थे। उन्होंने 3 मैचों में दो अर्धशतक की मदद से 151 रन बनाए थे।

एशियाड के लिए भारत के 492 एथलीटों को मंजूरी

एथलेटिक्स के सबसे ज्यादा 73 खिलाड़ी

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय ने जापान में अगले महीने होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारत के 492 एथलीटों के दल को मंजूरी दे दी। मंजूर किए गए दल में 265 पुरुष और 227 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। सबसे बड़ा दल एथलेटिक्स का है, जिसमें कुल 73 खिलाड़ी हैं। एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होगा। हालांकि, मंत्रालय ने अभी भारतीय दल के साथ जाने वाले सपोर्ट स्टाफ की सूची जारी नहीं की है। सूत्रों के मुताबिक, यह सूची एक सप्ताह के भीतर या उससे पहले जारी की जा सकती है।

एक सूत्र ने बताया कि सपोर्ट स्टाफ की सूची को दोबारा तैयार किया जा रहा है, ताकि सभी खेलों की टीमों के लिए फिजियो और मेडिकल स्टाफ समेत पर्याप्त संख्या में स्पोर्ट्स साइंस विशेषज्ञ उपलब्ध रहें। सूत्र के मुताबिक, एथलीटों की सूची लगभग वही है, जिसकी सिफारिश भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने की थी। हालांकि, डोपिंग उल्लंघन के कारण कुछ खिलाड़ियों के नाम हटाए गए हैं। वहीं, कुछ और खिलाड़ियों को ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) से मंजूरी मिलने के बाद सूची में शामिल किया जा सकता है। एथलेटिक्स टीम में 35 पुरुष और 38 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस टीम के प्रमुख आकर्षण होंगे। उनके अलावा लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर, लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और 100 मीटर बाधा दौड़ की एथलीट ज्योति याराजी भी टीम में हैं।

शूटिंग टीम में कुल 30 खिलाड़ी हैं, जिसमें 15 पुरुष और 15 महिलाएं शामिल हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर टीम की प्रमुख खिलाड़ी हैं। उनके अलावा सुरुचि सिंह, एलावेनिल वलारिवन और ईशा सिंह जैसे युवा निशानेबाज भी टीम का हिस्सा हैं। वेटलिफ्टिंग टीम को डोपिंग उल्लंघन के कारण घटाकर पांच खिलाड़ियों का कर दिया गया है। इनमें ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू (49 किग्रा) और हालिया कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतकर सुर्खियों में आईं ज्ञानेश्वरी देवी (53 किग्रा) प्रमुख नाम हैं। ऋषिकांता सिंह (60 किग्रा) इस टीम में शामिल एकमात्र पुरुष खिलाड़ी हैं।

भारत की बैडमिंटन टीम में 20 खिलाड़ी हैं। इसमें पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी जैसे स्थापित नाम शामिल हैं। महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली, जबकि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी टीम का हिस्सा हैं। ट्रीसा और गायत्री ने इसी सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है। बॉक्सिंग टीम में 11 खिलाड़ी शामिल हैं। हालिया कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतने वाले लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), नरेंद्र बरवाल (+90 किग्रा) और जादुमणि सिंह (55 किग्रा) टीम के प्रमुख नाम हैं। भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों में कुल 30 खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं रोइंग में 22 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एस्पोर्ट्स के लिए 15 खिलाड़ियों को मंजूरी मिली है और सभी पुरुष हैं।

रग्बी प्रतियोगिता में भारत केवल 13 सदस्यीय महिला टीम उतारेगा। वहीं वॉलीबॉल में सिर्फ 12 सदस्यीय पुरुष टीम भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। सेपकटकरा के लिए 21 खिलाड़ियों को मंजूरी मिली है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया का लोकप्रिय खेल है, जिसमें वॉलीबॉल, फुटबॉल और जिम्नास्टिक के तत्व शामिल होते हैं।

कर्ण शर्मा ने अचानक किया संन्यास का ऐलान

एमआई-सीएसके को बना चुके हैं चैंपियन

लखनऊ, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट्स से संन्यास का ऐलान कर दिया है। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में UP T20 लीग का अपना आखिरी मुकाबला खेलने के बाद कर्ण ने अपने लंबे क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया। उनके संन्यास के साथ भारतीय घरेलू और टी20 क्रिकेट के एक अनुभवी चेहरे का सफर भी थम गया।

कर्ण शर्मा ने भारतीय टीम के लिए भी क्रिकेट खेला और अपनी लेग स्पिन से बल्लेबाजों को परेशान किया। हालांकि इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका करियर बहुत लंबा नहीं रहा, लेकिन घरेलू क्रिकेट और टी20 लीग में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। खासकर मुश्किल हालात में गेंदबाजी करने और दबाव को आसानी से संभालने के लिए वह जाने जाते रहे।

कर्ण शर्मा के करियर की सबसे खास उपलब्धियों में उनकी आईपीएल सफलता शामिल है. उन्होंने एसआरएच, मुंबई इंडियंस और सीएसके जैसी बड़ी टीमों का हिस्सा रहते हुए चार बार आईपीएल ट्रॉफी जीती. अलग-अलग टीमों के साथ चैंपियन बनने की यह उपलब्धि उनके करियर को खास बनाती है. उन्होंने कई अहम मुकाबलों में अपनी स्पिन गेंदबाजी से टीम को जरूरी सफलता दिलाई. इंडियन प्रीमियर लीग में कर्ण शर्मा का रिकॉर्ड बेहतर रहा है. उन्होंने 90 मैचों की 87 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 83 विकेट चटकाए हैं.

कर्ण शर्मा की पहचान सिर्फ उनकी गेंदबाजी से नहीं, बल्कि मैदान पर उनके शांत स्वभाव से भी रही. जब मैच में दबाव बढ़ता था, तब वह बिना घबराए अपनी गेंदबाजी पर ध्यान देते थे. यही वजह रही कि कप्तानों ने कई मौकों पर अहम समय में उन्हें गेंद थमाई.

कर्ण शर्मा का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा, लेकिन उन्होंने लगातार खुद को साबित किया. घरेलू क्रिकेट से लेकर आईपीएल तक उन्होंने करीब डेढ़ दशक से ज्यादा समय तक अपनी मौजूदगी दर्ज कराई. अब क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उनके प्रशंसक उनकी स्पिन, शांत अंदाज और चार आईपीएल खिताबों वाली उपलब्धि को लंबे समय तक याद रखेंगे.

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दूसरा टेस्ट दो दिन में हराया

मैके में पारी और 51 रन से जीता, स्टार्क ने 10 विकेट लिए

मेलबोर्न, 23 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने मैके में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हरा दिया। इसके साथ ही दो टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। डार्विन में पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मुकाबले में शानदार वापसी की। यह टेस्ट दो दिन में ही खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो मिचेल स्टार्क रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा 10 विकेट हॉल है। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुना गया। बांग्लादेश पहली पारी में सिर्फ 64 रन पर ऑलआउट हो गया था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 210 रन बनाए। उसे 146 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भी बांग्लादेश की टीम 95 रन पर सिमट गई।

146 रन की बढ़त के बाद बांग्लादेश के सामने मैच बचाने की चुनौती थी। लेकिन स्टार्क ने नई गेंद से एक बार फिर लगातार विकेट लिए। उन्होंने शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक को लगातार गेंदों पर आउट किया। इसके बाद पैट कमिंस ने तंजीद हसन को आउट किया।

कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 31 रन बनाए। उन्होंने कुछ अच्छे शॉट लगाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना किया। लेकिन नाथन लायन ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश की पारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। स्टार्क ने लिटन दास और तैजुल इस्लाम के विकेट लेकर अपना 10 विकेट का आंकड़ा पूरा किया। पैट कमिंस और नाथन लायन ने भी 3-3 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन 165/8 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कैमरन ग्रीन 51 रन बनाकर नाबाद थे और नाथन लायन 10 रन पर खेल रहे थे। दोनों ने नौवें विकेट के लिए 38 रन जोड़े। ग्रीन ने 67 रन की पारी खेली। लायन 32 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके बाद जोश हेजलवुड के साथ उन्होंने आखिरी विकेट के लिए भी 24 रन जोड़े। ऑस्ट्रेलिया की टीम 210 रन पर ऑलआउट हुई और उसे 146 रन की बढ़त मिली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने भी शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने पहली पारी में 48 रन देकर 7 विकेट लिए। यह टेस्ट में किसी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। उन्होंने शहदत हुसैन का रिकॉर्ड तोड़ा। शहदत ने 2008 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 27 रन देकर 6 विकेट लिए थे।

शोरिफुल का यह प्रदर्शन विदेशी जमीन पर किसी बांग्लादेशी गेंदबाज का भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड तैजुल इस्लाम के नाम था। उन्होंने इसी साल हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 रन देकर 7 विकेट लिए थे।

शोरिफुल ने दूसरे दिन कैमरन ग्रीन को इनस्विंगिंग यॉर्कर पर एलबीडब्ल्यू किया। डीआरएस के बाद ग्रीन को आउट दिया गया। वह 67 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

मैच के पहले दिन दोनों टीमों के 18 विकेट गिरे थे। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को आउट कर दिया था।

मैच के दौरान पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत

मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम; वेस्ट ब्रोम 25वें मिनट में देगा श्रद्धांजलि

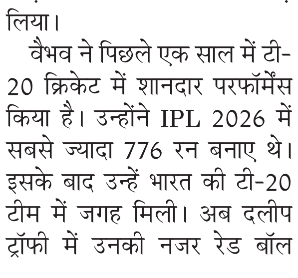

लिस्बन, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह लिस्बन में थर्ड-टियर क्लब रियल स्पोर्ट क्लब और टॉप-फ्लाइट टीम एस्ट्रेला दा अमाडोरा के बीच प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे।

कास्त्रो के मैदान पर गिरने के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की।

कास्त्रो मैच के शुरुआती मिनटों में अचानक मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई।

कास्त्रो रियल स्पोर्ट क्लब के लिए खेल रहे थे। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके परिवार, दोस्तों और रियल स्पोर्ट क्लब के प्रति संवेदना जताई।

रियल स्पोर्ट क्लब ने कहा- वह हमारे परिवार का हिस्सा थे

कास्त्रो के निधन पर रियल स्पोर्ट क्लब ने शोक जताया। क्लब ने उन्हें अपने खेल परिवार का अभिन्न हिस्सा बताया और कहा कि उनके साथ जुड़े लोगों के दिल में उनकी याद हमेशा रहेगी।

एस्ट्रेला दा अमाडोरा ने भी इस घटना पर दुख जताया। दोनों क्लबों ने मैच स्थगित किए जाने के बाद कास्त्रो को श्रद्धांजलि दी।

वेस्ट ब्रोम 25वें मिनट में तालियां बजाकर देगा श्रद्धांजलि

कास्त्रो के पूर्व क्लब वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। क्लब ने घोषणा की है कि रविवार को बर्नले के खिलाफ होने वाले मैच के 25वें मिनट में कास्त्रो की याद में तालियां बजाई जाएंगी। खिलाड़ी इस मैच में काली पट्टी भी बांधकर उतरेंगे। कास्त्रो 25 साल के थे।

वेस्ट ब्रोम ने कास्त्रो के निधन को बेहद दुखद बताते हुए उनके परिवार और करीबियों के प्रति संवेदना जताई है।

टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स, अल्कारेज के साथ मिक्स्ड डबल्स खेलेंगी: दोनों को वाइल्ड कार्ड मिला

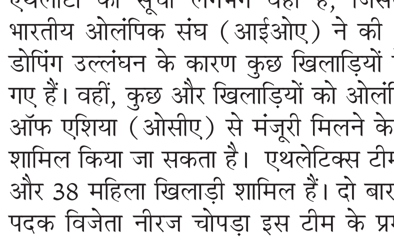

न्यूयॉर्क, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सेरेना विलियम्स यूएस ओपन में कार्लोस अल्कारेज के साथ मिक्स्ड डबल्स खेलेंगी। यूएस टेनिस एसोसिएशन ने बताया कि विलियम्स और अल्कारेज को टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। मिक्स्ड डबल्स का मेन ड्रॉ मंगलवार से शुरू होगा।

यह 2022 के बाद सेरेना का पहला यूएस ओपन होगा। वहीं स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज डिफेंडिंग चैंपियन हैं। उन्होंने 2025 का खिताब जीता था। सेरेना 2022 के बाद यूएस ओपन में पहली बार उतरेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन टेनिस में वापस लौटी हैं। विलियम्स ने अभी यह नहीं बताया है कि वह न्यूयॉर्क में सिंगल्स खेलेंगी या नहीं। इसके लिए एसोसिएशन ने एक महिला वाइल्ड कार्ड अभी बचाकर रखा है। विलियम्स ने विंबलडन में सिंगल्स खेला था। इसके बाद उन्होंने सिनसिनाटी ओपन में अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ डबल्स खेला था। अल्कारेज ने इस हफ्ते बताया था कि वह यूएस ओपन के अपने सिंगल्स खिताब का बचाव करने लौटेंगे। दाएं हाथ की कलाई की चोट के कारण वह अप्रैल से टेनिस से बाहर थे।

बीजिंग में रोबोट ओलंपिक की शुरुआत: 2000 से ज्यादा

ह्यूमनॉइड रोबोट दिखा रहे इंसानों जैसा करतब; हैरान हुए दर्शक

बीजिंग, 23 अगस्त (एजेंसियां)। बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स यानी 'रोबोट ओलंपिक' की शुरुआत हो गई है। पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में 16 देशों की 650 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट फुटबॉल, टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं।

चीन की राजधानी बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स (रोबोट ओलंपिक) की शुरुआत हो गई है। इस पांच दिवसीय आयोजन में 16 देशों के 650 से अधिक टीमों के 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। ह्यूमनॉइड रोबोट्स के बीच दौड़, फुटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, किकबॉक्सिंग जैसे विभिन्न खेल मुकाबले व औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं।

पहले दिन 4,00 मीटर और 1,500 मीटर जैसी दौड़ पूरी तरह से स्वायत्त श्रेणी में हुईं, जहां रोबोट्स बिना रिमोट कंट्रोल के दौड़े। वी आर चाइना की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्घाटन के मौके पर रोबोट्स ने किसी आर्मी परेड की तरह बिल्कुल एक कतार और तालमेल में मार्च-पास्ट किया। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट गैलबॉट ने जब लॉन टेनिस के लिए जोरदार डाइव लगाई तो यह नजारा देख दर्शक हैरान रह गए। एजेंसी

रोबोट ओलंपिक का आयोजन बीजिंग के नेशनल स्पीड स्केटिंग ओवल (आइस रिबन) में भी हो रहा है। रोबोट्स के बीच इंसानी खेलों का नजारा सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और पहले दिन इंसानी खेलों की तरह की ओपनिंग सेरेमनी हुई। चीन के प्रमुख अखबार ग्लोबल टाइम्स के अनुसार यूनीट्री टेक्नोलॉजीज के स्टैंड पर दो ह्यूमनॉइड रोबोट्स के बीच लाइव बॉक्सिंग को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ा।

मेहनती कार्यकर्ताओं को पदों में मिलेगी प्राथमिकता : महेश कुमार गौड़

अधिक पद पुराने कार्यकर्ताओं को देने का निर्णय : टीपीसीसी अध्यक्ष

निज़ामाबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पार्टी के लिए मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं को विभिन्न पदों पर उचित प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से लगातार पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं को पदों पर अवसर दिया जाएगा।

निजामाबाद जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में महेश कुमार गौड़ ने कहा कि निचले स्तर पर काम कर रहे कार्यकर्ताओं को भी पद दिए जाने की मांग आ रही है। पदों के वितरण में सभी वर्गों के बीच संतुलन बनाए रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पार्टी प्रभारी के साथ चर्चा के बाद 70 प्रतिशत पद पुराने कार्यकर्ताओं को देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में भी इसी तरह की व्यवस्था अपनाई जा रही है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े कार्यकर्ताओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। सभी समितियों का गठन किया जाएगा और इनमें 20 प्रतिशत नए कार्यकर्ताओं को भी अवसर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बाजार समितियों के संबंध में मंजूरी देने का सुझाव मंत्री सीतक्का ने दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्टी के लिए मेहनत करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता का हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा, सत्ता कार्यकर्ताओं की मेहनत से मिली है। कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत को कभी नहीं भूलेगी।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उन्होंने अपने 35 वर्षों के इंजीनियरिंग महाविद्यालय और कृषि महाविद्यालय के सपने को पूरा किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी 100 सीटों के साथ फिर सत्ता में लौटेगी। बैठक में सरकारी सलाहकार सुदर्शन रेड्डी, ग्रामीण विधायक भूपति रेड्डी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष नागेश रेड्डी, बोब्बिली रामकृष्ण, विभिन्न निगमों के अध्यक्ष, किसान आयोग के सदस्य गड्डगु गंगाधर, सुनील कुमार रेड्डी, विपुल गौड़, अग्रिम संगठनों के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सदाशिवपेट के पास झील में ढाई साल का बच्चा मृत मिला

संगारेड्डी, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात सदाशिवपेट के पास एनिकेपल्ली झील में संदिग्ध परिस्थितियों में ढाई साल का बच्चा मृत पाया गया। बच्चे का नाम टेकुरी महा तेजा था; वह संगीता और शेखर का बेटा था, जो पेशे से सरकारी शिक्षक हैं।

शनिवार दोपहर संगीता को बच्चा घर पर नहीं मिला। जब वह उसे ढूंढ नहीं पाईं, तो उन्होंने तुरंत शाम 5 बजे अपने पति शेखर को फोन किया। शिक्षक घर लौट आए। माता-पिता और ग्रामीणों ने खोज शुरू की और उसी दिन रात 8 बजे घर से लगभग 500 मीटर दूर झील में बच्चे का पता लगा ।

चूंकि झील और गांव के बीच एक नाला था, इसलिए माता-पिता का कहना था कि बच्चे के लिए अकेले नाला पार करना संभव नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनके बेटे की हत्या कर दी और शव को झील में फेंक दिया। मासूम बच्चे की मौत से गांव में सनसनी फैल गई। सदाशिवपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच चल रही है।

तंगल्लपल्ली के विकास के लिए विशेष योजना

43 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़कों का उद्घाटन

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव को विकास की राह पर आगे ले जाना सरकार का लक्ष्य है। लोगों की समस्याएं सीधे जानकर उनके समाधान के लिए 'गांव-गांव पोन्नम अन्ना, गांव-गांव में जन प्रशासन' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कोहड़ा मंडल के तंगल्लपल्ली गांव में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने 43 लाख रुपये की लागत से निर्मित आंतरिक सीसी सड़कों का उद्घाटन किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ गांव में चल रही कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की तथा ग्रामीणों से आवेदन लेकर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि गांव में 26 इंदिरम्मा आवास मंजूर हुए हैं और दूसरे चरण में और आवास मंजूर किए जाएंगे। 671 परिवारों को गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट मुफ्त बिजली के लिए 22.41 लाख रुपये का लाभ मिला है। 1,121 किसानों को किसान भरोसा के तहत 1.57 करोड़ रुपये तथा 472 किसानों को 3.73 करोड़ रुपये की ऋणमाफी मिली है। नौ किसान परिवारों को किसान बीमा के तहत 45 लाख रुपये दिए गए हैं। गांव में 503 पेंशनधारियों को हर माह 11.29 लाख रुपये पेंशन मिल रही है। उन्होंने कहा कि 18 करोड़ रुपये की लागत से शनिगरम-तंगल्लपल्ली-सुदरगिरि सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। पिल्लिवागु पर पुल और चेकडैम सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने जल संरक्षण के लिए प्रत्येक घर में सोख्ता गड्ढे बनाने की अपील की और बताया कि इसके लिए 6,500 रुपये की सहायता दी जा रही है। किसानों से कम पानी वाली फसलों और तेल ताड़ की खेती अपनाने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि कोहड़ा मंडल में 1,320 एकड़ में तेल ताड़ की खेती हो रही है। उन्होंने पात्र लोगों से 31 अगस्त तक पेंशन के लिए आवेदन करने तथा 14-15 वर्ष की बालिकाओं को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव के टीके लगवाने की अपील की।

ऑटो चालकों की समस्याओं का समाधान करेंगे : परिवहन मंत्री

ऑटो को इलेक्ट्रिक में बदलने के लिए 1.50 लाख रुपये तक की सहायता

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने ऑटो चालकों से प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने की अपील करते हुए कहा कि सरकार उनकी उचित मांगों का बातचीत के जरिए समाधान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ऑटो चालकों के कल्याण के लिए सरकार कल्याण बोर्ड का गठन करने जा रही है। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2015 के बाद ऑटो किराए में वृद्धि नहीं हुई है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, वाहनों की लागत और रखरखाव खर्च को ध्यान में रखते हुए ऑटो किराए में वृद्धि पर विशेष समिति गठित की जाएगी। इसमें ऑटो चालकों के प्रतिनिधियों, परिवहन विभाग के अधिकारियों और संबंधित वर्गों को शामिल कर सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने ऑटो चालकों के लिए कल्याण बोर्ड गठित करने का निर्णय लिया है।

इसके लिए आवश्यक नियम और प्रक्रियाएं तैयार कर बोर्ड का गठन किया जाएगा। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद में प्रदूषण कम करने और ऑटो चालकों पर आर्थिक बोझ घटाने के लिए पेट्रोल, डीजल और गैस से चलने वाले ऑटो को इलेक्ट्रिक ऑटो में बदलने की योजना लाई जा रही है। मंत्रिमंडल ने इलेक्ट्रिक ऑटो में बदलाव के लिए प्रति ऑटो 1.50 लाख रुपये तक सरकारी सहायता देने का निर्णय लिया है। पुराने ऑटो को कबाड़ में देकर नया इलेक्ट्रिक ऑटो खरीदने वालों को भी सरकार सहायता देगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के ऑटो चालकों की समस्याओं को भी सरकार ध्यान में रख रही है। पात्र ऑटो चालकों के परिवारों को राशन कार्ड, मुफ्त बिजली, मुफ्त बस यात्रा सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि जिस तरह आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया गया, उसी तरह ऑटो चालकों की उचित समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हड़ताल से समस्याओं का समाधान नहीं होगा और सरकार बातचीत के लिए तैयार है। हुस्नाबाद से ऑटो चालकों से अपील करते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि वे हड़ताल पर न जाएं और सरकार के साथ बातचीत कर समस्याओं के समाधान में सहयोग करें।

नलगोंडा को सुपर स्मार्ट सिटी में बदलेंगे : कोमटिरेड्डी

24 घंटे पेयजल आपूर्ति के कार्य छह माह में पूरे होंगे

एसएलबीसी सुरंग अगस्त 2028 तक पूरी करने का लक्ष्य

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन तथा छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने नलगोंडा को सुपर स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए विधानसभा क्षेत्र में समग्र विकास के लिए कई बड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं की घोषणा की। मंत्री रविवार को नलगोंडा क्लब में 2 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्षों और सम्मेलन कक्ष का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि नलगोंडा क्लब का वातावरण सुखद है और यह नगर के लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने क्लब के विकास के लिए प्रबंधन को निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि नलगोंडा नगर में 24 घंटे पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 125 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कार्य शुरू किए गए हैं। इन कार्यों को छह माह के भीतर पूरा कर नगरवासियों को चौबीसों घंटे पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि एसएलबीसी सुरंग का निर्माण पूरा करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुरूप सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी के सहयोग से धन जुटाकर कार्यों में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने एसएलबीसी सुरंग के कार्यों को अगस्त 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। एसएलबीसी परियोजना की अनुमानित लागत 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,000 करोड़ रुपये हो गई है। सुरंग निर्माण के कार्यों में पहले ही काफी प्रगति हो चुकी है। कोमटिरेड्डी ने कहा कि प्रत्येक एकड़ तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के उद्देश्य से सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाई जा रही है। नलगोंडा नगर के विकास के तहत 900 करोड़ रुपये की लागत से बाहरी रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है। यातायात की समस्या कम करने और नलगोंडा को आधुनिक एवं आकर्षक शहर में बदलने के लिए सरकार सड़क विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। वर्तमान में लगभग 1,400 करोड़ रुपये के कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि 300 करोड़ रुपये की लागत से भूमिगत जल निकासी व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके अलावा नगर के प्रत्येक वार्ड में सीमेंट-कंक्रीट सड़कों और दोहरी सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

कामारेड्डी की प्राइमरी स्कूल टीचर को मिला नेशनल बेस्ट टीचर अवॉर्ड

कामारेड्डी, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गंधारी गाँव के एक प्राइमरी स्कूल (गर्ल्स) की टीचर बोम्पल्ली भवानी को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी बेहतरीन सेवाओं के लिए 'बेस्ट नेशनल टीचर अवॉर्ड' के लिए चुना गया है। उन्हें देश भर से चुने गए उन 48 टीचरों में शामिल किया गया है जिन्हें यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड मिलेगा। यह अवॉर्ड 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया जाएगा।

अवॉर्ड के लिए चुने जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भवानी ने कहा, मैं नेशनल अवॉर्ड के लिए चुने जाने पर बहुत खुश हूँ। मैं अपने उन टीचरों से प्रेरणा लेकर, जिन्होंने मेरी सफलता में अहम भूमिका निभाई, गरीबों को अच्छी शिक्षा देकर सरकारी स्कूलों के बारे में लोगों की नकारात्मक सोच को बदलने की कोशिश कर रही हूँ। मैं एक ऐसे दिन का सपना देखती हूँ जब माता-पिता सरकारी स्कूलों में सीट पाने के लिए होड़ करेंगे।

सेकेंडरी ग्रेड की टीचर भवानी पढ़ाने के नए और एक्टिविटी-बेस्ड तरीकों को अपनाने के लिए काफी पसंद की जाती हैं। इन तरीकों से छात्र गणित, अंग्रेज़ी, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन आदि आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल, जिसमें 7.5 लाख फॉलोअर्स वाला यूट्यब चैनल भी शामिल है, के ज़रिए ऑनलाइन क्लास चलाकर ख्याति हासिल की। ये क्लास स्कूल में धीरे सीखने वाले छात्रों (स्लो लर्नर्स) के फ़ायदे के लिए थीं। खास बात यह है कि उन्होंने चैनल पर 1,336 वीडियो पोस्ट किए, जिन्हें कुल मिलाकर 57 करोड़ बार देखा गया।

पढ़ाई-लिखाई के अलावा, यह प्रेरणादायक टीचर योग, कंप्यूटर साइंस, शास्त्रीय नृत्य और खेल भी सिखाती हैं और छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करती हैं। वह अपनी मर्ज़ी से छात्रों को पुलिस स्टेशन, पोस्ट ऑफिस और पर्यटन स्थलों पर ले जाती हैं ताकि उन्हें फील्ड विज़िट के ज़रिए सुविधाओं के बारे में जानकारी मिल सके। उन्हें दानदाताओं से फंड इकट्ठा करके स्कूल की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने का श्रेय भी दिया जाता है।

पार्टी से ऊपर कोई नहीं, अनुशासन तोड़ने पर कार्रवाई : वाकिटि श्रीहरि

पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों से बचने की अपील

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी से ऊपर कोई व्यक्ति नहीं है और सभी को पार्टी हित को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी की छवि और हितों को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्री सुरेखा की बेटी द्वारा की गई टिप्पणी से पार्टी को नुकसान पहुंचा है। सुरेखा हों या वाकिटि श्रीहरि या कोई अन्य व्यक्ति, सभी से पहले पार्टी है। इसलिए पार्टी को सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। श्रीहरि ने कहा कि पार्टी की निर्धारित नीति और अनुशासन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी को नुकसान पहुंचता है तो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी और अनुशासन समिति मामले पर निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि सुरेखा के खिलाफ किसी को साजिश करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गलती करने पर किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। सुरेखा को ही नहीं, बल्कि चिन्नारेड्डी को भी नोटिस दिया गया है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी विकास और कल्याणकारी योजनाओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और विकास के साथ कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। ऐसे समय में पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाली घटनाएं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अनावश्यक अवसर न मिले, इसका ध्यान रखना प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। सभी को पार्टी लाइन का पालन करना चाहिए। श्रीहरि ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर चलने वाली पार्टी है। पार्टी में पिछड़ा वर्ग या सवर्ण वर्ग के नाम पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता और सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के खिलाफ बीआरएस-भाजपा : चामला

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विदेशी दौरे पर गलत बयानबाजी का आरोप

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरि लोकसभा सदस्य चामला किरण कुमार रेड्डी ने बीआरएस और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि दोनों दल राज्य में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास के अवसर मिलने के खिलाफ काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में ट्रिपल आर, मूसी और फ्यूचर सिटी जैसी परियोजनाओं के विकास तथा विदेशी निवेश आने का भी दोनों दल विरोध कर रहे हैं। किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय, एमआईटी और वर्जीनिया टेक विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों से मुलाकात कर तेलंगाना में इंजीनियरिंग शिक्षा के स्तर, विद्यार्थियों के कौशल विकास और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने जैसे विषयों पर चर्चा की। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने लंदन और अमेरिका का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव तथा सांसद धर्मपुरी अरविंद और रघुनंदन राव ने मुख्यमंत्री के विदेशी दौरे को लेकर जनता को गुमराह करने वाले बयान दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को केंद्रीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान की जानकारी तक नहीं थी और बिना तथ्यों के मुख्यमंत्री के दौरे पर टिप्पणी की गई।

बाद में वास्तविकता सामने आने पर भाजपा नेताओं ने अपना रुख बदल लिया। सांसद ने कहा कि 2014 से 2023 तक मुख्यमंत्री रहे के. चंद्रशेखर राव ने हैदराबाद को न्यूयॉर्क, करीमनगर को इस्तांबुल और वारंगल को पेरिस बनाने के दावे किए थे, लेकिन अब जब प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों को तेलंगाना लाने के प्रयास हो रहे हैं तो भाजपा और बीआरएस इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और बंडी संजय से सवाल किया कि राज्य में प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आएं और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, तो इसमें गलत क्या है। उन्होंने दोनों नेताओं से केंद्रीय विदेश मंत्रालय से बात कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की अपील की। किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि बीआरएस ने दस वर्षों के शासन में इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इंजीनियरिंग शिक्षा, कौशल और रोजगार के बीच के अंतर को खत्म करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार चाहे जो भी विकास कार्य करे, उसका नकारात्मक प्रचार करना भाजपा और बीआरएस का साझा एजेंडा बन गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के हर कदम में बाधा डालने के बजाय विपक्षी दलों को राज्य के हित में सहयोग करना चाहिए।

मलयप्पा स्वामी के उत्सव विग्रहों का हुआ पवित्र स्नपन तिरुमंजन

तिरुमला में वार्षिक पवित्रोत्सव शुरू

तिरुमला, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में वार्षिक पवित्रोत्सव रविवार को भव्य धार्मिक वातावरण में शुरू हुआ। तीन दिवसीय इस धार्मिक उत्सव के पहले दिन श्री मलयप्पा स्वामी के साथ श्रीदेवी और भूदेवी के उत्सव विग्रहों को स्नपन तिरुमंजनम कराया गया। कल्याणोत्सव मंडपम में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच वेद पंडितों ने उत्सव विग्रहों को पवित्र एवं सुगंधित द्रव्यों से विधि-विधानपूर्वक दिव्य स्नान कराया। इस दौरान मंदिर परिसर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। पवित्रोत्सव के पहले दिन वैखानस

आगम परंपरा के अनुसार पुजारियों ने पवित्र प्रतिष्ठा की प्रक्रिया भी संपन्न की। इस अवसर पर तिरुमला के दोनों मठों के पीठाधिपति, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी मुद्दादा रविचंद्र, अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी छे. वेंकैया चौधरी, टीटीडी बोर्ड सदस्य नन्नपनेनी सदाशिव राव, मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी लोकनाथम सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.